THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 305 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.12 2079 गुरुवार, 19 जनवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

विधानसभा में नोटों की गड्डी लेकर पहुंचे आप विधायक

कहा- माफिया पैसे लेकर अस्पताल में नौकरी दे रहे, मुझे चुप रहने के लिए रिश्वत दी

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में बुधवार को आम आदमी पार्टी के विधायक ने नोटों की गड्डी लहराई। रिठाला से आप विधायक मोहिंद्र गोयल ने नोटों की गड्डी लहराते हुए कहा कि उन्हें खरीदने की कोशिश की गई। गोयल ने आरोप लगाया कि दिल्ली के अंबेडकर अस्पताल में माफिया पैसे लेकर नौकरियां दे रहा है। मुझे चुप रहने के लिए रिश्वत देने की कोशिश की गई। गोयल ने कहा कि उन्होंने यह मुद्दा एलजी वीके सक्सेना के सामने भी उठाया था।

गोयल 15 लाख के नोटों की गड्डी झोले में लेकर विधानसभा पहुंचे थे। स्पीच के दौरान उन्होंने झोले से नोट निकालकर टेबल पर रख दिए। उन्होंने नोटों की गड्डियां हाथों में उठाकर कहा, 'ये वो टोकन मनी है, जो मुझे रिश्वत के तौर पर दी गई। मैंने पैसे के बदले नौकरी दिए जाने का मुद्दा मुख्य सचिव और एलजी के सामने भी रखा।

मैंने उन्हें पत्र लिखा। मैं जान जोखिम में डालकर यह काम कर रहा हूं। वो लोग इतने दबंग हैं कि मेरे साथ भी गलत हो सकता है। मुझे पैसा दिया गया कि आप आवाज मत उठाओ।'

गोयल ने अंबेडकर अस्पताल में की जा रही भर्तियों का मामला विधानसभा में उठाया है। गोयल ने आरोप लगाया, 'यहां जिन लोगों को नियमानुसार नौकरी दी जानी चाहिए, उन्हें नहीं दी जा रही है। यहां नर्सिंग और दूसरे पदों के लिए टेंडर निकाला गया है।

उन्होंने कहा, 'सरकार के नियमों के मुताबिक, 80 फीसदी भर्तियां पुराने कर्मचारियों की होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। जिन कर्मचारियों को नौकरी मिलती है, उनके वेतन में से ठेकेदार अपना हिस्सा लेते हैं। माफिया और ठेकेदार सेटिंग के जरिए पैसे लेकर नौकरियां दे रहे हैं। शिकायत सभी जगह की, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया।'

मालदीव दौरे पर पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका और मालदीव की तीन दिवसीय यात्रा के तहत विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को मालदीव पहुंचे। इस दौरान उनके विदेशी समकक्ष अब्दुल्ला शाहिद ने उनका स्वागत किया। उन्होंने, ट्विटर पर एस जयशंकर के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, भारत के विदेश मंत्री और मेरे प्यारे मित्र का मालदीव में स्वागत है। भारत-मालदीव साझेदारी के माध्यम से दी गई विकासात्मक सहायता के प्रभाव को देखने के लिए वह यहां हैं। बता दें, विदेश मंत्री एस जयशंकर मालदीव और श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तार देने के लिए दोनों देशों की यात्रा कर रहे हैं। मालदीव में वह द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे।

3 राज्यों में चुनाव की तारीखों का ऐलान

राज्य	सीटें	वोटिंग	नतीजे
त्रिपुरा	60	16 फरवरी	02 मार्च
मेघालय	60	27 फरवरी	02 मार्च
नगालैंड	60	27 फरवरी	02 मार्च

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने बुधवार को त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड के विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। त्रिपुरा में 16 फरवरी को मतदान होगा। मेघालय और नगालैंड में 27 फरवरी को वोटिंग होगी। सभी राज्यों के नतीजों का ऐलान 2 मार्च को होगा। इन चुनावों की एक दिलचस्प बात यह है कि तीनों राज्यों में बहुमत का आंकड़ा 31 है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि तीनों राज्यों में महिला वोटरों की भागीदारी ज्यादा है और यहां चुनावी हिंसा भी ज्यादा नहीं होती। हम यहां पर निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नॉमिनेशन: त्रिपुरा- 21 जनवरी से 30 जनवरी तक, मेघालय-नगालैंड- 31 जनवरी से 7 फरवरी

नाम वापसी की आखिरी तारीख: त्रिपुरा- 2 फरवरी, मेघालय-नगालैंड-10 फरवरी है।

उन्होंने बताया कि तीनों राज्यों में 9 हजार 125 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। ग्रामीण इलाकों की बात करें तो 2018 के मुकाबले 827 ज्यादा पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। तीनों राज्यों में 376 पोलिंग स्टेशन महिला स्टाफ संभालेंगे। तीनों राज्यों में 62.8 लाख वोटर्स हैं। इनमें 31.47 लाख महिला वोटर्स और 80 साल से ज्यादा की उम्र वाले 97 हजार वोटर्स हैं। 1.76 लाख फर्स्ट टाइम वोटर्स हैं।

सीमा के अंतिम गांव लोंगवा में भी मतदान केंद्र

नगालैंड के मोन जिले का लोंगवा गांव भारत-म्यांमार की सीमा रेखा पर बसा अंतिम गांव है।

गांव का एक हिस्सा भारत में है और दूसरा म्यांमार में है। गांव के लोगों को दोहरी नागरिकता हासिल है। स्थानीय लोग बिना किसी वीजा-पासपोर्ट या कागजात के बेरोकटोक सीमा पार आवाजाही कर सकते हैं। यहां कोन्याक नागा जनजाति के करीब पांच सौ परिवार रहते हैं। यहां भी मतदान केंद्र बनाया जाएगा।

भाजपा सांसद ने खोला था विमान का इमरजेंसी गेट

सिंधिया बोले- तेजस्वी सूर्या ने गलती से गेट खोला, माफी मांगी; विपक्ष बेवजह मुद्दा न बनाए

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। इंडिगो एयरलाइन के विमान का इमरजेंसी गेट खोलने के मामले में सिविल एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने गलती से यह गेट खोल दिया था। उन्होंने कहा- मामले को ज्यादा तूल देने की जरूरत नहीं है। गेट गलती से खुल गया था, जिसके बाद एयरलाइन ने सुरक्षा की जांच की और प्लेन ने उड़ान भरी।

इस मामले में तेजस्वी सूर्या का नाम आने के बाद सोशल मीडिया पर विपक्षी पार्टियों और लोगों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए थे कि तेजस्वी के खिलाफ मामला क्यों नहीं दर्ज किया जा रहा है। इसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अब सफाई दी है।

दरअसल, 10 दिसंबर 2022 को इंडिगो का प्लेन चेन्नई से तिरुचिरापल्ली जा रहा था, तब तेजस्वी सूर्या ने इमरजेंसी एग्जिट खोल दिया था। इसे लेकर

मंगलवार को एयरलाइन ने बताया था कि चेन्नई में बोर्डिंग के दौरान एक पैसेंजर ने फ्लाइट 6E 7339 का इमरजेंसी गेट खोल दिया था।

एयरलाइन ने तेजस्वी सूर्या का नाम लिए बिना बताया था कि पैसेंजर ने अपना हाथ इमरजेंसी गेट पर रखा जिससे वह खुल गया। उन्होंने इस गलती के लिए माफी मांग ली थी। सारे सिक्योरिटी चेक पूरा करने के बाद ही फ्लाइट ने उड़ान भरी थी, जिसके चलते फ्लाइट दो घंटे की देरी से तिरुचिरापल्ली पहुंच पाई थी।

डीजीसीए के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि इस घटना को तुरंत नोटिस किया गया था और किसी यात्री की सुरक्षा के साथ समझौता नहीं किया गया। पैसेंजर ने प्लेन के दाहिने तरफ लगे इमरजेंसी गेट को गलती से खोल दिया था। अधिकारी ने कहा कि क्रू ने इस घटना के बाद सभी जरूरी कदम उठाए। विमान के उड़ान भरने से पहले दरवाजे को दोबारा इंस्टॉल किया गया और प्रेशर चेक भी किया गया।

फैक्ट्री में लगी आग, फायरमैन ने छत से तिरंगा उतारा

कहा- मेरी जान तिरंगा है, देश का गौरव लपटों में कैसे देखता

पानीपत, 18 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत जिले के दमकल विभाग में तैनात फायरमैन सुनील मेहला ने तिरंगे के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी। मंगलवार को शहर के भारत नगर की एक स्पिनिंग मिल में आग लग गई थी। आग के बीच मिल के मेन गेट की छत पर तिरंगा लहरा रहा था। जैसे ही सुनील की नजर तिरंगे पर पड़ी। वह अपनी जान की परवाह किए बिना छत पर चढ़ गए और कुछ ही देर में तिरंगा सुरक्षित तरीके से उतारा और सम्मान समेत पड़ोस की फैक्ट्री में रख दिया। सुनील मेहला जींद के भटनागर कॉलोनी निवासी हैं।

सुनील मेहला ने बताया कि हमें शुरुआत से ही ट्रेनिंग दी जाती है कि जब भी कही आगजनी की घटना हो, तो उस क्षेत्र को चारों तरफ से देखते रहना चाहिए। कहीं आग फैलती हुई किसी दूसरी जगह तो नहीं गई। बस, इसीलिए मेरी नजर तिरंगे पर गई।सुनील ने बताया कि मैं दमकल गाड़ी को चला रहा था। तिरंगे वाली छत से कुछ ही कदमों की दूरी पर गाड़ी खड़ी थी। मैं पहले उस गाड़ी को मेन गेट तक लेकर आया। यहां छत के नीचे दीवार से सटाई। इसके बाद साथी कर्मियों को बैकअप के लिए तैयार किया। जोश ऐसा था कि मैं कुछ ही सेकेंड में छत पर चढ़ गया और तिरंगा तुरंत उतार कर नीचे आ गया। तिरंगा उतारने के बाद मैंने नीचे खड़े साथियों को पकड़ाया। इसके बाद मैं नीचे आया। सम्मानपूर्वक तिरंगे को पड़ोस की फैक्ट्री में ले गया। जहां उसे पूरे सम्मान के साथ रखा। मैंने यह सब तिरंगे के सम्मान में किया है।

जनसंख्या के मामले में चीन से आगे निकला भारत

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू के आंकड़ों के मुताबिक, भारत जनसंख्या के मामले में दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश चीन को काफी पीछे छोड़ चुका है। जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 2022 के अंत तक भारत की जनसंख्या 1.417 बिलियन थी, जो चीन की जनसंख्या 1.412 बिलियन से पांच मिलियन अधिक है। हालांकि, वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू ने यह भी कहा है कि भारत की जनसंख्या वृद्धि धीमी हो गई है और यह संख्या कम से कम 2050 तक बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, एक और रिसर्च प्लेटफॉर्म मैक्रोट्रेंड्स के आंकड़ों में भारत की आबादी 1.428 अरब है।

वहीं, राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले वर्ष की तुलना में 2022 में चीन की जनसंख्या 8,50,000 कम हो गई। इसका कारण चीन में 1980 में लागू की गई एक बच्चा नीति को बताया जा रहा है। भले ही 2021 में चीन ने इस नीति को वापस ले लिया हो, लेकिन दशकों तक लागू नीति के कारण चीन की जनसंख्या में गिरावट जारी रही।

2050 तक आठ देशों में बढ़ेगी जनसंख्या

संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि 2022 से 2050 के बीच वैश्विक आबादी में आधे से अधिक वृद्धि केवल आठ देशों में होगी, जिनमें कांगो, मिस्र, इथियोपिया, भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस और तंजानिया शामिल हैं।

सीएम बोम्मई ने किया कांग्रेस पर हमला कहा- लोगों को गुमराह कर ही पार्टी

बेंगलुरू, 18 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बुधवार को कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने महिलाओं को हर महीने दो हजार रुपये देने की कांग्रेस की नई गारंटी के बारे में कहा कि कांग्रेस लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। बोम्मई ने कहा, कांग्रेस के नेता काफी हताश हैं। काफी प्रचार के बाद वे जान गए हैं कि वे सत्ता में नहीं आने जा रहे। इसलिए वे लोगों को इस तरह गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी ने लोगों का भरोसा खो दिया है और आने वाले दिनों में इस तरह की कई घोषणाएं होंगी।

बोम्मई ने कहा, कांग्रेस पार्टी से मेरा सवाल यह है कि जब वह सत्ता में थी, तो उसने यह सब क्यों नहीं किया? अब क्या गारंटी है कि वे ऐसा करेंगे? उन्होंने कहा, पार्टी ने पहले किया गया वादा पूरा नहीं किया है।

बता दें, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बीते सोमवार को ना नायकी सम्मेलन को संबोधित करते हुए 'गृह लक्ष्मी योजना' की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि सत्ता में आने के बाद कांग्रेस घर की हर महिला मुखिया को दो हजार रुपये देगी। कांग्रेस ने इससे पहले सभी घरों को हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का भी वादा किया था।

गृह मंत्रालय की बड़ी कार्रवाई, छह आईएएस और एक आईपीएस अधिकारी का तबादला

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्रलाय ने बुधवार को छह आईएएस व एक आईपीएस अधिकारी का तबादला किया है। गृह मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर के अधिकारियों का तबादला किया है। गृह मंत्रालय ने इनमें से चार को दिल्ली व अन्य को मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और पुडुचेरी स्थानांतरित किया गया है।

कराची एयरपोर्ट पर भी दाऊद की 'दादागिरी' अवैध रूप से होती है रिश्तेदारों की एंट्री

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भगोड़े अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के बारे में राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने एक बार फिर से बड़ा खुलासा किया है। एनआईए के मुताबिक पाकिस्तान के कराची एयरपोर्ट पर भी दाऊद इब्राहिम का दबदबा है जिससे उसके रिश्तेदार अवैध रूप से पाकिस्तान में प्रवेश कर जाते हैं। एनआईए ने अपनी तरफ से दायर चार्जशीट में कहा है कि दाऊद इब्राहिम के गिरोह के सदस्य सलीम कुरैशी के परिवार ने छोटा शकील के कार्यों में भाग लेने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के माध्यम से 2013 के बाद से तीन बार अवैध रूप से पाकिस्तान में प्रवेश किया। एनआईए ने टेरर फंडिंग मामले में कुरैशी की पत्नी सजिया मोहम्मद सलीम कुरैशी का बयान दर्ज किया जो कि मुंबई में रहती है।

साजिया कुरैशी ने एक सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि उन्हें पाकिस्तान के कराची हवाईअड्डे से आने-जाने की अनुमति उनके पासपोर्ट पर उनके आगमन या प्रस्थान की मुहर के बिना दी गई थी। डी-कंपनी के सिंडिकेट और टेरर फंडिंग की जांच कर रही एनआईए को पूछताछ में पता चला है कि कराची एयरपोर्ट डी-कंपनी के कंट्रोल में है।

साजिया कुरैशी ने कहा कि दाऊद इब्राहिम और छोटा शकील और उसके परिवार के सदस्यों या डी-कंपनी के साथ व्यापारिक सौदे करने के लिए कराची हवाई अड्डे पर आने वालों के पासपोर्ट पर मुहर नहीं लगाई जाती है, एनआईए जांच से पता चला है।

गणतंत्र दिवस पर वायुसेना के 50 एयरक्राफ्ट बिखेरेंगे छटा

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। इस साल गणतंत्र दिवस समारोह के मौके पर कर्तव्य पथ पर 50 विमान हिस्सा लेंगे। इसमें नौसेना का आईएल-38 भी शामिल होगा जिसे इस समारोह में पहली और शायद आखिरी बार प्रदर्शित किया जाएगा। यह जानकारी भारतीय वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी।

भारतीय वायुसेना के अधिकारी ने कहा, 'इसे यहां गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान पहली बार और शायद आखिरी बार प्रदर्शित किया जाएगा। यह उन 50 विमानों में शामिल होगा, जो इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।' अधिकारी के मुताबिक, आईएल-38 भारतीय नौसेना का एक समुद्री विमान है जिसने लगभग 42 वर्षों तक सेवा दी है।

तीन दिन की भूटान यात्रा पर पारो पहुंचे विदेश सचिव विनय क्वात्रा

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। विदेश सचिव विनय क्वात्रा 18-20 जनवरी तक भूटान की आधिकारिक यात्रा के लिए बुधवार को पारो पहुंचे। यहां पहुंचने पर क्वात्रा का स्वागत किया गया। थिम्पू स्थित भारतीय दूतावास के मुताबिक, क्वात्रा भूटान के विदेश सचिव ओम पेमा के साथ द्विपक्षीय मंत्रणा करेंगे और चौथी भारत-भूटान विकास सहयोग वार्ता की सह-अध्यक्षता करेंगे।

जानकारी के मुताबिक, यात्रा के दौरान विदेश सचिव भूटानी नेतृत्व से भी मुलाकात करेंगे। दूतावास ने बताया कि यह यात्रा भारत और भूटान के बीच नियमित उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। इसके अलावा यात्रा दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र-आप सरकार के विवाद पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार मांग रही केजरीवाल सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संविधान पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के अंत में केंद्र सरकार के वकील सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता ने मामला बड़ी बेंच को भेजने की मांग की। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिल्ली में सेवा नियंत्रण मामले को बड़ी बेंच के पास भेजने के लिए सबमिशन दाखिल करने की अनुमति दे दी है। सुनवाई के दौरान सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि राजधानी को अराजकता में नहीं झोंका जा सकता है। बता दें कि इससे पहले कल यानी 17 जनवरी को भी इस मामले पर सुनवाई हुई थी और इस दौरान भी सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली सरकार के प्रदर्शन को लेकर सवाल उठाए थे। बता दें कि याचिका की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ कर रही थी।

सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत में दलील देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी नाट्य का सहारा ले रही है और एलजी वीके सक्सेना के खिलाफ विरोध कर रही है, जबकि उन्हें पता है कि मामला सुप्रीम कोर्ट की एक संवैधानिक पीठ के समक्ष लंबित है।

सॉलिसिटर जनरल ने आगे कहा कि विरोध और नाटकीयता अदालती कार्यवाही को प्रतिस्थापित नहीं कर सकते हैं। राष्ट्रीय राजधानी में हो रहे ऐसे विरोध प्रदर्शनों को दुनिया देखती है और यह शर्मिंदगी का विषय बन जाता है।

केजरीवाल ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना पर चुनी हुई सरकार के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा था कि सक्सेना हमारे प्रधानाध्यापक नहीं हैं, जो हमारा गृह कार्य जांचेंगे और उन्हें हमारे प्रस्तावों पर केवल हां या ना कहना है।

कलबुर्गी जिले में आया भूकंप

कालबुर्गी (कर्नाटक)। उत्तरी कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में बुधवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई। सुबह 9 बजकर 48 मिनट पर करीब पांच सेकेंड तक आए भूकंप ने बेनकनहल्ली और आसपास के इलाकों में लोगों में दहशत पैदा कर दी।

भूकंप की पुष्टि करते हुए नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने एक ट्वीट जारी किया। अधिक इनपुट इकट्ठा करने के लिए जिला अधिकारियों ने उन जगहों पर टीमों को भेजा है, जहां भूकंप आया है। उन्होंने लोगों से भी अनुरोध किया है कि वे घबराएं नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को कलबुर्गी जिले का दौरा करने वाले हैं, ऐसे में अधिकारी इसको लेकर चिंतित हैं।

आंध्र व तेलंगाना में 50 से ज्यादा जगहों पर आईटी के छापे

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर विभाग (आईटी) के अधिकारी बुधवार को तेलुगु राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के 50 से अधिक स्थानों पर एक साथ तलाशी ले रहे हैं तथा रियल एस्टेट और फिल्म फाइनेंसरों को लक्षित कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, आईटी अधिकारियों की 35 टीमें छापेमारी कर रही हैं। बुधवार को, आईटी अधिकारियों ने बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आदित्य कंस्ट्रक्शन का दौरा किया, जहां उन्होंने बिल्डर माधव रेड्डी के आवास, कार्यालय और रियल एस्टेट कंपनियों की तलाशी ली। आरोप है कि वह एक प्रमुख बिल्डर की बेनामी है। इसके अतिरिक्त, आईटी अधिकारी ओराजिता प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्रीनिवास रेड्डी और वीरा प्रकाश के आवासों और कार्यालयों की तलाशी ले रहे हैं। कुक्कटपल्ली में लोढ़ा अपार्टमेंट, जुबली हिल्स, गाचीबोवली, कोंडापुर और पंजागुट्टा जैसे क्षेत्रों में संपत्तियों की भी तलाशी ली जा रही है।

हरियाणा: पूर्व शिक्षा एवं सिंचाई मंत्री जगदीश नेहरा का निधन

सिरसा, 18 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व सिंचाई एवं शिक्षा मंत्री जगदीश नेहरा का निधन हो गया। वे कई दिन से बीमार चल रहे थे। दो दिन बाद 20 जनवरी को उनकी पोत्री की शादी थी। निधन की सूचना से शोक की लहर दौड़ गई है। कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे जगदीश नेहरा पूर्व में शिक्षा एवं सिंचाई मंत्री रहे हैं। इसके अलावा हरियाणा हिंदी ग्रंथ अकादमी के भी चेयरमैन रहे। बता दें कि जगदीश नेहरा 1973 से लेकर 1977 तक सिरसा में जिला युथ कांग्रेस के महासचिव भी रहे। उन्होंने 1977 में चौधरी देवीलाल के पुत्र प्रताप चौटाला के सामने चुनाव भी लड़ा था। 1977 से 1982 तक वे सिरसा जिला कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। 1982 से 1987 तक तक शिक्षा मंत्री रहे। जगदीश नेहरा ने पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के सामने भी चुनाव लड़ा था और रणजीत सिंह के खिलाफ भी। 14 जुलाई 2014 को जगदीश नेहरा ने भाजपा भी ज्वाइन की थी, लेकिन 11 अक्तूबर 2021 को कांग्रेस में वापसी की।

उद्धव के 'सामना' में शिंदे सरकार का विज्ञापन

पीएम मोदी के दौरे पर... क्या मचेगा बवाल?

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। इन दिनों देशभर में महाराष्ट्र की राजनीति सुर्खियों में है. शिवसेना उद्धव गुट और एकनाथ शिंदे गुट लगातार किसी ना किसी वजह से आमने-सामने होते रहते हैं. वहीं खबर है कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के मुखपत्र सामना के फ्रंट पेज पर शिंदे सरकार का विज्ञापन छपा है. दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल मुंबई के दौरे पर होंगे. प्राप्त जानकारी के अनुसार इसी को लेकर शिंदे सरकार का विज्ञापन सामना के फ्रंट पेज पर छपा है. मालूम हो कि शिवसेना उद्धव गुट लगातार पीएम मोदी के दौरे को लेकर आरोप लगा रहा है. उद्धव गुट का आरोप है कि जिन कार्यों का उद्घाटन पीएम मोदी करेंगे वह उनकी सरकार में हुआ है. लेकिन ठीक इन आरोपों के उलट अपने मुखपत्र सामना में पीएम मोदी के दौरे व विकास कार्यों के उद्घाटन का विज्ञापन दिया गया है. इसके अलावा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लेकर उद्धव गुट लगातार हमलावर रहा है. उद्धव गुट द्वारा उन्हें गद्दार कहा जाता है. लेकिन मुखपत्र सामना में छपे विज्ञापन में बाकायदा शिंदे की फोटो भी लगाई गई है. अब देखने वाली बात यह है कि इस विज्ञापन पर शिंदे और उद्धव गुट की ओर से क्या प्रतिक्रिया आती है. वहीं मंगलवार को भी सामना में शिंदे सरकार पर हमला बोला गया था. सामना में मंगलवार को दावा किया गया था कि पिछले साल जून में राज्य में एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस की सरकार बनने के बाद से जादू-टोना जैसा अंधविश्वास बढ़ा है.

इसमें विपक्ष के कुछ नेताओं के साथ हुए हादसों का भी जिक्र किया गया था. इसे लेकर संपादकीय में लिखा गया था, 'मुख्यमंत्री शिंदे और उनके गुट के चालीस विधायक गुवाहाटी के कामाख्या देवी मंदिर गए. वहां उन्होंने जादू-टोना की विधि की. कहा जाता है कि भैंसे की बलि दी गई.' संपादकीय में यह भी आरोप लगाया गया, 'यह बलि मुख्यमंत्री पद की स्थिरता के लिए दी गई थी.'

पत्नी को मैसेज में दिया तीन तलाक, पुलिस ने दर्ज किया केस

इंदौर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में तीन तलाक के मामले में पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया है. आरोपी ने फ़ोन पर पत्नी को तीन बार तलाक कहा और फिर मैसेज में भी तीन बार तलाक लिखकर भेज दिया। पत्नी ने पुलिस को बताया कि आरोपी पहले से शादीशुदा था. उनकी शादी एक वेबसाइट के माध्यम से हुई थी. मामला इंदौर के खजराना थाना क्षेत्र का है. आरोपी पर मुस्लिम महिला विवाह संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि हबीब कालोनी निवासी निलोफर ने शिकायत दर्ज करवाई है कि इमरान निवासी अरावली अजमेर ने उसे फंसाया है. महिला ने पुलिस को बताया कि इमरान से नवंबर 2020 में मुस्लिम रिवाजों से शादी हुई थी। शादी के बाद ही वह विवाद करने लगा था। बात ज्यादा बढ़ी तो आरोपी ने 29 जनवरी को उसे फोन पर ही तलाक दे दिया। उसने कहा कि अब वह उसका पति नहीं रहा। इसके बाद उसने मैसेज में भी तीन बार तलाक लिखकर भेज दिया. इसके बाद उसके पास पुलिस शिकायत के अलावा कोई चारा नहीं बचा था. निलोफर मंगलवार को थाने गई और आरोपित के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया।

सेना की इन्फैंट्री यूनिट से संचार उपकरण चोरी

उच्च सुरक्षा क्षेत्र से कोहरे का फायदा उठा की वारदात

फिरोजपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर में चोर सेना की 7वीं इन्फैंट्री यूनिट से दो संचार उपकरण चुराकर ले गए। सेना के अधिकारियों की शिकायत पर बुधवार थाना कैंट पुलिस ने मामला दर्ज किया है। यह मामला देर रात का है। चोरों ने देर रात घने कोहरे का फायदा उठाकर 'सिग्नल' के उच्च सुरक्षा क्षेत्र से '7 वीं इन्फैंट्री यूनिट की रेजिमेंट के अत्यधिक संवेदनशील संचार उपकरण चुरा लिये। 7वीं इन्फैंट्री डिवीजन सिग्नल रेजीमेंट केयर 56 एपीओ के कमांडिंग ऑफिसर मेजर संदीप कुमार यादव ने स्थानीय पुलिस को दिए एक बयान में कहा था कि कुछ अज्ञात व्यक्ति भारतीय सेना की इमारत में घुसे और वहां से 2 संचार उपकरण चुरा लिए गए हैं। संचार उपकरणों की अनुमानित लागत 38.60 लाख रुपये है, लेकिन आंतरिक जांच और जांच के बाद सटीक नुकसान का पता लगाया जाना बाकी है।

सेना के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा घटना की आंतरिक जांच के भी आदेश दिए गए हैं। इस घटना ने सैन्य खुफिया, खुफिया ब्यूरो और राज्य की खुफिया एजेंसी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सिग्नल रेजिमेंट 408 गन मिसाइल रेजिमेंट के परिसर के करीब स्थित है, जो अति संवेदनशील क्षेत्र है। इस बीच, फिरोजपुर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने खुलासा किया कि मेजर संदीप कुमार यादव के लिखित बयान पर अज्ञात लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 457 और 380 के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

नवाब मलिक के बाद अब बेटे फराज के खिलाफ भी मामला दर्ज

फ्रांसीसी महिला के चक्कर में हो सकते हैं गिरफ्तार

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक की ही मुश्किलें अभी कम नहीं हो रही थी कि अब उनके बेटे पर कानून का शिंकजा कसने लगा है। मुंबई की कुर्ला पुलिस ने पूर्व मंत्री नवाब मलिक के बेटे फराज मलिक के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कहा कि नवाब मलिक के बेटे फराज मलिक ने फ्रांसीसी महिला का वीजा बढ़ाने में मदद की है। पुलिस ने नवाब मलिक के बेटे के खिलाफ जो एफआईआर दर्ज की है, उसमें आईपीसी की धारा 420, 465, 468, 471, 34 आईपीसी सहित सेक्शन 14 विदेशी व्यक्ति अधिनियम 1946 की धारा लगाई गई है।

फ्रांसीसी महिला वाला क्या है एंगल?

जानकारी मिली है कि 2 मार्च 2022 से 23 जून 2022 के बीच कुर्ला में फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए थे। इन दस्तावेजों की हेरफेर 2020 में हुई थी। विशेष शाखा अधिकारी की शिकायत पर कुर्ला पुलिस में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि फराज व हैमलीन (फ्रांसीसी महिला) के अलावा कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। दरअसल, हैमलीन साल 2020 में भारत आई थी, जिसका वीजा बढ़ाने के लिए एप्लीकेशन दी गई थी। इसके साथ फर्जी डाक्यूमेंट्स भी दिए गए थे। ये बात जब स्पेशल ब्रांच ऑफिसर को जांच के दौरान पता चली तो उन्होंने इस मामले की शिकायत कुर्ला पुलिस स्टेशन में की।

अभी जेल में ही हैं नवाब मलिक

बता दें कि ईडी ने नवाब मलिक को पिछले साल फरवरी में गिरफ्तार किया था। वह अभी न्यायिक हिरासत में हैं। मलिक के खिलाफ ईडी का मामला राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है। दाऊद इब्राहिम 1993 के मुंबई बम विस्फोट मामले का मुख्य आरोपी है। पिछली साल दिसंबर में बम्बई हाई कोर्ट ने एक जमीन के सौदे से जुड़े धन शोधन के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक की जमानत अर्जी पर तत्काल सुनवाई करने से इंकार कर दिया था।

भोपाल के जिस लक्ष्मी परिसर के फ्लैट नहीं बिक रहे, वहां फ्लैट दिलाने को लेकर ठगी

भोपाल, 18 जनवरी (एजेंसियां)। पुराने भोपाल के कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाले एक निगरानीशुदा बदमाश ने जिंसी चौराहे के पास पुरानी लक्ष्मीगंज गल्ला मंडी की जमीन पर बने लक्ष्मी परिसर में फ्लैट दिलाने के नाम पर छह लोगों से ठगी की है। हकीकत यह है कि भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के लक्ष्मी परिसर में बड़ी संख्या में फ्लैट खाली पड़े हैं। दरअसल, पुराने शहर और सामने स्थित बस्ती की वजह से लक्ष्मी परिसर में जाने को लोग तैयार नहीं हैं। बीडीए की कोशिश है कि सरकारी कर्मचारियों को रहने के लिए यह फ्लैट दे दिए जाए। इसके लिए उसकी स्मार्ट सिटी से बातचीत भी चल रही है।

पत्नी के सामने ही बीच सड़क पर चाकुओं से गोदा

मुंबई में पुलिस स्टेशन के पास सनसनीखेज मर्डर

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के धारावी इलाके में एक शख्स की रात चाकू गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई। रात 9 बजे हुई इस वारदात के वक्त मृतक अपनी पत्नी के साथ कहीं जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, घटना में मारे गए शख्स का नाम जाहिद है और वह वॉचमैन का काम करता था। हमले के दौरान जाहिद को बचाने की कोशिश में उसकी पत्नी भी घायल हो गई। पुलिस ने 2 अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है और मामले की जांच कर रही है।

जाहिद को बचाने में घायल हुई पत्नी

बताते हैं कि आरोपियों ने जाहिद पर चाकू से कई वार किए जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। इस दौरान उसकी पत्नी भी उसे बचाने की कोशिश में घायल हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। जाहिद को आनन-फानन में सायन अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में मृतक और हमलावरों में आपसी रंजिश का मामला सामने आया है।

कांग्रेस की प्रवक्ता ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के घाटी में पहुंचने से पहले दिया इस्तीफा

जम्मू-कश्मीर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा इन दिनों देशभर में काफी सुर्खियां बटोर रही है. अब कुछ ही दिनों में ये यात्रा जम्मू-कश्मीर के पड़ाव की तरफ कूच करेगी. इसी बीच कांग्रेस के लिए एक बुरी खबर ये आ रही है कि कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई की प्रवक्ता दीपिका पुष्कर नाथ ने इस्तीफ दे दिया. दीपिका ने पूर्व मंत्री लाल सिंह को राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल होने की 'अनुमति' देने के पार्टी आलाकमान के फैसले का हवाला देते हुए कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया.'भारत जोड़ो यात्रा' इस सप्ताह के अंत में केंद्र-शासित प्रदेश में प्रवेश करेगी. नाथ ने कहा

कि वह वैचारिक कारणों पर पार्टी छोड़ रही हैं, क्योंकि सिंह आठ साल की बच्ची के बलात्कारियों का "बेशर्मी से बचाव" करके 2018 के कठुआ दुष्कर्म मामले में अभियोजन का पक्ष कमजोर करने के लिए जिम्मेदार थे. दो बार के सांसद और तीन बार के विधायक सिंह 2014 में कांग्रेस छोड़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे.

सोनीपत में मिला नवजात शिशु का शव

जन्म के बाद लाल कपड़े में लपेट फेंका; स्टूडेंट की शिकायत पर एफआईआर

सोनीपत, 18 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में राठधना रोड़ पर नवजात शिशु का शव पड़ा मिला। वह लाल कपड़े में लिपटा था ओर उसकी मौत हो चुकी थी। मौके पर बच्चे झुंड बनाए उसे देख रहे थे, तो वहां से गुजर रहे बीए स्टूडेंट सागर का ध्यान इस तरफ गया। सागर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद नवजात के भ्रूण को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की छानबीन में लगी है।

भारत से छोटा शकील को पाकिस्तान भेजे गए करोड़ों रुपये

एनआईए का अंडरवर्ल्ड टेरर फंडिंग केस में खुलासा

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) अंडरवर्ल्ड टेरर फंडिंग मामले की जांच रही है. मामले में हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं. अब एनआईए को पूछताछ में पता चला की 2017-2018 के बीच 16-17 करोड़ रुपये भारत से पाकिस्तान में छोटा शकील के पास भेजे गए थे. पूछताछ में पता चला कि मामले में गिरफ्तार आरिफ भाईजान ने 2018 में मुंबई के अंधेरी इलाके में और कलाचौकी इलाके में चल रहे एक बिल्डर के प्रोजेक्ट में उसे मदद करने के नाम पर 16-17 करोड़

रुपये लिये थे. जानकारी के मुताबिक, ये रुपये दुबई के रास्ते हवाला के जरिये पाकिस्तान में छोटा शकील को भेजे गये थे. दर्ज एफआईआर के मुताबिक, अंडरवर्ल्ड इसी तरह से लोगों में दहशत फैलाकर उनसे पैसे वसूलता है और उन पैसों का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए करता है. इससे पहले एनआईए की जांच में पता चला था कि पाकिस्तान एयरपोर्ट और वहां के लोग अंडरवर्ल्ड के कंट्रोल में हैं.

छोटा शकील के रिश्तेदार को किया था गिरफ्तार

एनआईए ने जांच में खुलासा किया था कि अंडरवर्ल्ड चाहे तो कौन पाकिस्तान में आ रहा है, कौन पाकिस्तान से जा रहा है, इसका रिकॉर्ड विश्व में किसी को नहीं मिलेगा. अंडरवर्ल्ड टेरर फंडिंग मामले की जांच कर रही एनआईए ने अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील के रिश्तेदार सलीम फ्रूट को गिरफ्तार किया था. जिसके बाद एनआईए ने सलीम फ्रूट की पत्नी का बयान दर्ज किया, जिसमें उसकी पत्नी ने बहुत बड़ा खुलासा किया. उसने बताया कि वह कई बार पाकिस्तान गई और वहां बिना पासपोर्ट पर ठप्पा लगाए ही उसकी एंट्री और एग्जिट हो जाती थी. उसने बताया कि वह वहां छोटा शकील के घर फंक्शन में गई थी.

हीरा व्यापारी की आठ साल की बेटी बनेगी संन्यासी, सूरत में हजारों लोगों की मौजूदगी में दीक्षा शुरु

सूरत, 18 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के एक धनी हीरा व्यापारी की आठ वर्षीय बेटी ने संन्यासी बनने के लिए आलीशान जिंदगी को त्याग करने का फैसला लिया है। हजारों लोगों की मौजूदगी में आज यानी बुधवार सुबह छह बजे से उनकी दीक्षा शुरू हो चुकी है। देवांशी जैनाचार्य कीर्तियशसूरीश्वर महाराज से दीक्षा ले रही हैं। देवांशी दो बहनों में बड़ी है। खेलने-कूदने की उम्र में देवांशी जैन धर्म ग्रहण कर संन्यासिनी बनने जा रही हैं।

ऊंटों, हाथियों, घोड़ों के साथ एक भव्य जुलूस का आयोजन किया गया

वहीं दीक्षा लेने से एक दिन पहले, शहर में ऊंटों, हाथियों, घोड़ों और बड़ी धूमधाम के साथ एक भव्य जुलूस का आयोजन किया गया था। उसके परिवार ने पहले बेल्जियम में एक समान जुलूस का आयोजन किया था, एक ऐसा देश जो जैन समुदाय के कई हीरा व्यापारियों का घर है। बचपन से ही, देवांशी ने अपने परिवार के अन्य सदस्यों की तरह दिन में तीन बार प्रार्थना करते हुए एक साधारण जीवन व्यतीत किया था। देवांशी ने कभी टीवी, या फिल्में नहीं देखीं और कभी रेस्तरां या विवाह में शामिल नहीं हुईं। उन्होंने अब तक 367 दीक्षा कार्यक्रमों में भाग लिया है। संघवी के एक पारिवारिक मित्र ने कहा। घटना से जुड़े एक अन्य व्यक्ति ने पुष्टि की कि एक विशाल व्यवसाय के मालिक होने के बावजूद, परिवार एक साधारण जीवन जीता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, देवांशी धनेश सांघवी और उनकी पत्नी अमी की बड़ी बेटी हैं। उनका परिवार संघवी एंड संस नाम की हीरा कंपनी चलाता है, जो दुनिया की सबसे पुरानी हीरा कंपनियों में से एक है। वयस्क होने पर देवांशी को विरासत में करोड़ों का हीरा कारोबार मिलता। लेकिन इसके बजाय, आठ साल की बच्ची देवांशी ने बुधवार को सूरत में विलासिता को त्याग कर संन्यास ग्रहण किया।

चोरों ने रोकी मेट्रो की रफ्तार

मजेंटा लाइन पर सेवा प्रभावित

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली मेट्रो की मजेंटा लाइन पर सफर करने वाले यात्रियों को आज सुबह से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली मेट्रो के ट्वीट के अनुसार मजेंटा लाइन पर स्थित कालिंदी कुंज मेट्रो स्टेशन से लेकर ओखला बर्ड सेंचुरी तक ट्रेन एक निर्धारित गति से चल रही है और इसकी वजह चोर हैं। दरअसल मजेंटा लाइन से केबल चुराने की घटना सामने आई है जिसकी वजह से सिग्नल देने वाले केबल क्षतिग्रस्त हो गए हैं और पूरी सिग्नल व्यवस्था में बाधा आ रही है। इसी के चलते आज सुबह से ही मजेंटा लाइन पर ट्रेनें रुक-रुक कर चल रही हैं। डीएमआरसी का कहना है कि जो भी गड़बड़ी है उसे संचालन का काम खत्म होने के बाद ही ठीक किया जा सकेगा। ऐसे में आज पूरे दिन ही मजेंटा लाइन पर यह स्थिति बनी रहेगी। इसलिए लोगों से अनुरोध भी किया गया है कि वह अतिरिक्त समय लेकर चलें।

खन्ना के मिलिट्री ग्राउंड में मिला तोप का गोला

साथ लगती है सब्जी मंडी, मौके पर पहुंची पुलिस

खन्ना (पंजाब), 18 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के खन्ना में बुधवार की सुबह खन्ना के मिलिट्री ग्राउंड में तोप का गोला मिलने से लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मिलिट्री ग्राउंड बिल्कुल खन्ना की सब्जी मंडी के साथ लगता है, जिसके साथ घनी आबादी है। तोप का गोला सब्जी मंडी के साथ लगती दीवार पर गिरा मिला। मिली जानकारी अनुसार सब्जी मंडी में सुबह-सुबह बहुत ज्यादा भीड़ रहती है, उसी भीड़ से एक शख्स टॉयलेट करने के लिए मिलिट्री ग्राउंड की तरफ गया, तो उसने देखा एक तोप के गोला जैसा कुछ पढ़ा है। जिसके बाद उसने उसकी सूचना मंडी में काम कर रहे आढ़ती को दी। आढ़तियों ने इसकी सूचना संबंधित पुलिस थाना में दी, जिसके तुरंत बाद खन्ना के एसएसपी सहित पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और साथ लगती जगह को खाली करवाया। मौके पर तैनात डीएसपी गुरमीत सिंह ने बताया कि यह तोप का गोला है, सिक्योरिटी के मद्देनजर हमने साथ लगती जगह को खाली करवा दिया है। हमने लोगों को इससे दूर रहने के लिए बोल दिया है और साथ ही पुलिस फोर्स भी तैनात कर दी है, ताकि बम के पास कोई ना जाए। हमने इसकी सूचना जालंधर बम निरोधक दस्ते को दे दी है, वह आकर बम को चेक करेंगे या अपने साथ ले जाएंगे या यहीं पर इसके इसे डिफ्यूज करेंगे उनके आने के बाद ही पता चलेगा।

'आफत' का अलर्ट, रूह कंपाने वाली ठंड के साथ होगी बारिश और बर्फबारी

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। सर्दी का सितम जारी है। उत्तर भारत में इस समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। आमतौर पर हर साल मकर संक्रांति के बाद ठंड कम होने लगती है, लेकिन इस बार पारा और कोहरा दोनों जिद पर हैं। ऐसे में पहाड़ों से लेकर मैदान तक सर्दी के सितम के आगे लोगों ने सरेंडर कर दिया है। मौसम विभाग की मानें तो ये ठंड अभी और सताने वाली है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का सीधा असर दिल्ली समेत कई मैदानी राज्यों में साफ दिख रहा है। कड़ाके की सर्दी के चलते दिल्ली के शेल्टर होम में भीड़ बढ़ रही है। सर्दी के सितम के बीच मौसम विभाग ने

बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब और राजस्थान में बारिश के साथ ओले गिर सकता है। हालांकि, 25 जनवरी के बाद कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

पहाड़ों पर बर्फबारी और बारिश का अलर्ट

वहीं, मैदानी इलाकों में कड़ाके की सर्दी के बीच पहाड़ों पर भारी बर्फबारी और बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिन पहाड़ों पर कहीं बर्फबारी तो कहीं बारिश की चेतावनी दी गई है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आज से 25 जनवरी के बीच बारिश और बर्फबारी की आशंका है, तो बर्फीली हवाओं से मैदानी इलाके के लोग भी ठिठुर रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, एक एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के 21 से 25 जनवरी के बीच उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है। इसके चलते 21 तारीख के शुरुआती घंटों में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश और बर्फबारी का सिलसिला जारी रहेगा। 23 और 25 जनवरी तक इसके और ज्यादा तेज होने की उम्मीद जताई गई है। इसके अलावा 23 और 25 जनवरी को पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तरी राजस्थान सहित उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में बारिश की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही ठंडी हवाएं लोगों की दिक्कतों को और बढ़ाएंगी।

राजधानी दिल्ली में ठंड से बुरा हाल

दिल्ली में रूह कंपकपाने वाली ठंड पड़ रही है। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। कई बेघर दिल्लीवासी अधिकारियों से ज्यादा मदद नहीं मिलने की शिकायत कर रहे हैं। वहीं, शेल्टर होम में भी भीड़ बढ़ गई है। दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस जबकि अधिकतम 18 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: मेरे दाहिने हाथ में कर्म है, बाँए हाथ में जय है।

रघुनंदन राव के आरोपों पर टी. चंद्रशेखर ने दिया जवाब

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष थोटा चंद्रशेखर ने हैदराबाद में भूमि अतिक्रमण के संबंध में दुब्बका विधायक एम रघुनंदन राव द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि रघुनंदन राव द्वारा किए गए दावे, कि सीएम ने उन्हें मियांपुर में 4,000 करोड़ रुपये की जमीन दी थी। यह बातें पूरी तरह से झूठी और निराधार है। चंद्रशेखर ने राव को अपने आरोपों के लिए सबूत देने की चुनौती दी और कहा कि अगर आरोप सही थे, तो वह अपने लिए केवल 10 प्रतिशत रखते हुए 90 प्रतिश भूमि राव को देने को तैयार होंगे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं. 03/ डिप्टी सीई/जीएस/जीएनटी दिनांक : 15-01-2023 ओटी

पीआरओ/0052

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 30.01.2023 को 15.30 बजे तक ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्र.सं. 1. निविदा आईडी सं. : 03 सेक्शन : डिप्टी सीई/जीएस/जीएनटी. **कार्य का विवरण** : टीओआर में उल्लेखित डिलिवरेबल्स के अनुसार 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अन्तर्गत गुंटूर रेलवे स्टेशन के अपग्रेडेशन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट एवं निविदा अनुसूची तैयार करने के लिए तकनीकी परामर्श, **अनुमानित मूल्य** : रु. 22,26,660/-, **बोली सुरक्षा राशि** : रु. 44,500/-

क्र.सं. 2. निविदा आईडी सं. : 04 सेक्शन : डिप्टी सीई/जीएस/जीएनटी. **कार्य का विवरण** : टीओआर में उल्लेखित डिलिवरेबल्स के अनुसार 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अन्तर्गत नंद्याल एवं गिद्दलुरु रेलवे स्टेशनो के अपग्रेडेशन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट एवं निविदा अनुसूची तैयार करने के लिए तकनीकी परामर्श, **अनुमानित मूल्य** : रु. 21,71,200/-, **बोली सुरक्षा राशि** : रु. 43,400/-

क्र.सं. 3. निविदा आईडी सं. : 05 सेक्शन : डिप्टी सीई/जीएस/जीएनटी. **कार्य का विवरण** : टीओआर में उल्लेखित डिलिवरेबल्स के अनुसार 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अन्तर्गत कंबम एवं मार्कापुरम रोड रेलवे स्टेशनो के अपग्रेडेशन के लिए कांसेप्ट प्लान्स मास्टर प्लान, टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट एवं निविदा अनुसूची तैयार करने के लिए तकनीकी परामर्श, **अनुमानित मूल्य** : रु. 20,17,800/-, **बोली सुरक्षा राशि** : रु. 40,400/-

क्र.सं. 4. निविदा आईडी सं. : 06 सेक्शन : डिप्टी सीई/जीएस/जीएनटी. **कार्य का विवरण** : टीओआर में उल्लेखित डिलिवरेबल्स के अनुसार 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अन्तर्गत दोनाकोंडा रोड रेलवे स्टेशन के अपग्रेडेशन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट एवं निविदा अनुसूची तैयार करने के लिए तकनीकी परामर्श, **अनुमानित मूल्य** : रु. 10,26,010/-, **बोली सुरक्षा राशि** : रु. 20,500/-

क्र.सं. 5. निविदा आईडी सं. : 07 सेक्शन : डिप्टी सीई/जीएस/जीएनटी. **कार्य का विवरण** : टीओआर में उल्लेखित डिलिवरेबल्स के अनुसार 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अन्तर्गत नरसारावपेट एवं विणुकोंडा रेलवे स्टेशनो के अपग्रेडेशन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट एवं निविदा अनुसूची तैयार करने के लिए तकनीकी परामर्श, **अनुमानित मूल्य** : रु. 19,80,050/-, **बोली सुरक्षा राशि** : रु. 39,600/-

क्र.सं. 6. निविदा आईडी सं. : 08 सेक्शन : डिप्टी सीई/जीएस/जीएनटी. **कार्य का विवरण** : टीओआर में उल्लेखित डिलिवरेबल्स के अनुसार 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अन्तर्गत सत्तेनपल्ली एवं पिडुगुराल्ला रेलवे स्टेशनो के अपग्रेडेशन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट एवं निविदा अनुसूची तैयार करने के लिए तकनीकी परामर्श, **अनुमानित मूल्य** : रु. 18,96,850/-, **बोली सुरक्षा राशि** : रु. 37,900/-

क्र.सं. 7. निविदा आईडी सं. : 09 सेक्शन : डिप्टी सीई/जीएस/जीएनटी. **कार्य का विवरण** : टीओआर में उल्लेखित डिलिवरेबल्स के अनुसार 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अन्तर्गत नडिकुड़ी जं. एवं माचेर्ला रेलवे स्टेशनो के अपग्रेडेशन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट एवं निविदा अनुसूची तैयार करने के लिए तकनीकी परामर्श, **अनुमानित मूल्य** : रु. 19,09,830/-, **बोली सुरक्षा राशि** : रु. 38,200/-

क्र.सं. 8. निविदा आईडी सं. : 10 सेक्शन : डिप्टी सीई/जीएस/जीएनटी. **कार्य का विवरण** : टीओआर में उल्लेखित डिलिवरेबल्स के अनुसार 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अन्तर्गत नलगोंडा एवं मिर्यालगुड़ा रेलवे स्टेशनो के अपग्रेडेशन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट एवं निविदा अनुसूची तैयार करने के लिए तकनीकी परामर्श, **अनुमानित मूल्य** : रु. 20,57,120/-, **बोली सुरक्षा राशि** : रु. 41,200/-

क्र.सं. 9. निविदा आईडी सं. : 11 सेक्शन : डिप्टी सीई/जीएस/जीएनटी. **कार्य का विवरण** : टीओआर में उल्लेखित डिलिवरेबल्स के अनुसार 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अन्तर्गत मंगलगिरी एवं रेपल्ले रेलवे स्टेशनो के अपग्रेडेशन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट एवं निविदा अनुसूची तैयार करने के लिए तकनीकी परामर्श, **अनुमानित मूल्य** : रु. 21,41,700/-, **बोली सुरक्षा राशि** : रु. 42,800/-

1. ई-बोलियों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30.01.2023 को 15.30 बजे तक है। विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in को लॉगऑन करें।
2. किसी अतिरिक्त संसूचना/शुद्धिपत्र को ई-पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

डिप्टी चीफ इंजीनियर, गति शक्ति, गुंटूर

मुख्यमंत्री केसीआर व राष्ट्रीय नेताओं ने यादाद्री मंदिर में की पूजा

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव अपने समकक्ष दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान और केरल के सीएम पिनाराई विजयन, यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा के साथ यदाद्री में श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर गए। यादाद्री भोंगिर जिले में बुधवार को व पीठासीन देवता की पूजा-अर्चना की। पुजारियों और वैदिक विद्वानों ने विशेष पूजा की और मेहमानों को प्रसाद भेंट किया। मंदिर दर्शन के बाद मुख्यमंत्री और नेता मंदिर में प्रेसिडेंशियल सूट पहुंचे। कुछ देर ठहरने के बाद, नेता एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट परिसर के उद्घाटन में भाग लेने और तेलंगाना में कंटी वेलुगु नेत्र जांच कार्यक्रम के दूसरे चरण का शुभारंभ करने के लिए दो विशेष हेलीकॉप्टरों द्वारा खम्मम के लिए रवाना हुए।

केसीआर ने कंटी वेलुगु के दूसरे चरण का शुभारंभ किया

खम्मम, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम केसीआर ने कंटी वेलुगु के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। खम्मम में नए उद्घाटन एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट परिसर में कंटी वेलुगु कार्यक्रम के दूसरा चरण के शुभारंभ के दौरान, केसीआर के साथ उनके समकक्ष केरल से पिनाराई विजयन, दिल्ली से अरविंद केजरीवाल और पंजाब से भगवंत सिंह मान, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी. राजा और अन्य राष्ट्रीय नेता थे। इन नेताओं की मौजूदगी में कार्यक्रम स्थल पर लगे स्टालों पर कुछ लोगों की आंखों की जांच कराई गई। कार्यक्रम स्थल पर कंटी वेलुगु कार्यक्रम से संबंधित एक फोटो प्रदर्शनी भी आयोजित की गई जहां अधिकारियों ने वीवीआईपी को कार्यक्रम के बारे में समझाया जिससे तेलंगाना में लगभग 1.5 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर वीवीआईपी ने प्रत्येक लाभार्थी को चश्मा प्रदान किया। बाद में इस अवसर पर कंटी वेलुगु पर एक कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया गया। गुरुवार से राज्य भर की सभी ग्राम पंचायतों और नगरपालिका वार्डों में सामूहिक नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे।

प्रतिबंधित तोते के बच्चों के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जंगली जानवरों में अवैध शिकार और अवैध व्यापार के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्राप्त होने पर, वन रेंज अधिकारी, अवैध शिकार विरोधी दस्ते, हैदराबाद कर्मचारियों के साथ हैदराबाद के आरामघर क्षेत्र में गए। वहां टीम ने एक दुपहिया वाहन होंडा यूनिकॉर्न पर सवार दो लोगों को तोते के 10 चूजों के साथ गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास मौजूद बॉक्स को खोलने पर वन अधिकारियों को एलेक्जेंड्राइन पैराकीट के 10 चूजे मिले जो एक भारतीय पक्षी संरक्षित है और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अनुसूचियों में सूचीबद्ध है। पूछताछ पर मो. अहसनुद्दीन और सैयद बुरहानुद्दीन नाम के दो आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने ये 10 चूजे शादनगर के एक व्यक्ति से खरीदे थे और इच्छुक खरीदारों को 25 हजार रुपये में बेचने के लिए हैदराबाद ले जा रहे थे। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-II में सूचीबद्ध पक्षियों और जानवरों का अवैध शिकार धारा-9 का उल्लंघन करता है और जंगली जानवरों और जंगली जानवरों के उत्पादों का अवैध व्यापार अधिनियम की धारा -49 के तहत उल्लंघन है। यह अपराध अधिनियम की धारा -51 के तहत 3 साल तक के कारावास और 5 लाख रुपये तक के जुर्माने के साथ दंडनीय है। वन रेंज अधिकारी, अवैध शिकार विरोधी दस्ते, हैदराबाद और वन रेंज अधिकारी, शमशाबाद द्वारा दो आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव अपराध का मामला दर्ज किया गया है और उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। जब्त किए गए 10 चूजों को उचित देखभाल के लिए हैदराबाद के नेहरू जूलॉजिकल पार्क में वेटरनरी डॉक्टर के यहां भेजा गया है।

प्रसन्न कुमार मोटूपल्ली ने एनएलसी इंडिया लिमिटेड के सीएमडी के रूप में पदभार संभाला

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसन्ना कुमार मोटूपल्ली ने एनएलसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया। यहां कार्यभार ग्रहण से पहले, वह गुजरात राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (जीएसईसीएल) के एमडी थे। बापटला कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, आंध्र प्रदेश से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्वर्ण पदक विजेता प्रसन्ना कुमार के पास बिजली क्षेत्र और कोयले में तीन दशकों से अधिक का समृद्ध अनुभव है। उन्होंने चार विशेषज्ञता, संचालन प्रबंधन, विपणन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन और मानव संसाधन प्रबंधन में एमबीए किया है और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के फेलो हैं। वह ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, भारत सरकार की परीक्षा के एनर्जी ऑडिटर के टॉपर हैं और अंतर्राष्ट्रीय परियोजना प्रबंधन संघ (आईपीएमए) के प्रमाणित स्तर-डी परीक्षा धारक भी हैं. शिक्षा के अपने समृद्ध प्रोफ़ाइल के अलावा, उन्हें प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और पत्रिकाओं में 50 से अधिक तकनीकी और प्रबंधक पत्रों का श्रेय दिया जाता है, जिससे उन्हें प्रशंसा और प्रशंसा मिली है। प्रसन्ना कुमार ने नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन, एक महारत्न सरकार में अपना करियर शुरू किया। प्रसन्ना कुमार ने सीएनयूपीएल (कोल इंडिया-एनटीपीसी ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड) के निदेशक और महागुज कोलियरीज लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक के रूप में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

बंडी संजय के बेटे को थाने से जमानत

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार के बेट बंडी साई भागीरथ के बेटे को डुंडीगल पुलिस से एक अपराध के सिलसिले में थाने से जमानत मिल गई है।

भगीरथ अपने अधिवक्ता के साथ पुलिस के सामने पेश हुए। हालांकि, पुलिस ने उससे पूछताछ नहीं की और कहा कि जब भी वे उसे ऐसा करने के लिए कहें तो वह उनके सामने पेश हो जाए। पुलिस ने भागीरथ से कहा कि वे पीड़ित श्रीराम का बयान दर्ज करने के बाद ही उससे पूछताछ करेंगे, जिसे आरोपी भागीरथ ने पीटा था। पुलिस ने पीड़ित को पीटने और गाली देने के आरोप में भागीरथ के खिलाफ आईपीसी की कई धाराएं लगाई हैं। भागीरथ द्वारा शारीरिक हमले से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद महिंद्रा विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने उसके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया। वीडियो में भगीरथ के दोस्त को पीड़ित पर हमला करते हुए भी दिखाया गया है।

नाबालिग बच्चियों से रेप के आरोप में पूर्व सिपाही को 20 साल की कैद

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पोक्सो एक्ट मामलों के लिए एक विशेष अदालत ने अलग-अलग घटनाओं में दो नाबालिग लड़कियों से बलात्कार के लिए भारतीय सेना के एक पूर्व सिपाही को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने उन पर 2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। सजायाफ्ता व्यक्ति बृजेश कुमार यादव (32), जो पहले सिग्नल रेजिमेंट में एक सिपाही के रूप में काम करता था, ने अम्मुगुड़ा रेलवे स्टेशन के पास अलग-अलग इलाकों में युवा जोड़ों को निशाना बनाया। उसने क्षेत्र के प्रभारी अधिकारी के भेष में पुरुष व्यक्ति को घायल कर कमजोर जोड़ों पर हमला किया और महिला के साथ बलात्कार किया। दिसंबर 2017 में हुई पहली घटना में, उसने एक 15 वर्षीय लड़की के साथ मारपीट की और उसके प्रेमी को भगाकर उसके साथ बलात्कार किया। 2018 में फिर उसने एक और नाबालिग लड़की को अपना निशाना बनाया, जो अपने पुरुष मित्र के साथ थी। उसने लड़के की पिटाई की और लड़की को घसीटकर पास की झाड़ियों में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। जांच अधिकारी दोनों मामलों में बृजेश कुमार यादव के शामिल होने की पुष्टि करने वाली फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की रिपोर्ट की मदद से दोनों घटनाओं को संबंधित कर सकते हैं। हमने लगातार यह सुनिश्चित किया है कि हमारा दृष्टिकोण पीड़ित केंद्रित और अपराधी केंद्रित है। एक अधिकारी ने कहा, हमारी पीड़ित अधिसूचना, जांच तकनीक, सबूतों के वैज्ञानिक विश्लेषण ने हमें पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने में सक्षम बनाया है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी.आनंद ने सजा हासिल करने के लिए जांच अधिकारी और टीम के प्रयासों की सराहना की।

ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/ एससी/01-04/2023/ओटी, दि. 13-01-2023

पीआरओ/0050

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 10-02-2023 को 14.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 01. ई-निविदा सं. : 01_सीआर_एससी_23_ओटी. **कार्य का नाम :** वाड़ी - एससी-केजेडजे सेक्शन : डीईएन/सीआर/एससी अधिकार क्षेत्र में मेजर यार्ड्स में बीसीएम के साथ डीप स्क्रीनिंग। **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु. 91,43,296/-, **पूधरा रु. :** रु. 1,82,900/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में :** 12, **रखरखाव अवधि महीनों में :** 45 दिन.

क्र.सं. 02. ई-निविदा सं. : 02_सीआर_एससी_23_ओटी. **कार्य का नाम :** एससी - केजेडजे सेक्शन : एसडब्ल्यू-1) आलेर : एसएसई/पी.वे. कार्यालय एवं स्टोर्स में सुधार, एसडब्ल्यू-2) आलेर : प्लेटफॉर्म को निम्न/मीडियम स्तर से उच्च स्तर तक उठाना। **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु. 95,56,224/-, **पूधरा रु. :** रु. 1,91,200/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में :** 09, **रखरखाव अवधि महीनों में :** 36 दिन.

क्र.सं. 03. ई-निविदा सं. : 03_एस_एससी_23_ओटी. **कार्य का नाम :** - केजेडजे -बीजेडजे सेक्शन : प्रीकास्ट आरसीसी बॉक्स साइज 1X5.50X5.00 एम की तरह अप, डाउन एवं तीसरी लाइन पोर्शन के लिए एलसी नग के स्थान पर रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का प्रस्तावित निर्माण। (1) एअर पुशिंग विधि द्वारा एमएबीडी - जीयूयू स्टेशनों के बीच किमी 444/23-25 पर एलसी सं. 85 (एम), (2) एअर पुशिंग विधि द्वारा जीयूयू - जीएलए स्टेशनों के बीच किमी 450/28-30 पर एलसी सं. 87 (एम), (3) बॉक्स पुशिंग विधि द्वारा जीएलए - डीकेजे स्टेशनों के बीच किमी 459/9-11 पर एलसी सं. 89(एम), (4) बॉक्स पुशिंग विधि द्वारा मल्लेमदुगु एवं खम्मम स्टेशनों के बीच किमी 479/2-4 पर एलसी सं. 100 (एम)। **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु. 27,96,30,024/-, **पूधरा रु. :** रु. 15,48,200/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में :** 18, **रखरखाव अवधि महीनों में :** 36 दिन.

क्र.सं. 04. ई-निविदा सं. : 04_सीआर_एससी_22_ओटी. **कार्य का नाम :** सनतनगर (एसएनएफ) स्टेशन पर 3 नग लिफ्ट का प्रावधान। **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु. 98,02,006/-, **पूधरा रु. :** रु. 1,96,100/-, **पूरा करने की अवधि महीनों में :** 09, **रखरखाव अवधि महीनों में :** 36 दिन.

1. निविदादाताओं को केवल ई-निविदाकरण के माध्यम से भाग लेना होगा और कोई भी मैनुअल प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा।
2. सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि पूधरा केवल ऑनलाइन पेमेंट्स /बीजी के माध्यम से ही प्रेषित करें।
3. रेलवे बिना कारण बताए निविदा को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
4. सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि जीएसटीआईएन पहचान नंबर प्राप्त करें और अपने प्रस्तावों के साथ प्रस्तुत करें।

सीनि. डीईएन/ को-आर्ड/ सिकन्दराबाद

A0085

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए कृपया http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

भट्टी ने मुख्यमंत्री से खम्मम जिले की जनता की समस्याओं के समाधान का आग्रह किया

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज अविभाजित खम्मम जिले की विभिन्न समस्याओं पर मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को एक ज्ञापन सौंपा। अपने प्रतिनिधित्व में, सीएलपी नेता ने कहा कि वह अविभाजित जिले की कुछ लंबे समय से लंबित समस्याओं को अपने संज्ञान में ला रहे हैं और उम्मीद है कि केसीआर सभी लंबित समस्याओं का समाधान करेंगे। यह कहते हुए कि कई आदिवासी किसान जिले के वन क्षेत्रों में पोडू भूमि की खेती कर रहे हैं, उन्होंने सीएम से उन सभी आदिवासी किसानों को भूमि के पट्टे आवंटित करने का आग्रह किया, जो वन भूमि संरक्षण अधिनियम का उपयोग करके भूमि पर खेती कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पोडू भूमि के सर्वेक्षण में की गई अनियमितताओं में सुधार करने की आवश्यकता है। यह कहते हुए कि जिले में डबल बेडरूम घरों का निर्माण कछुआ गति से चल रहा है, उन्होंने सीएम से खम्मम में चल रहे कार्यों की गति बढ़ाने के अलावा खम्मम को और अधिक डबल बेडरूम घरों को मंजूरी देने का आग्रह किया। उन्होंने मुख्यमंत्री से मढ़ीरा विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं द्वारा चलाई जा रही इंदिराम्मा डेयरी योजना का विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने सीएम से एससीसीएल कंपनी के निजीकरण के केंद्र सरकार के फैसले और प्रयासों का विरोध करने का आग्रह किया क्योंकि राज्य सरकार की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह कहते हुए कि सभी अविभाजित जिलों में विश्वविद्यालय हैं, भट्टी ने मुख्यमंत्री से अविभाजित खम्मम जिले के लिए एक विश्वविद्यालय स्वीकृत करने का आग्रह किया। उन्होंने केसीआर से मढ़ीरा निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज को मंजूरी देने का भी आग्रह किया और मुख्यमंत्री से बयाराम स्टील फैक्ट्री को मंजूरी देने और जिले के लोगों के सपनों को पूरा करने का भी आग्रह किया।

कांग्रेस ने भ्रष्ट कार्यों के लिए सीएम केसीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने आज मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि राव ने पानी और जमीन के नाम पर पूरे राज्य को लूटा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार का धरनी पोर्टल गलतियों से भरा है। महेश कुमार गौड ने कीसरा में सीएम केसीआर द्वारा धरनी पोर्टल की खामियों और भ्रष्टाचार पर पार्टी नेताओं के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक सभा को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। इस अवसर पर बोलते हुए, महेश कुमार गौड़ ने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के नेताओं ने राज्य के लोगों के नाम पर लूट कर मूल्यवान भूमि पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के नेताओं ने धरणी पोर्टल की सूची से बेशकीमती जमीनों के वास्तविक मालिकों के नाम हटा दिए हैं और उन्हें जमीनों की प्रतिबंधित सूची में डाल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के नेताओं ने करोड़ों रुपये की लूट कर अपने ही लोगों को प्रतिबंधित जमीन आवंटित की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के नेताओं ने सरकार को सौंप कर अपने करीबियों को जमीनें सौंपी और खूब अवैध कमाई की। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर टिप्पणी करते हुए, महेश कुमार गौड़ ने आरोप लगाया कि परियोजना एक बेकार परियोजना है और कहा कि राज्य के शासकों ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के निर्माण के नाम पर हजारों करोड़ रुपये लूट लिए थे। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि जबकि राज्य को कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना से एक एकड़ भूमि के लिए भी पानी नहीं मिला है और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने परियोजना से हजारों करोड़ कमाए हैं।

छापेमारी के दौरान आईटी अधिकारियों के व्यवहार को मैंने गलत समझा : मल्लारेड्डी

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री मल्ला रेड्डी ने अपने घर पर आयकर छापे के दौरान अपने व्यवहार पर खेद व्यक्त किया है और कहा कि जब उन्हें पता चला कि उनके बेटे महेंद्र रेड्डी को सीने में दर्द के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, तो वह बहुत भावनात्मक आघात में थे। चूंकि मैं भारी भावनात्मक दबाव में था, मुझे लगा कि मेरे बेटे को सीआरपीएफ ने पीटा है। मल्ला रेड्डी ने बुधवार को यहां एक बयान में कहा, यह एक बहुत ही संवेदनशील क्षण था, एक पिता के रूप में मैं खुद को प्रतिबंधित नहीं कर सकता था और आयकर अधिकारियों के साथ कठोर व्यवहार कर सकता था। उन्होंने कहा कि उन्हें बाद में पता चला कि उनके बेटे पर सीआरपीएफ द्वारा हमला नहीं किया गया था और "मुझे अपनी जल्दबाजी की प्रतिक्रिया और गलतफहमी के लिए खेद है।

पंजागुट्टा में जल्द स्थापित हो बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा : वीएच

कई संघ के नेताओं ने किया पीसीसी के पूर्व अध्यक्ष का सम्मान

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंजागुट्टा में बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा की स्थापना करने को लेकर लंबे समय से मांग कर रहे पीसीसी के पूर्व अध्यक्ष व सांसद वीएच हनुमंत राव ने विभिन्न दलित संघों और अंबेडकर संघों के साथ हुई बैठक के बाद कहा कि अगर इस ओर जल्द से जल्द सरकार की ओर से कोई कदम नहीं उठाये गये तो वह अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने तुरंत जवाब दिया और पुलिस ने डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर प्रतिमा को याचिकाकर्ता हनुमंत राव को सुपुर्द करने का आदेश दिया था। फैसले का विभिन्न राजनीतिक दलों, दलितों और सार्वजनिक संगठनों के नेताओं ने स्वागत किया।

इस गोलमेज बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पंजागुट्टा में अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की जाए और इसके लिए सरकार अनुमति दे।

बाद में अंबेडकर की प्रतिमा के लिए पिछले 42 महीनों से लगातार संघर्ष कर रहे और अंततः कोर्ट में जीत हासिल करने वाले ए. हनुमंत राव को विभिन्न दलित जन संगठनों के नेताओं ने सम्मानित किया। इस गोलमेज बैठक में लोक गायक गदर, ए.आई.सी.सी. सचिव संपत कुमार, मल्लू रवि, अजीत पाशा, एम. कोदंडा रेड्डी, कांचे इलैया, पूर्व एमएलसी रामुलू नाइक, न्यायवादी श्रीनिवास शर्मा, दलित संघ के नेता राजू वस्ताद, महेश राजू, नेता इंदिरा शोभन के प्रीतम, टी.जे.एस. नेता भैरी रमेश, जय भीम नेता विनोद, कांग्रेस नेता रोशिन रेड्डी, लक्ष्मण यादव, एसपी क्रांति कुमार, आदि अविनाश के अलावा दलित प्रजा संघ और महिला संघ के नेताओं ने भाग लिया।

पीएम मोदी ने सांसद खेल महाकुंभ का किया उद्घाटन

सीएम योगी बोले- दुनिया एक नए भारत का गवाह बना

बस्ती, 18 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बजकर मिनट पर वर्चुअल माध्यम से रिमोट दबाकर सांसद खेल महाकुंभ का उद्घाटन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयोजन स्थल शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम के मंच से खिलाड़ियों और मौजूद जनसमूह को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि पिछले 8 सालों में पूरा देश और दुनिया एक नए भारत का गवाह बना। बदलते भारत ने दुनिया को हर क्षेत्र में अपनी ताकत का अहसास कराया है। पूरा विश्व स्वीकार करता है कि यह पीएम मोदी के नेतृत्व में ही भारत ने दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता हासिल की। यह आठ दिवसीय प्रतियोगिता बस्ती जिले में आयोजित हो रही है। उद्घाटन के दौरान सीएम योगी के सांसद हरिश द्विवेदी भी मौके पर मौजूद रहें। पीएम ऑनलाइन हरैंया बनाम सदर के बीच खो-खो मुकाबला भी देखेंगे। बता दें कि खेल महाकुंभ में करीब 2,90,000 छात्र-छात्राएं सांस्कृतिक कार्यक्रमों और 50,000 खिलाड़ी खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। 22 प्रकार के खेल और आठ प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आठ दिनों में होंगी। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नमो एप और डीडी स्पोर्ट्स पर हो रहा है। जिला स्तर पर 18 से 28 जनवरी तक

खेल महाकुंभ चलेगा। इसमें क्रिकेट, कबड्डी, खो-खो, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, 100, 200, 400, 800, 1500, 3000 मीटर की दौड़, चक्का फेंक, गोला फेंक, लॉन्ग जंप, हाई जंप, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम बोर्ड, ताइक्वांडो सहित 22 प्रकार के खेल होंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत, निबंध, गायन, काव्यपाठ, पोस्टर सहित आठ प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

जंगली हाथियों के हमले में ग्रामीण की मौत

सड़क पर मिला क्षत-विक्षत शव

बहराइच, 18 जनवरी (एजेंसियां)। सुजौली थाना क्षेत्र के बिहारी पुरवा निवासी एक ग्रामीण को घर लौटते समय जंगली हाथी ने हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया. सड़क पर क्षत-विक्षत पड़े शव को बरामद किया है. वहीं इस महीने 9 दिनों के भीतर हाथी के हमले में हुए मौत की यह दूसरी घटना है. बिछिया कतर्नियाघाट रेंज के सदर बीट अंतर्गत कुरकुरी कुआं गांव में सरयू नहर चमन चौराहा पुल के पास मंगलवार रात 9 बजे के जंगली हाथियों ने बिहारी पुरवा गांव निवासी चित्रकार ग्रामीण मैनेजर उर्फ राधेश्याम(60) पुत्र छोटकऊ पर हमला कर उसे जान से मार दिया. ग्रामीण चमन चौराहा पुल से पैदल कुरकुरी कुआं अपने मित्र रामजीत वर्मा के यहां जा रहा था, तभी पुल से सौ मीटर की दूरी पर गांव में पहुचते ही खेत की ओर से निकल रहे हाथियों ने ग्रामीण पर हमला कर दिया. ग्रामीण जब तक अपनी जान बचाकर भागता तब तक हाथियों ने उसे पैरों तले कुचल कर मार डाला. घटना से गांव में हाहाकार मच गया.

वसीम बरेलवी का दिल्ली में हुआ ऑपरेशन

हापुड़ में हादसे के दौरान हुए थे घायल

हापुड़, 18 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्लीः हापुड़ हादसे में घायल मशहूर शायर वसीम बरेलवी को मंगलवार को दिल्ली के करोलबाग स्थित बीएल कपूर अस्पताल में भर्ती कराया गया. शाम को उनका ऑपरेशन किया गया. ऑपरेशन सफल रहा. फिलहाल, वसीम बरेलवी किसी भी तरह के खतरे से बाहर हैं, जल्द उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है.मंगलवार को दिल्ली के बीएल कपूर अस्पताल में उनके हाथ की सर्जरी हुई. सर्जरी करने वाली टीम में शामिल हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. बृजेश्वर सिंह ने बताया कि कंधे से लेकर पूरे हाथ में फ्रेक्चर है. ऑपरेशन करीब तीन घंटे चला. अब उनकी हालत ठीक है.

बिहार सीएम के गृह क्षेत्र नालंदा में बड़ी वारदात

शाम से लापता दो भाइयों की सुबह मिली लाश

नालंदा, 18 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा से बुधवार सुबह फिर अपराध की बड़ी वारदातें सामने आई हैं। शाम से लापता दो भाइयों के शव बुधवार सुबह सिलाव थाना क्षेत्र के चंडीमऊ गांव की झाड़ियों से बरामद किए गए। उधर, राजद नेता और पूर्व विधायक पप्पू खा के बॉडीगार्ड के जवान बेटे का शव रहुई थाना क्षेत्र के कायमपुर स्थित सोगरा कॉलेज के फुटबॉल ग्राउंड पर गोल पोस्ट से लटका मिला।

अश्लीलता की हदें पार! बीच सड़क स्कूटी पर रोमांस करते दिखे युवक-युवती

लखनऊ, 18 जनवरी (एजेंसियां)। वैसे तो यूपी में इस वक्त सड़क सुरक्षा अभियान चल रहा है, लेकिन राजधानी लखनऊ से एक ऐसा वीडियो सामने आया है जो ट्रैफिक पुलिस का मखौल उड़ा रहा है. लखनऊ के पॉश मार्केट हजरतगंज में एक युवक और युवती बीच सड़क पर अश्लीलता की हदें पार करते दिखे. हजरतगंज के व्यस्त सड़क पर युवक और युवती चलती स्कूटी पर रोमांस कर रहे थे. इस खतरनाक स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. वीडियो में साफ़ नजर आ रहा है कि लड़का एक व्यस्त रोड पर स्कूटी चला रहा है और लड़की उसके आगे बैठी है.

राष्ट्रीय लोकदल ने विभिन्न सेक्टरों के अध्यक्ष और महासचिव घोषित किए

लखनऊ, 18 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकदल ने कार्यक्षेत्र (सेक्टर) के अध्यक्ष एवं महासचिवों की घोषणा की है। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने बताया कि यह नई सूची जारी की गई है। फिलहाल 10 सेक्टरों में यह तैनाती की गई है। संगठन का आगे विस्तार जल्द होगा। राय ने कहा कि किसानों के विभिन्न मुद्दों को लेकर रालोद लगातार अभियान चला रहा है जिसे और तेज किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि हस्तिनापुर कार्यक्षेत्र से योगेंद्र चेयरमैन को अध्यक्ष, पूर्व विधायक दिलनवाज खान को संगठन महासचिव बनाया गया है। ब्रज क्षेत्र से ब्रजेश चाहर को अध्यक्ष, बाबूलाल को महासचिव, रुहेलखंड से रामवीर सिंह को अध्यक्ष फिजाउल्लाह चौधरी को महासचिव, तराई से मोहम्मद असद खान को अध्यक्ष, जसविंदर सिंह घुम्मन को महासचिव, बुंदेलखंड से वीरेंद्र साक्षी को अध्यक्ष मनोज बुधौलिया को महासचिव, प्रयागराज से रामसजीवन पटेल को अध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी को महासचिव, संत कबीरनगर से ओमप्रकाश चौधरी को अध्यक्ष, विपिन श्रीवास्तव को महासचिव, कानपुर से योगेंद्र कुशवाहा को अध्यक्ष, कुंदन सिंह को महासचिव, काशी से समरनाथ यादव को अध्यक्ष, देवप्रकाश राय को महासचिव, अवध से राम सिंह पटेल को अध्यक्ष एवं चंद्रकांत अवस्थी को संगठन महासचिव बनाया गया है।

राम मंदिर को लेकर नायब तहसीलदार के बयान पर भड़के अयोध्या के संत

पद से हटाने की मांग

अयोध्या, 18 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के सेवराई तहसील में तैनात नायब तहसीलदार हिम्मत बहादुर के द्वारा राम मंदिर को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद अयोध्या के संतों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. संत समाज ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तहसीलदार को आड़े हाथों लिया. रामलीला के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने गाजीपुर के नायब तहसीलदार को महमूद करार देते हुए नास्तिक बताया. इतना ही नहीं रामलला के प्रधान पुजारी ने यह मांग की है कि उन्हें तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटाते हुए मुकदमा पंजीकृत किया जाए और और जेल भेजा जाए. संत समाज ने कहा कि सवा सौ करोड़ हिंदुओं की आत्मा को ठेस पहुंचाने वाले व्यक्ति को उसके पद से हटाते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए. साथ ही उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए और सनातन धर्म पर उंगली उठाने वाले का सिर कलम कर दिया जाए.

नायब तहसीलदार को बताया

दरअसल, उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के सेवराई तहसील में तैनात नायब तहसीलदार हिम्मत बहादुर ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर को दुकानदारी बताते हुए कहा कि जो लोग मंदिर जाते हैं वह बेवकूफ है. रामलला के प्रधान पुजारी ने कहा कि गाजीपुर के नायब तहसीलदार का बयान निंदनीय है. जिन रामलला की लोग उपासना करते हैं और अपने आपको धन्य मानते हैं. उन रामलला का भव्य मंदिर बन रहा है. भगवान में आस्था रखने वाले को तहसीलदार बेवकूफ कह रहे हैं. गाजीपुर के तहसीलदार वर्णशंकर है. आचार्य सत्येंद्र दास ने हिम्मत बहादुर को महामूर्ख करार देते हुए कहा कि न तो इनको मंदिर का ज्ञान है न ही पूजा-अर्चना का. रामलला के प्रधान पुजारी ने मांग करते हुए कहा कि ऐसे व्यक्ति को उनके पद से हटा दिया जाना चाहिए.

भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने का समय आ गया

राष्ट्रवादी बाल संत दिवाकराचार्य ने कहा कि अब भारत धर्मनिरपेक्ष नहीं रह गया. जिस प्रकार से भारतीय संस्कृत और मूलभूत हिंदुओं की आस्था पर ठेस पहुंचाया जा रहा है, अब भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने का समय आ गया है. नाराजगी व्यक्त करते हुए राष्ट्रवादी बाल संत दिवाकराचार्य ने कहा कि अभी बिहार के शिक्षा मंत्री ने रामचरितमानस और मनुस्मृति पर सवाल उठाए और एक पद पर प्रतिष्ठित व्यक्ति के द्वारा अब भगवान राम के मंदिर पर किए गए अपमानजनक बयान को लेकर नाराजगी व्यक्त की. यह स्थिति अत्यंत निंदनीय और चिंताजनक है. दिवाकराचार्य ने कहा कि राम मंदिर को दुकानदारी बताना सवा सौ करोड़ सनातन धर्मावलंबियों की आत्मा पर आरा चलाना हो गया है.

नीतीश को शिखंडी बताने वाले राजद नेता सुधाकर सिंह को नोटिस

कड़ी कार्रवाई की तैयारी

पटना, 18 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ लगातार बयानबाजी करने वाले पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। राष्ट्रीय जनता दल के प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी की ओर से जारी नोटिस में सुधाकर सिंह को स्पष्टीकरण देने के लिए 15 दिन का वक्त दिया गया है। स्पष्टीकरण न देने पर सुधाकर सिंह को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सुधाकर सिंह बिहार प्रदेश राजद के अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे हैं और वह लंबे समय से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करने में जुटे हुए हैं। पिछले दिनों उन्होंने नीतीश कुमार की तुलना शिखंडी से कर दी थी। उनके इस बयान पर बिहार की सियासत गरमा गई थी।

गठबंधन धर्म तोड़ने का आरोप

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ लगातार बयान देने के बावजूद सुधाकर सिंह पर कार्रवाई न किए जाने पर सवाल उठाए जा रहे थे। जदयू नेताओं की ओर से सुधाकर सिंह के बयान पर लगातार आपत्ति जताई जा रही थी। जदयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने पिछले दिनों खरमास के बाद राजद की ओर से सुधाकर सिंह के खिलाफ कदम उठाए जाने की बात कही थी। कुशवाहा का यह बयान सही साबित हुआ है और खरमास के बाद अब राजद ने सुधाकर सिंह के खिलाफ एक्शन लिया है। राजद की ओर से जारी नोटिस में सुधाकर सिंह पर गठबंधन धर्म का पालन न करने का आरोप लगाया गया है। नोटिस में कहा गया है कि सुधाकर सिंह को इस तरह की बयानबाजी करने का हक नहीं है। शीर्ष नेतृत्व पर टिप्पणी करने का अधिकार सिर्फ राजद मुखिया लालू प्रसाद यादव और राज्य के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के पास है। नोटिस में सुधाकर सिंह के बयान से राजद को धक्का पहुंचने की बात भी कही गई है। नोटिस में कहा गया है कि यदि सुधाकर सिंह 15 दिनों में उचित स्पष्टीकरण देने में समर्थ नहीं हुए तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

देना पड़ा था नीतीश कैबिनेट से इस्तीफा

सुधाकर सिंह पहले नीतीश कैबिनेट में शामिल थे और उन्हें कृषि मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। मंत्री के रूप में भी उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों को लेकर कई सवाल खड़े किए थे। नीतीश विरोधी बयानों के कारण ही उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था मगर इसके बावजूद उन्होंने नीतीश के खिलाफ बयानबाजी नहीं रोकी। नीतीश कुमार को शिखंडी बताकर उन्होंने बिहार की सियासत में तहलका मचा दिया था। उनके इस बयान पर जदयू नेताओं की ओर से तीखी आपत्ति जताई गई थी। राजद नेतृत्व की ओर से सुधाकर के खिलाफ कोई कार्रवाई न किए जाने पर भी सवाल उठाए जा रहे थे। अब पार्टी नेतृत्व की ओर से उनके खिलाफ एक्शन की शुरुआत की गई है।

जदयू ने जताई थी तीखी आपत्ति

राजद विधायक सुधाकर के बयानों के बाद जदयू नेता उपेंद्र कुशवाहा ने उनके खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की थी। बाद में कुशवाहा ने खरमास बाद राजद की ओर से सुधाकर के खिलाफ कार्रवाई किए जाने का संकेत दिया था। इससे माना जा रहा है कि जदयू नेतृत्व की ओर से इस बाबत राजद से बातचीत की गई थी। जदयू की आपत्तियों को देखते हुए सुधाकर के खिलाफ पार्टी से बाहर किए जाने का बड़ा कदम भी उठाया जा सकता है। वैसे सियासी जानकारों का मानना है कि सुधाकर के रवैए में बदलाव की संभावना नहीं है क्योंकि जदयू की आपत्तियों के बावजूद उन्होंने नीतीश के खिलाफ बयानबाजी बंद नहीं की थी।

गाजियाबाद में बीजेपी नेता संयम कोहली को पद से हटाया

गाजियाबाद, 18 जनवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद में रेस्टोरेंट के अंदर बार चलाने और उसमें रशियन गर्ल का डांस करवाने वाले संयम कोहली को बीजेपी युवा मोर्चा महानगर कोषाध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। महानगर अध्यक्ष सचिन डेढ़ा ने मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए ये कार्रवाई की है। इस कार्रवाई की रिपोर्ट भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष को भी भेजी गई है। पुलिस ने बताया कि

रेस्टोरेंट में बार खुलवाकर रशियन लड़कियों से करवाता था डांस, बीजेपी ने लिया एक्शन

कविनगर थाना क्षेत्र स्थित आरडीसी राजनगर में द फूड वर्कशॉप में चौथे और पांचवें फ्लोर पर ताशा रेस्टोरेंट है। इसके अंदर अवैध तरीके से बार का संचालन हो रहा था। इस सूचना पर पुलिस और आबकारी टीम ने सोमवार को छापामार कार्रवाई की। रेस्टोरेंट में बार के संचालन का कोई लाइसेंस नहीं मिला। मौके पर कई विदेशी लड़कियां डांस कर रही थीं। पुलिस ने यहां से अंग्रेजी शराब की कई बोतलें बरामद की हैं।

भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक 22 जनवरी को

लखनऊ, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक 22 जनवरी को राजधानी में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगी। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के कार्यकाल की यह पहली प्रदेश कार्यकारिणी बैठक होगी। इसमें योगी सरकार के समर्थन में राजनीतिक प्रस्ताव पारित किया जाएगा। वहीं लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर संगठन की कार्ययोजना भी पेश की जाएगी। कार्यकारिणी की बैठक को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी संबोधित करेंगे। बैठक के बाद प्रदेश भाजपा की नई टीम के गठन की कवायद भी शुरू होगी।

सपा ने तेज की विधान परिषद चुनाव की तैयारी

प्रदेश अध्यक्ष ने संभाली कमान, इन मुद्दों पर है फोकस

लखनऊ, 18 जनवरी (एजेंसियां)। सपा ने विधान परिषद की स्नातक एवं शिक्षक खंड की पांच सीटों के चुनाव को लेकर तैयारी तेज कर दी है। चुनाव वाले प्रमुख जिलों की कमान खुद प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने संभाल ली है। अन्य जिलों में दूसरे वरिष्ठ नेताओं को भेजा जा रहा है। विधान परिषद की स्नातक एवं शिक्षक खंड की पांच सीटों के लिए 30 जनवरी को मतदान होंगे। सपा ने स्नातक खंड में गोरखपुर-फैजाबाद से करुणकांत मौर्य, कानपुर से डॉ. कमलेश यादव, बरेली-मुरादाबाद से शिव प्रताप सिंह यादव और शिक्षक खंड में इलाहाबाद-झांसी से एसपी पटेल और कानपुर से प्रियंका

को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने पुरानी पेंशन बहाली, जातीय जनगणना, बढ़ती शिक्षित बेरोजगारी, रेलवे और सेना की नौकरियों में बड़े पैमाने पर हो रही कटौती आदि को प्रमुख मुद्दा बनाया है। चुनाव वाले प्रमुख जिलों में सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल जाएंगे। वह जिला कार्यालयों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, विधायकों, पूर्व विधायकों सहित अन्य नेताओं से बातचीत कर चुनाव में जोर लगाने की अपील करेंगे। इसकी शुरुआत 19 जनवरी को कानपुर नगर से होगी।

20 को कानपुर देहात, 21 को उरई (जालौन) और हमीरपुर, 23 को उन्नाव, 24 को शाहजहांपुर, 25 जनवरी को बरेली, 26 जनवरी को मुरादाबाद में बैठक करेंगे। इसी तरह अन्य जिलों में भी अलग-अलग नेताओं को भेजा जा रहा है, जो स्थानीय नेताओं के साथ समन्वय स्थापित कर मतदाताओं को बूथ पर लाने की अपील करेंगे।

शबनम, मदीना, शहनाज और शबाना मुलाकात के बहाने गांजा पिलाती थीं; यूं पकडा गया बुर्का गैंग

आजमगढ़, 18 जनवरी (एजेंसियां)। क्राइम रोकने के उतने तरीके शायद पुलिस को न आते हों, जितने तरीके अपराध को अंजाम देने के अपराधी को आते हैं. इसका जीता-जागता नमूना उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में देखने को मिला है. पुलिस ने महिलाओं के एक बुर्का गैंग को धर लिया है. गैंग में शामिल 4 महिलाएं जेल में गांजा ले जाकर जरूरतमंद ग्राहकों (कैदियों) को बेचती. इस काले धंधे में कमाई भी मोटी होती थी. यह महिलाएं जेल में बंद कैदियों के पास तक 'मिलाई' (मुलाकात) करने के बहाने से पहुंचती थीं. मुलाकात के बहाने सीधे जेल में बंद ग्राहकों के पास पहुंचतीं और जुगाड़ करके उन्हें वहीं गांजा की डोज चोरी-छिपे पिला आतीं. यह मामला पकड़ा गया है आजमगढ़ जिले के थाना सिधारी के इटौरा में मौजूद मंडली जिला कारागार में. यह बुर्का गैंग एडवांस में आर्डर मिलने के बाद ही जेल में गांजा पिलाने पहुंचता था. पुलिस इन महिलाओं

को लंबे समय से ताड़ रही थी. जब इस गैंग के पास ज्यादा मात्रा में गांजा मौजूद होने की खबर पुलिस को मिली तो, इस गैंग में शामिल चारों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तार महिलाओं का नाम शबनम, मदीना, शहनाज और शबाना पता चला है. इन तमाम तथ्यों की पुष्टि आजमगढ़ एसपी सिटी शैलेंद्र लाल ने यह गैंग जेल के बाहर से ही पकड़ा गया है. चारों के कब्जे से 4 किलोग्राम उच्च क्वालिटी का गांजा मिला है. इनके खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है. यह बुर्गा गैंग जेल में बंद जिन कैदियों के पास गांजा लेकर जा रही थीं उनके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज हुआ है. इन कैदियों का नाम इस्माइल व अरमान पता चला है. इस गैंग के सामने आने से सवाल यह भी पैदा हो गया है कि, आखिर यह ड्रग सप्लायर महिलाएं तमाम सुरक्षा इंतजामों को धता बताकर, जेल के भीतर बंद कैदियों (ग्राहकों) तक आखिर पहुंच ही कैसे जाती थीं? लिहाजा ऐसे में जिला पुलिस प्रशासन जेल के ही कुछ कर्मचारियों को भी शक की नजर से देख रहा है. हालांकि, वहीं दूसरी ओर जेल के ही उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो, पुलिस के इस बुर्का गैंग के बारे में जेल से ही इशारा किया गया था.

चेकिंग कर रहे एसडीएम की गाड़ी में बस ने मारी टक्कर, 3 घायल

औरैया, 18 जनवरी (एजेंसियां)। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह चेंकिंग कर रहे एसडीएम रमेश यादव की गाड़ी में प्राइवेट बस ने टक्कर मार दी. इससे गाड़ी में सवार एसडीएम रमेश यादव समेत उनके अर्दली व ड्राइवर घायल हो गए. वहीं, पीछे चल रही एआरटीओ प्रशासन रेहाना बानो ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया,

रियल स्टेट कंपनी के बिल्डर पर लाखों रुपये हड़पने का आरोप, मुकदमा दर्ज

लखनऊ, 18 जनवरी (एजेंसियां)। रियल स्टेट कंपनी रॉयल पाम सिटी पर प्लॉट बेचने के नाम पर महिला समेत तीन लोगों से 12.71 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगा है. आरोप है कि गोरखपुर, दिल्ली व देवरिया के पीड़ितों ने करीब छह साल बाद एडवांस देकर किश्तों में रकम जमा की. तय वक्त में कंपनी ने बैनामा किया, लेकिन कब्जा नहीं मिला. सम्पर्क करने पर टालमटोल किया गया. मौका देख आरोपी कंपनी को बंदकर भाग निकले. पुलिस आयुक्त एसबी शिरडकर के निर्देश पर सरोजनीनगर पुलिस ने कंपनी डॉयरेक्टर, मैनेजर समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है.

बिहार में भीषण कार हादसा 2 की मौत, तीन गंभीर

सासाराम, 18 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास जिले में बुधवार सुबह भीषण कार हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि ड्राइवर समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। गुजरात नंबर (जीजे12एफबी 8864) की ट्राइबर कार का इंजन पूरी तरह चिपटा हो गया। तेज रफ्तार कार सड़क पर खड़े ट्रक में ऐसे जा घुसी कि सेफ्टी एयरबैग भी फट गया और सीट पर बैठे लोग उसी में फंस कर रह गए। मृतकों की पहचान गुजरात के भुज निवासी पंच गोपाल और पश्चिम बंगाल के मिदनापुर निवासी बंकिम के रूप में हुई है। घायल ड्राइवर की अस्पताल ले जाने के क्रम में सांस अटक रही है। ड्राइवर ने गुजरात से बिहार होकर कोलकाता जाने की बात कही है, लेकिन उसकी आवाज साफ-साफ किसी ने नहीं सुनी। बाकी दो लोग पूरी तरह बेहोश हालत में अस्पताल ले जाए गए हैं। इनमें एक महिला भी है।

टीचर पर चढ़ा प्यार का खुमार, 16 साल के स्टूडेंट को लेकर हुई फरार

नोएडा, 18 जनवरी (एजेंसियां)। टीचर और स्टूडेंट के बीच प्रेम प्रसंग के कई मामले सामने आए हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश के नोएडा से प्रेम प्रसंग का बहुत अजब-गजब मामला सामने आया है. यहां एक 23 साल की टीचर का अपने 16 साल के नाबालिग स्टूडेंट पर दिल आ गया. जिसके बाद टीचर और स्टूडेंट दोनों फरार हो गए हैं.

अजित डोभाल के 'लेफ्ट हैंड' आईपीएस पंकज सिंह तस्करों के दुश्मन

दुश्मन को मात देने में हैं माहिर

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के बारे में शायद ही कोई होगा जो उनके काम करने के अंदाज से परिचित न हो. चाहे चीन हो या पाकिस्तान डोभाल ने हर मौके पर भारत को एक कदम आगे रखा है. अब उनके साथ करने वाला अधिकारी भी उन्हीं के जैसा तेजतर्रार होना चाहिए. काफी दिनों से केंद्र सरकार ऐसे अधिकारी की तलाश में थी जो डोभाल के ही तर्ज पर काम करे. कहते हैं कि डोभाल के पास हर मर्ज की दवा है. इसी का नतीजा था उरी सर्जिकल स्ट्राइक. दुश्मन को उन्हीं के घर पर घुसकर मारकर वापस आ जाना. अब डोभाल के साथ करने जा रहे हैं 1988 बैच, राजस्थान कैडर के आईपीएस पंकज सिंह . जिन्हें सरकार ने उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद की जिम्मेदारी सौंपी है.

रिटायरमेंट के बाद केंद्र सरकार ने यूं ही इतना अहम पद पंकज सिंह को नहीं सौंप दिया. इसके पीछे पंकज कुमार की तेज तर्रार छवि, हर घटना से निपटने का जज्बा, कई बड़े सफल ऑपरेशन्स, दुश्मन के हर प्लान का काट इस अधिकारी के पास मौजूद है. यही वजह है सरकार ने इतने बड़े और अहम पद पर उनको बैठाया है. सिंह 31 दिसंबर, 2022 को बीएसएफ प्रमुख के पद से रिटायर हुए थे.

तस्करों पर कस दिया शिकंजा

पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगती सीमाओं की रक्षा बीएसएफ के हाथों पर ही होती है. यहां केवल आतंकवाद ही नहीं मानव, ड्रग्स, मवेशी तस्करी भी बड़े पैमानों पर होती है. पंकज सिंह ने पश्चिम बंगाल और असम की सीमाओं पर मवेशियों की तस्करी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. 2015 से 2021 के बीच भारत-बांग्लादेश सीमा पर मवेशियों की तस्करी में 87% की गिरावट आई है.

पुलिस के साथ करने का अनुभव, पिता भी बीएसएफ चीफ रहे

उनके पिता 1959 बैच के रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी प्रकाश सिंह ने भी जून 1993 से जनवरी 1994 तक

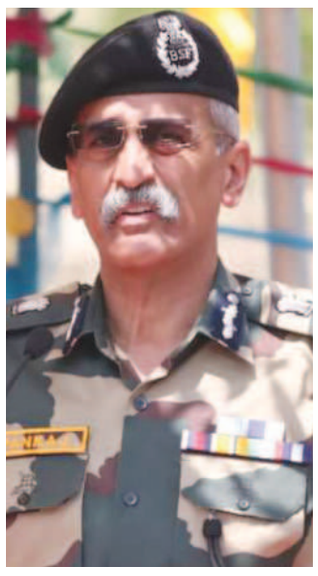

बीएसएफ का नेतृत्व किया था. जब सिंह ने 31 अगस्त, 2021 को बीएसएफ की कमान संभाली तो एक बेटे और एक पिता दोनों के ही अर्धसैनिक बल के टॉप लेवल पर आसीन होने का इतिहास रचा था. तब भी आईपीएस पंकज सिंह ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं. इसके अलावा सीबीआई के साथ करने का भी उनको खूब अनुभव है. राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर उन्होंने कई बड़े मामलों को हल किया. पाकिस्तान ने ड्रोन का उपयोग करके हथियार और ड्रग्स को भारतीय सीमा के अंदर दाखिल करने की योजना पर काम करना शुरू कर दिया था. इसकी भनक लगते ही पंकज सिंह ने प्लान तैयार किया और इसके रोकथाम के लिए कम लागत वाली एंटी ड्रोन तकनीकि ईजाद की. ये काफी सफल भी रही.

बीएसएफ स्थापना दिवस दिल्ली से बाहर

बीएसएफ हर साल अपना स्थापना दिवस मनाती है. रक्षा मंत्री, गृह मंत्री तक इस कार्यक्रम में हिस्सा लेते हैं. 2021 से पहले ये हमेशा दिल्ली में ही मनाई जाती थी मगर पंकज सिंह ने बीएसएफ चीफ रहते हुए पहली बार इसको दिल्ली से बाहर राजस्थान के जैसलमेर में मनाया. केंद्र सरकार ने इसकी खूब तारीफ की और तब से बीसएसएफ स्थापना दिवस अलग-अलग हिस्सों में मनाया जाता है. आईआईएम पंकज सिंह की क्वालीफिकेशन की बात करें तो सिंह के पास आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए के अलावा एलएलबी और एमफिल की डिग्री भी हैं.

डोभाल के लेफ्ट हैंड के लिए इससे अच्छा विकल्प नहीं

प्रकाश सिंह को देश में पुलिस सुधारों का सूत्रधार माना जाता है. उन्होंने 1996 में पुलिस प्रतिष्ठान में सुधार के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसके बाद सरकार ने खुफिया ब्यूरो, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के प्रमुख, विदेश सचिव, रॉ प्रमुख और केंद्रीय गृह सचिव को कम से कम दो साल का निश्चित कार्यकाल देना शुरू किया गया. मोटे तौर पर आप ये समझिए कि अजित डोभाल का लेफ्ट हैंड किसी ऐसे अधिकारी को ही बनाया जाएगा जो डोभाल की हर बात समझता हो. पंकज सिंह को सीमा का, ब्यूरोक्रेसी का बड़ा अनुभव है. उनसे बेहतर इस काम को कोई और नहीं कर सकता था.

नापाक साजिश फिर नाकाम: गुरदासपुर में बीएसएफ ने ड्रोन खदेड़ा

पैकेट से चार चीनी पिस्टल और आठ मैगजीन मिलीं

गुरुदासपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने पंजाब सीमा पर एक बार फिर नापाक हरकत की है। पंजाब के गुरदासपुर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पाकिस्तान की तरफ से आने वाले एक संदिग्ध ड्रोन पर फायरिंग की। फायरिंग से ड्रोन वापस लौट गया। इसके बाद बीएसएफ जवानों ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान गुरदासपुर के उंचा टकला गांव में एक पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराए गए चार चीन निर्मित पिस्तौल, 8 मैगजीन और 47 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

दस जनवरी को पठानकोट में पकड़ी थी हेरोइन

पंजाब पुलिस और बीएसएफ ने तरनतारन के सीमावर्ती एरिया से 5.92 किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी। यह हेरोइन पाकिस्तान से भेजी गई थी। पुलिस ने इस मामले में अलग-अलग तीन केस दर्ज किए थे। पिछले मंगलवार की सुबह ही बीएसएफ जवानों ने गांव नौशहरा ढाला के पास दो किलो 110 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। पाकिस्तानी तस्करों ने पीले रंग के टेप में लिपटे चार पैकेट भारतीय सीमा में फेंके थे। बीएसएफ ने इसकी सूचना पुलिस को दी। बीएसएफ प्रवक्ता के मुताबिक 10 जनवरी की सुबह सीमा पर धुंध के बीच जवान गश्त कर रहे थे। इस बीच जवानों ने फेंसिंग के पास कुछ गिरने की आवाज सुनी। तुरंत जवानों ने तस्करों पर फायरिंग की लेकिन पाकिस्तानी तस्कर धुंध का फायदा उठा अंधेरे में कहीं गायब हो गए। जवानों ने इलाके को घेरकर सर्च अभियान शुरू किया तो जवानों को पीले रंग की टेप में लिपटे चार पैकेट मिले।

पठानकोट: करोड़ों की कीमत के नशीले पदार्थों को भट्ठी में झोंका

पठानकोट पुलिस की ड्रग डिस्पोजल कमेटी ने मंगलवार को करोड़ों रुपये के नशीले पदार्थों को भट्ठी में झोंक दिया। एसएसपी हरकमलप्रीत सिंह खख के नेतृत्व में बनी दो कमेटियों ने अमृतसर की खन्ना पेपर मिल की भट्ठियों में उक्त नशे को भस्म किया। पुलिस ने यह नशीले पदार्थ 12 मामलों में जब्त किए थे। एसएसपी ने बताया कि नशीले पदार्थों के निपटारे के लिए दो टीमों का गठन किया गया था। इसमें पहली हाइलेवल टीम ने 10 किलो 20 ग्राम हेरोइन को भट्ठी में डाला। इसके अलावा, दूसरी टीम ने 1864 किलोग्राम भुक्की, 3.87 किलोग्राम चरस, 10 ग्राम हेरोइन, 1.57 किलो नशीला पाउडर और 4090 नशीले कैप्सूलों को भट्ठी में डालकर स्वाहा किया।

तस्करों पर इस तरह शिकंजा कस रही बीएसएफ

सीमा सुरक्षा बल ने तकनीक की मदद लेने के अलावा मैनुअली भी तस्करों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। कई बार घनी धुंध के बीच ड्रोन नजर नहीं आता। ऐसे में तस्कर, हथियार और ड्रग्स के पैकेट हासिल करने में कामयाब हो जाते थे। बीएसएफ ने अब उन सभी रास्तों पर अपनी टीम लगा दी हैं जहां से तस्कर, बॉर्डर की तरफ आते हैं। इसका यह फायदा हुआ है कि कोई ड्रोन जो बीएसएफ की नजर में नहीं आया हो, और वह तस्करों के हाथ लग गया हो, तो उस स्थिति में बीएसएफ की टीमें उन तस्करों को पकड़ सकती हैं। बीएसएफ ने बॉर्डर के आसपास उन सभी रास्तों का एक मैप तैयार किया है, जहां से कोई व्यक्ति बॉर्डर की तरफ आ सकता है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बीएसएफ के रेजिंग डे से पहले कहा था कि कुछ माह में पाकिस्तान की तरफ से लगभग दो सौ ड्रोन पंजाब की सीमा में आ चुके हैं। तस्करों ने बीएसएफ के पास मौजूद हैंड हेल्ड थर्मल इमेजर (एचएचटीआई) तकनीक को गच्चा देने का प्रयास किया है।

कट्टरपंथ पर नकेल! मदरसों की संख्या घटा रही असम सरकार

डीजीपी बोले- सर्वे जारी

गुवाहाटी, 18 जनवरी (एजेंसियां)। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ज्योति महंत ने कहा कि राज्य सरकार ने कट्टरपंथ के खतरे को कम करने के लिए छोटे मदरसों को बड़े मदरसों में शामिल करने का फैसला किया है. उन्होंने बताया कि राज्य के ऐसे सभी शिक्षण संस्थानों का डेटाबेस तैयार करने के लिए सर्वेक्षण किया जा रहा है. महंत ने पत्रकार वार्ता में कहा कि असम में मुसलमानों की अच्छी-खासी आबादी है और यह कट्टरपंथ को बढ़ावा देने के लिए स्वाभाविक लक्ष्य है. उन्होंने कहा कि कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वाली गतिविधियां आमतौर पर छोटे मदरसों में की जाती हैं. डीजीपी ज्योति महंत ने कहा कि राज्य पुलिस ने आतंकवादी संगठन-अंसारुल बांग्ला टीम (एबीटी) और अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) के नौ मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और पिछले साल 53 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था. महंत ने कहा कि मुस्लिम नेताओं ने ही इन गतिविधियों की जांच के लिए अधिकारियों से संपर्क किया था और समुदाय के 68 नेताओं के साथ बैठक में मदरसों में शैक्षिक सुधार लाने पर सहमति बनी थी.

हैवान पिता

सौतेली बेटी से दुष्कर्म और गर्भवती करने के जुर्म में 40 साल की कैद, कोर्ट ने सुनाया फैसला

इडुक्की, 18 जनवरी (एजेंसियां)। केरल की एक अदालत ने 2017 में अपनी तत्कालीन 15 वर्षीय सौतेली बेटी के साथ दुष्कर्म करने और उसे गर्भवती करने के लिए एक व्यक्ति को 40 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इडुक्की फास्ट ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश टी जी वर्गीस ने मंगलवार को 41 वर्षीय व्यक्ति को भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत 40 साल की अलग-अलग जेल की सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) शिजो मोन जोसेफ ने कहा कि अलग-अलग जेल की सजा एक साथ पूरी करनी होगी, दोषी को केवल 10 साल कैद की सजा काटनी होगी।

बालासोर में दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद

ओडिशा के बालासोर जिले की एक अदालत ने एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोप में 28 वर्षीय एक व्यक्ति को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो, रंजन कुमार सुतार ने मंगलवार को दोषी संतोष सिंह पर 14,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। कमरखली गांव के सिंह को पुलिस ने फरवरी 2020 को पीड़िता की मां द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया था।

उसने आरोप लगाया कि उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी का आरोपी ने यौन उत्पीड़न किया, जिससे उसकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हुईं। अतिरिक्त लोक अभियोजक, प्रणब कुमार पांडा ने कहा कि आरोपी संतोष सिंह पर आईपीसी और पॉक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा चलाया गया और पॉक्सो अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया। दोषी को 20 साल के कठोर कारावास और 14,000 रुपये के जुर्माने का भुगतान करना होगा। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से पीड़िता को मुआवजे के रूप में 4 लाख रुपये की राशि देने का भी आदेश दिया।

रविदास जयंती 5 फरवरी से शिवराज सरकार निकालेगी विकास यात्राएं

मंत्री ब्लॉक तक करेंगे दौरे

भोपाल, 18 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में सत्ता पर काबिज बीजेपी चुनावी मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से लौटने के बाद बुधवार को मंत्रियों के साथ बैठक की। सीएम ने कलेक्टर्स को रविदास जयंती के दिन 5 फरवरी से विकास यात्राओं की तैयारी करने को कहा। सीएम ने सभी मंत्रियों को ब्लॉक स्तर तक दौरे करने को कहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने निवास पर मंत्रियों के साथ चर्चा की। मंत्रियों को विकास यात्रा से पहले अपने प्रभारी जिलों के दौरे करने को कहा है। सीएम ने कहा कि जिले के प्रभारी मंत्री और कलेक्टर समन्वय के

साथ यात्रा के रूट मैप के साथ तैयारी शुरू करें। इसमें हितग्राहियों को लाभ, हितग्राहियों से चर्चा और संवाद भी होगा। सीएम ने कहा कि मुझे विश्वास है कि सभी मंत्रीगण प्रभावी ढंग से जनता के बीच जाएंगे और उत्साह का वातावरण बनेगा। बैठक में विकास यात्रा के अलावा गणतंत्र दिवस और खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारियों पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विकास यात्राएं 5 फरवरी से अधिकतम 25 फरवरी तक निकाली जाएगी।

दो महीने बाद जेल से बाहर आए आनंद राय

बोले- भाजपा में शामिल होने का बना रहे थे दबाव

इंदौर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। व्यापमं घोटाले के व्हिसलब्लोअर और पिछड़ा वर्ग के नेता डॉ. आनंद राय सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद रिहा हो गए हैं। उन्हें झाबुआ-रतलाम के सांसद गुमानसिंह डामोर की जीप पर पथराव के आरोप में चार अन्य के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। राय का कहना है कि उन पर झूठा राजनीतिक मुकदमा दर्ज किया गया क्योंकि आदिवासी समाज में मेरे बढ़ रहे जनाधार से भाजपा घबराई हुई है। मुझ पर भाजपा में शामिल होने का दबाव भी बनाया जा रहा है। लेकिन मैं ऐसा नहीं करूंगा। मेरा संघर्ष जारी रहेगा। आनंद राय का आरोप है कि जिस जगह पर सांसद और कलेक्टर के वाहनों पर पथराव हुआ, वहां मैं था ही नहीं। इसके बाद भी गंभीर धाराएं लगाकर मुकदमा दर्ज कर लिया गया। गुजरात में भी पाटीदार आंदोलन के नेता हार्दिक पटेल के साथ सरकार ने ऐसा ही किया था। बाद में दबाव बनाकर उनसे भाजपा की सदस्यता दिलवा दी। मैं झुकने वाला नहीं हूं। अब तक मुझ पर चार प्रकरण दर्ज हो चुके हैं। चारों मुकदमे सरकारी कर्मचारियों ने दर्ज कराए हैं। ताकि मैं डरकर सरकार के खिलाफ बोलना बंद कर दूं। मुझे नौ माह से स्वास्थ्य विभाग ने भी निलंबित कर रखा है। 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित समारोह से सांसद और कलेक्टर लौट रहे थे, तब उन पर कथित जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) संगठन के कुछ कार्यकर्ताओं ने पथराव किया। इसी मामले में आनंद राय समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें सागर जेल में रखा गया था। फिलहाल आनंद राय ही जेल से रिहा हुए हैं। चार अन्य लोग अब भी जेल में हैं। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने आनंद राय की जमानत अर्जी मंजूर की थी। डॉ. आनंद राय सरकारी कर्मचारी है, लेकिन विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने इंदौर की पांच नंबर विधानसभा सीट से कांग्रेस से टिकट मांगा था। उस समय जयस नेताओं ने कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ा था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ उस समय राय को टिकट देने को राजी थे, लेकिन बाद में उन्होंने सत्यनारायण पटेल को टिकट दे दिया। डॉ. राय अब भी जयस में सक्रिय है। साथ ही पिछड़ा वर्ग के संगठन ओबीसी महासभा के कार्यक्रमों में भी सक्रिय रहते हैं। डॉ. राय अब महू से विधानसभा टिकट की उम्मीद कर रहे हैं, जहां उन्होंने महू-मानपुर के आदिवासी समुदाय के साथ बड़े आंदोलन भी किए थे। जयस से कांग्रेस आकर विधायक बने डॉ. हीरालाल अलावा और आनंद राय पहले साथ थे। अब दोनों की पटरी नहीं बैठ रही है। खुलकर एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं।

पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत बादल ने छोड़ी कांग्रेस

भाजपा में हुए शामिल, कांग्रेस पर साधा निशाना

चंडीगढ़, 18 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री पंजाब और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनप्रीत सिंह बादल भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को इस्तीफा दे दिया है। भारत जोड़ो यात्रा के बीच पंजाब में कांग्रेस को झटका लगा है। मनप्रीत सिंह बादल पूर्व में अकाली-भाजपा सरकार के दौरान और फिर कांग्रेस शासन काल में भी वित्त मंत्री रह चुके हैं।

भाजपा में शामिल होकर मनप्रीत बादल ने कांग्रेस पर निशाना साधा है, उन्होंने कहा कि आप उस पार्टी के साथ कैसे काम कर सकते हैं जो खुद से युद्ध कर रही है? एक को नेता प्रतिपक्ष बनाया जाता है, दूसरे को विधायक दल का नेता बनाया जाता है और ये गुट आपस में लड़ते हैं... हर राज्य में ऐसी स्थिति है, कांग्रेस का यही हाल है। पिछले विस चुनाव में कांग्रेस पार्टी के हारने के बाद मनप्रीत सिंह बादल सियासत में अधिक सरगर्म नहीं नजर आ रहे थे। राहुल गांधी की भारत छोड़ो यात्रा के पंजाब दौरे में कहीं भी मनप्रीत सिंह बादल

नजर नहीं आए। गौर हो कि मनप्रीत सिंह बादल मालवा के दिग्गज कांग्रेस नेता हैं और उनकी मौजूदा पंजाब कांग्रेस के प्रधान राजा वड़िंग के साथ अनबन सबके सामने है। बताया जा रहा है कि मनप्रीत सिंह बादल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने दिल्ली पहुंचे और भाजपा में अधिकारिक रूप से शामिल हो गए हैं। पंजाब विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद से कांग्रेस में घमासान मचा हुआ है। जहां चुनावों से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पार्टी का साथ छोड़ा था। वहीं इससे पहले दिग्गज नेता सुनील जाखड़ भी पार्टी को अलविदा कह चुके हैं।

छिंदवाड़ा ज्वेलरी शॉप फायरिंग: पुलिस का खुलासा

बदमाश ने यूपी विधायक के गनर की हत्या कर लूटी थी कार्बाइन

छिंदवाड़ा, 18 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में छोटी बाजार क्षेत्र में ज्वेलरी शॉप में लूट का प्रयास करने और कार्बाइन मशीनगन से फायरिंग के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। छिंदवाड़ा पुलिस के मुताबिक, आरोपी संदीप यादव के कब्जे से बरामद की गई कार्बाइन उत्तर प्रदेश के पूर्व बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के भतीजे मन्नू अंसारी के गनर से लूटी गई थी। इस मामले का लिंक मिलते ही यूपी के सुलतानपुर से पुलिस टीम यहां पहुंची, जो आरोपी संदीप यादव से पूछताछ कर रही है। बता दें, बीते सोमवार को छिंदवाड़ा में बदमाश संदीप यादव ने दुर्गा ज्वेलर्स शॉप में लूट करने का प्रयास किया था। दुकान मालिक के लूट का विरोध करने पर उसने कार्बाइन मशीनगन से पांच राउंड फायर किए थे। इसमें संचालक सोहन ताम्रकार बुरी तरह से घायल हो गए थे जिनका नागपुर में इलाज जारी है। वहीं, आरोपी संदीप यादव को स्थानीय लोगों ने मौके से दबोच लिया था। पुलिस के मुताबिक, लगभग तीन महीने पहले यूपी के बाहुबली नेता मुख्तार अंसारी के भतीजे मन्नू अंसारी के गनर राकेश चौधरी (23 वर्ष) के साथ श्रमजीवी एक्सप्रेस में सुलतानपुर के पास चाकू से वार कर लूट की वारदात हुई थी, जिसमें राकेश की इलाज के दौरान मौत हुई थी। वहीं, आरोपी कार्बाइन गन लेकर फरार हो गए थे, जो छिंदवाड़ा में इसी अपराधी के पास से बरामद की गई है।

सेना का भगोड़ा है संदीप यादव

सराफा व्यापारी सोहन ताम्रकार की दुकान में लूट का प्रयास करने वाला आरोपी संदीप यादव आर्मी का भगोड़ा जवान है। बताया जाता है कि वह उत्तर प्रदेश के मेरठ में गनर (लांस हवलदार) में रूप में पदस्थ था। लेकिन पिछले साल फरवरी में वह अवकाश पर आने के बाद वापस नहीं लौटा, जिसके बाद उसे भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस को उसका कार्ड घटना स्थल से मिला, जबकि शेष जानकारी आर्मी सूत्रों से पुलिस के द्वारा जुटाई गई है।

भाई भी आर्मी में है पदस्थ

बदमाश संदीप यादव छिंदवाड़ा जिले के कुंडीपुरा थाना क्षेत्र के चारगांव का रहने वाला है। उसके परिवार में माता-पिता के अलावा तीन अन्य भाई हैं। पिता हिंदुस्तान यूनिलीवर में काम करते हैं, जबकि मां गृहणी है। बड़ा भाई शरद अपने छोटे भाई अन्नू के साथ खेती करता है। जबकि संदीप और एक अन्य भाई आर्मी में तैनात है। बताया जाता है कि आरोपी संदीप का एक भाई वर्तमान में आर्मी में जम्मू में तैनात है। संदीप का विवाह पदमा से हुआ था, लेकिन उसकी पत्नी भी इसके व्यवहार से खासी परेशान थी। दरअसल वह अक्सर मारपीट किया करता था।

विदेशी सेक्स रैकेट

स्पा सेंटर में थाईलैंड की युवतियों से करा रहे थे धंधा, अंदर का नजारा देख पुलिस के उड़े होश

गुरुग्राम, 18 जनवरी (एजेंसियां)। गुरुग्राम के एमजी रोड स्थित एमजीएफ मेगा सिटी मॉल में स्पा सेंटर में मसाज की आड़ में चल रहे सैक्स रैकेट का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इनमें से एक मसाज पार्लर में विदेशी महिलाओं से देह व्यापार कराया जा रहा था। पुलिस की टीम ने दोनों स्पा सेंटर में रेड कर थाईलैंड मूल की तीन युवतियों समेत, यूपी, दिल्ली, वेस्ट बंगाल की 18 महिलाओं को हिरासत में लिया है। वहीं, दोनों स्पा के मैनेजर समेत नौ ग्राहकों को भी पकड़ा गया है। डीएलएफ सेक्टर-29 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। डीसीपी ईस्ट की स्पेशल सेल को सूचना मिली कि एमजी रोड स्थित एमजीएफ मेगा सिटी मॉल में बने इवेंथे स्पा व अलकोर स्पा में मसाज पार्लर की आड़ में महिलाओं से देह व्यापार कराया जाता है। इस पर डीसीपी ईस्ट विरेंद्र विज और एसीपी हेडक्वार्टर अभिलक्ष जोशी की अगुवाई एक कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की गई। इसके लिए पुलिस की एक टीम को गठित किया गया। दोनों स्पा सेंटर में दो फर्जी ग्राहक बनाकर भेजे गए। जैसे ही इन फर्जी ग्राहक बने पुलिसकर्मियों ने इशारा किया, वैसे ही वहां मौजूद पुलिस टीम ने दोनों स्पा सेंटर पर एक साथ छापे की कार्रवाई कर दी।

मॉल के प्रथम तल पर अलकोर स्पा सेंटर में रेड करने पर पुलिस ने स्पा के मैनेजर मोबिनूर इस्लाम को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने बताया कि इस स्पा के मालिक रमेश कुमार और उमेश अरोड़ा हैं, जोकि यहां देह व्यापार का धंधा कराते हैं। मैनेजर का काम सिर्फ लड़कियां उपलब्ध करवाना और पैसे लेकर मालिक को देना है। पुलिस ने यहां से मैनेजर, एक ग्राहक और तीन लड़कियों को हिरासत में लिया।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 19 जनवरी, 2023

दूर से भी मतदान

केंद्रीय चुनाव आयोग ने अपने नए प्रस्ताव में व्यवस्था दी है कि दूरस्थ मतदान मशीन यानी आरवीएम के जरिए यदि आप अपने मतदान केंद्र से रोजी रोटी की तलाश में देश के किसी अन्य हिस्से में कार्यरत हैं तो वहीं से मतदान कर सकते हैं। इस प्रस्ताव के आते ही लगभग सभी विपक्षी दलों ने आयोग के प्रस्ताव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्ष किसी भी कीमत पर इस व्यवस्था को लागू नहीं होने देना चाहता। जब आयोग ने इसे शुरू करने का प्रस्ताव रखा, तभी से इसका विरोध शुरू हो गया था। इसके व्यावहारिक व्यवस्था को लेकर तरह-तरह के सवाल उठा कर शंकाएं जताई जाने लगी थीं। जबकि निर्वाचन आयोग ने सभी दलों को निमंत्रित किया था कि वे आएं और आरवीएम से संबंधित अपनी शंकाएं और सुझाव साझा करें। निर्वाचन आयोग इस जादुई मशीन के व्यावहारिक पक्षों को समझाना और उनकी सहमति मिलने के बाद इसे प्रायोगिक तौर पर लागू करना चाहता था।

लेकिन विपक्षी दलों ने एक स्वर में इस पर असहमति जताई थी। विपक्ष का साफ कहना है कि अभी तक तो इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन यानी ईवीएम को लेकर उठ सवालों का कोई हल निकला ही नहीं है तो ऐसे में वह घरेलू प्रवासियों के लिए उसी तरह की मशीन से नई मतदान व्यवस्था करने की पहल कैसे कर सकता है? कुछ नेताओं ने यह तक पूछ लिया कि आयोग मतदान तो कराना चाहता है, मगर प्रवासी मजदूरों के बीच राजनेता अपना प्रचार करने कैसे जाएंगे। इस तरह आरवीएम के व्यावहारिक पहलुओं पर कई गंभीर सवाल खड़े किए जाने लगे हैं। जाहिर है, ऐसे माहौल में इस प्रणाली पर निर्वाचन आयोग के लिए आगे कदम बढ़ाना संभव नहीं हो सकेगा। बता दें कि पिछले कई चुनावों से देखने में आया है कि मतदान को लेकर लोगों में उदासीनता बढ़ती जा रही है। हर चुनाव दर चुनाव मतदान प्रतिशत कम होता चला जा रहा है। यह सब तब हो रहा है जब निर्वाचन आयोग लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करने का पूरा प्रयास करता है। इसके बाद भी शहरी मतदाताओं में अपने मताधिकार के प्रति जबर्दस्त उदासीनता देखी जा रही है। हालात तब और अधिक चिंताजनक हो जाती है जब कई जगहों पर पचास फीसद से भी कम मतदान होता है। इस तरह लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर उंगली उठना स्वाभाविक है। पचास फीसद से भी कम मतदान के बावजूद प्रतिनिधि तो निर्वाचित होते ही जाते हैं, सरकार भी बन जाती है। फिर सवाल उठता है कि वह सरकार किन लोगों ने बनाई है। विचित्र स्थिति तब देखी जाती है जब कम मत प्रतिशत वाले दल की संख्या अधिक हो जाती है और वह सत्ता में आ जाता है और अधिक मत प्रतिशत वाला दल बाहर रह जाता है। इस स्थिति को समाप्त करना निस्संदेह निर्वाचन आयोग के लिए बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। मगर यह कैसे संभव हो, इसका उपाय वह निकाल नहीं पाया है। उसे लगता है कि अगर प्रवासी लोगों को अपने मतों का प्रयोग करने की सुविधा मिल जाए तो इससे मत प्रतिशत में बढ़ोतरी हो सकती है।

लंबे समय से रेखांकित किया जाता रहा है कि जो लोग कामकाज, पढ़ाई-लिखाई या दूसरी वजहों से अपना घर-बार छोड़ कर दूरदराज जगहों पर रहने को मजबूर हैं, उन्हें भी अपने मताधिकार का उपयोग करने की व्यवस्था की जानी चाहिए। मगर इसका कोई व्यावहारिक रास्ता अभी तक नहीं निकाला जा सका है। यही वजह है कि पिछले कुछ सालों में ग्रामीण इलाकों से बहुत तेजी से पलायन बढ़ा है। ऐसे में बड़ी संख्या में ऐसे लोग शहरों में रहने लगे हैं, जिनका मतदाता सूची में नाम अपने गृह प्रदेश में है। निर्वाचन आयोग ने इसी के मद्देनजर दूरस्थ मतदान मशीन की व्यवस्था शुरू करने का प्रस्ताव रखा था। इसके तमाम तकनीकी पहलुओं पर उसने विचार भी कर लिया है। अगर यह लागू हो जाती, तो बेशक इससे न सिर्फ मतदान प्रतिशत बढ़ता, बल्कि अपने मताधिकार के प्रयोग से वंचित लाखों लोगों को सुविधा मिल पाती। इस दृष्टि से इस व्यवस्था पर अब एक-दो बार पुनर्विचार हो जाए तो ताज्जुब नहीं होना चाहिए।

अर्थशास्त्री बनाम अनर्थशास्त्री

डॉ. सुरेश कुमार

एक रात एक बालिका के सपने में एक पहुँचे हुए अर्थशास्त्री ने दर्शन दिए। अर्थशास्त्री ने बालिका से पूछा – बालिका! जीवन भर झक मारकर अर्थशास्त्र लिखता रहा। नए-नए सूत्र बनाता रहा। आज भी उसकी बड़ी चर्चा होती है। लोग लेन-देन के लिए मेरे सूत्रों का ही पालन करते हैं। मेरे गुणगान में दुनिया चाहे जो कहे मैं तो आज स्वयं को अंगूठाछाप और महामूर्ख समझता हूँ।

बालिका ने कहा – हे अर्थशास्त्री महाप्रभु! आप स्वयं के बारे में ऐसे विशेषणों का प्रयोग क्यों कर रहे हैं? आपकी कूटनीति के बदौलत ही मेरे भाई साहब ने कूटमकूट नीति का आविष्कार किया है। उनकी बात न मानने वाले कितनों को उन्होंने कूट-कूट कर ठीक कर दिया है। इसी कूटनीति के चलते दुश्मन अपना बसा-बसाया घर छोड़कर हमें सौंप देता है।

हमारी शरण में आकर अपनी जान की दुहाई माँगता है। वैसे मेरे भाई का आकार गोलगुंबद से कम नहीं है। गोलगुंबद और कूटमकूट नीति के सम्मिश्रण से हमारा जलवा चारों ओर फैला हुआ है। हमें हराने वाला कोई नहीं है। यह सब केवल आपके कारण संभव हो पाया है। मेरे भाई साहब को आधुनिक अनर्थशास्त्री कहा जाता है। इतने प्रभावी व्यक्तित्व के धनी आप, स्वयं को इतना निराश और बेकार क्यों समझते हैं?

अर्थशास्त्री ने कहा – बालिका! कुछ दिन पहले तुमने हाथापाई करने वाली हुड़दंगी जगह पर सबके सामने यह कह दिया कि आदमी मरता नहीं है बल्कि उसकी सांसे थम जाती हैं। कुछ लोगों को यह बात समझ न आने पर तुमने एक और उदाहरण देते हुए उन्हें समझाया था कि पेड़ के पत्ते हरे नहीं होते बल्कि वह तो हमारी आँखों को हरा दिखाई देते हैं। तुम्हारी यह बात मुझे हजम नहीं हुई। क्या तुम मुझे यह बात समझा सकती हो। मैंने अर्थशास्त्र लिखा लेकिन तेरे अबुझ शास्त्र के आगे स्वयं को व्यर्थ समझ रहा हूँ।

बालिका ने आँखें बड़ी करते हुए कहा – महाप्रभु! अच्छा हुआ आप सपने में आए। सच में आ जाते तो मेरे भाई साहब कूटमकूट शास्त्र के बहाने आपकी बढ़िया से खबर लेते। मैं अपने भाई और गिरगिट राजा को देखकर इतनी बेफिक्र रहती हूँ कि दिन को रात भी कह दूँ तो किसी की मजाल जो मेरा विरोध कर दे। ऐसे लोगों पर देशद्रोही का ठप्पा लगाकर उसे खदेड़ने के लिए अपने पालतू कुत्ते छोड़ देते हैं, जो आए दिन अलग चौपालों पर हमारी बातें ही भौंकते रहते हैं। क्या अभी भी आपको मेरी बात समझ नहीं आ रही है?

कहें तो आपको समझाने के लिए कूटमकूट शास्त्र का इस्तेमाल करने में हमें कोई परहेज नहीं है। इतना सुनना था कि अर्थशास्त्री अनर्थशास्त्री, गिरगिट राजा और हठी बालिका के हाथों अपने अंजाम को भांपकर वहाँ से नौ दो ग्यारह हो गया।

भारत के साथ चीन करना चाहता है वाटर वार

अशोक भाटिया

लद्दाख में पिछले कई महीनों से जारी तनाव के बीच चीन अब हिमालयी क्षेत्र में पानी को लेकर जंग छेड़ने की कोशिश कर रहा है। वह अब पानी के जरिये भारत को घेरने की तैयारी में है। तत्काल पलटवार करते हुए भारत ने भी अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाने की घोषणा कर दी। पूर्वी लद्दाख में जारी सीमा विवाद के बीच चीन, तिब्बत से निकलती यारलुंग जांगबो (भारत में ब्रह्मपुत्र) नदी की निचली धारा पर भारत से सटी सीमा के करीब बांध बनाने की तैयारी में है। इससे आशंका बनी है कि भारत के पूवरेत्तर राज्यों व बांग्लादेश में सूखे जैसे हालात पैदा हो सकते हैं। चीन के प्रमुख सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने चीन के ऊर्जा उत्पादन निगम के अध्यक्ष के हवाले से यह खबर छापी है। यही नहीं, चीन भारत को घेरने के नजरिये से गुलाम कश्मीर में भी 1.35 अरब डॉलर की लागत से 700 मेगावाट क्षमता की पनबिजली योजना का निर्माण भी करने जा रहा है। यह परियोजना महत्वाकांक्षी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) का हिस्सा है।

चीनी मामलों के विशेषज्ञों का दावा है कि इस बांध का भारत और बांग्लादेश के लोगों पर काफी असर पड़ेगा। ब्रह्मपुत्र नदी भारत और बांग्लादेश से होकर गुजरती है। इन दोनों देशों की चिंताएं बढ़ गई हैं। चीन ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि वह उनके हितों को भी ध्यान में रखेगा। लेकिन चीन के अंतरमन में जो कटुता है, उसके चलते दोनों ही देश चीन पर विश्वास नहीं करते हैं। यह बांध अरुणाचल प्रदेश की सीमा के एकदम निकट है। इस बांध का निर्माण 2025 में पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही परियोजना में शामिल सभी दीर्घकालिक लक्ष्य 2035 तक पूरे कर लिए जाएंगे। जबकि चीन इस योजना के पहले ही एक दशक के भीतर इस नदी के ऊपर 11 पनबिजली परियोजनाएं पूरी करके बिजली व सिंचाई के लिए पानी ले रहा है। इतना ही नहीं, चीन ने पाकिस्तान को संजीवनी देते हुए भारत में जलापूर्ति करने वाली ब्रह्मपुत्र नदी की एक सहायक नदी जियाबुकू का पानी रोक दिया है। इस नदी पर चीन 74 करोड़ डॉलर की लागत से जल विद्युत परियोजना के निर्माण में लगा था। यह परियोजना 2019 में पूरी भी हो गई है। एक संबंधित रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने तिब्बत के पानी पर इसलिए दावा ठोका है, ताकि वह दक्षिण एशिया में बहने वाली सात नदियों सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र, ईरावदी, सलवीन, यांगत्जी और मेकांग के पानी को नियंत्रित कर सके। ये नदियां भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, लाओस और वियतनाम से होकर गुजरती हैं। इन नदियों का लगभग 48 फीसद पानी भारतीय सीमा में बहता है। इस नाते जल विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय नदियों के मामले में चीन को भारत पर रणनीतिक बढ़त हासिल हैं।

भारत ने इसी बढ़त को चुनौती देने की दृष्टि से ब्रह्मपुत्र पर 10 गीगावाट का हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट लगाने का निर्णय लिया है। अरुणाचल में बनने वाली यह परियोजना पूर्वोत्तर राज्यों को पानी की कमी और बाढ़ से बचाएगा। जलशक्ति मंत्रलय के अनुसार चीनी बांध के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए अरुणाचल में एक बड़े बांध की जरूरत है। इस बांध के बन जाने के बाद इसमें उस जल का भंडारण किया जा सकेगा, जो चीन भारत को नाहक परेशान करने के लिए छोड़ेगा। इस जल नीति के जरिये चीन की अवांछित हरकतों का जवाब दिया जा सकेगा। दरअसल लद्दाख, डोकलाम और गलवान में हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंध बिगड़ चुके हैं। भारतीय गुप्तचर एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि चीन इस बांध से पूर्वोत्तर के राज्यों में बाढ़ के हालात पैदा कर सकता है और चीन इसके जरिये जल-युद्ध भी छेड़ सकता है। ब्रह्मपुत्र एशिया की सबसे लंबी नदी है। इसकी लंबाई करीब 3,850 किमी है। तिब्बत से निकलने वाली इस नदी को यहां यारलुंग जांगबो के नाम से जाना जाता है। इसी की सहायक नदी जियाबुकू है। दुनिया की सबसे लंबी नदियों में 29वां स्थान रखने वाली ब्रह्मपुत्र 1,625 किमी क्षेत्र में तिब्बत में बहती है। भारत में प्रवेश करने के बाद असम में कई जगहों पर तो ब्रह्मपुत्र का पाट 10 किमी तक चौड़ा है। ऐसे में चीन यदि बांध के द्वार बंद रखता है तो भारत के साथ बांग्लादेश को भी जल संकट झेलना होगा और यदि वह बरसात में एक साथ द्वार खोल देता है तो इन दोनों देशों की एक बड़ी आबादी को विकराल बाढ़ का सामना करना होगा। ये हालात इसलिए उत्पन्न होंगे क्योंकि जिस ऊंचाई पर बांध बन रहा है, वह चीन के कब्जे वाले तिब्बत में है, जबकि भारत और बांग्लादेश बांध के निचले स्तर पर हैं।

चीन इन बांधों का निर्माण सिंचाई, बिजली और पेयजल समस्याओं के निदान के उद्देश्य से कर रहा है, लेकिन उसका इन बांधों के निर्माण की पृष्ठभूमि में छिपा एजेंडा, खासतौर से भारत के खिलाफ रणनीतिक इस्तेमाल भी है। दरअसल चीन में बढ़ती आबादी के चलते उसके करीब 110 शहर पानी के गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। उद्योगों और कृषि संबंधी जरूरतों के लिए भी चीन को बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत है। चीन ब्रम्हपुत्र के पानी का अनूठा इस्तेमाल करते हुए अपने शिनजियांग, ग्वांगझू और मंगोलिया इलाकों में फैले व विस्तृत हो रहे रेगिस्तान को भी नियंत्रित करना चाहता है। चीन की प्रवृत्ति रही है कि वह अपने स्वार्थो की पूर्ति के लिए पड़ोसी देशों की कभी परवाह नहीं करता है।

चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का मनचाहे उद्देश्यों के लिए उपयोग करता है तो तय है कि अरुणाचल में जो 17 पनबिजली परियोजनाएं प्रस्तावित व निर्माणाधीन हैं, वे सब अटक जाएंगी। यदि ये परियोजनाएं पूरी हो जाती हैं और ब्रह्मपुत्र से इन्हें पानी मिलता रहता है तो इनसे 37 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। इससे पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में बिजली की आपूर्ति तो होगी ही, अन्य राज्यों को भी बेचा जा सकेगा। चीन अरुणाचल प्रदेश पर जो टेढ़ी निगाह बनाए रखता है, उसका एक बड़ा कारण अरुणाचल में ब्रह्मपुत्र की जलधारा का ऐसे पहाड़ों व पठारों से गुजरना है, जहां भारत को मध्यम व लघु बांध बनाना आसान है। ये सभी बांध भविष्य में अस्तित्व में आ सकते हैं और पानी का प्रवाह बना रहता है तो पूर्वोत्तर के सातों राज्यों की बिजली, सिंचाई और पेयजल जैसी बुनियादी समस्याओं का भी समाधान हो जाएगा।

चीन अपनी नदियों के जल को अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानकर चलता है। पानी को एक उपभोक्ता वस्तु मानकर वह उनका अपने हितों के लिए अधिकतम दोहन में लगा है। चीन परंपरा और आधुनिकता के बीच मध्यमार्गी सामंजस्य बनाकर चलता है। जो नीतियां एक बार मंजूर हो जाती हैं, उनके अमल में चीन कड़ा रुख और भौतिकवादी दृष्टिकोण अपनाता है। इसलिए वहां परियोजना के निर्माण में धर्म और पर्यावरण संबंधी समस्याएं रोड़ा नहीं बनतीं। परिणामस्वरूप एक बार कोई परियोजना कागज पर आकार ले लेती है तो वह आरंभ होने के बाद निर्धारित समयवाधि से पहले ही पूरी हो जाती है। इस लिहाज से ब्रह्मपुत्र पर जो बांध बनना प्रस्तावित हुआ है, वह 2025 में पूरा बन जाएगा। इसके उलट भारत में धर्म और पर्यावरणीय संकट परियोजनाओं को पूरा होने में लंबी बाधाएं उत्पन्न करते हैं। देश के सर्वोच्च न्यायालय में भी इस प्रकृति के मामले वर्षो लटके रहते हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पानी के उपयोग को लेकर कई संधियां हुई हैं। इनमें संयुक्त राष्ट्र की पानी के उपभोग को लेकर 1997 में हुई संधि के प्रस्ताव पर अमल किया जाता है। इस संधि के प्रारूप में प्रावधान है कि जब कोई नदी दो या इससे ज्यादा देशों में बहती है तो जिन देशों में इसका प्रवाह है, वहां उसके पानी पर उस देश का समान अधिकार होगा। इस संधि में जल प्रवाह के आंकड़े साझा करने की शर्त भी शामिल है। लेकिन चीन संयुक्त राष्ट्र की इस संधि की शर्तो को मानने के लिए इसलिए बाध्यकारी नहीं है, क्योंकि इस संधि पर अब तक चीन और भारत ने हस्ताक्षर ही नहीं किए हैं।

वर्ष 2013 में एक अंतरमंत्रालय विशेष समूह गठित किया गया था। इसमें भारत के साथ चीन का यह समझौता हुआ था कि चीन पारदर्शिता अपनाते हुए पानी के प्रवाह से संबंधित आंकड़ों को साझा करेगा। लेकिन चीन इस समझौते का पालन 2017 में भूटान की सीमा पर डोकलाम विवाद के बाद से नहीं कर रहा है। वह जब चाहे तब बम्हपुत्र का पानी रोक देता है, अथवा इकट्ठा छोड़ देता है। पिछले वर्षो में अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में जिस तरह से बाढ़ की स्थितियां बनी हैं, उनकी पृष्ठभूमि में चीन द्वारा बिना किसी सूचना के पानी छोड़ा जाना है। मेकांग नदीं पूर्वी एशिया में 60 मिलियन लोगों की जीवन रेखा है। कंबोडिया, लाओस, थाईलैंड, म्यांमार और वियतनाम की मीडिया ने देश में सूखे को लेकर कई रिपोर्ट्स को जारी किया है। जिसमें सूखे के लिए चीन के बांध को दोषी बताया गया है।

आरएसएस नागरिक संस्कारों की पाठशाला

अजय कुमार झा

अपने स्थापना (वर्ष 1925) के 100 वर्ष पूरे करने के निकट विश्व की सबसे बडी राष्ट्र सेवी संस्था-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इन दिनों पुनः चर्चा के केंद्र में है। आखिर हो भी क्यों न, संघ शक्ति यानी संगठन में ही शक्ति है, की मूल भावना व राष्ट्र भक्ति सर्वोपरि के उच्च लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ने के क्रम में इसके राजनीतिक धडे. भारतीय जनता पार्टी ने वर्षों बाद भारतीय लोकतंत्र में एकमतता के चमत्कार को प्रमाणित कर दिया।

इतना ही नहीं, हर व्यक्ति नेतृत्वकर्ता है, की सहविकास प्रवृत्ति ने पूरे विश्व को दिखा दिया कि संगठन का एक अनुशासित स्वयंसेवक अपनी सोच, दूरदृष्टि, प्रतिबद्धता व देश निष्ठा की बदौलत नेतृत्वकर्ता की संचालक शक्ति का वहन करने योग्य बन जाता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने परम उद्देश्य संगठित हिंदू समाज का समग्र विकास करते हुए आर्यावर्त के प्राचीन गौरव तक पहुंचाने के लिए चुपचाप कार्य करने की पद्धति व प्रणाली अपनाता रहा है -कर्म और श्रम के सामंजस्य से सर्वश्रेष्ठ व शक्तिशाली समाज का निर्माण किंतु समय समय पर बहुत सी घटनाओं - दुर्घटनाओं को आधार बना कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उद्देश्य को निशाना बनाया जाता रहा है। आम लोगों तक संघ का उद्देश्य, कार्यप्रणाली, कार्य, प्रभाव आदि की चर्चा करके जानकारी साझा करना समीचीन प्रतीत होता है। वर्ष 1925 में डाक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने अपने चिकित्सकीय पेशे को गौण करते हुए सिर्फ पांच बालकों को राष्ट्रीयता की पहचान खेल खेल में करवा दी । उस समय स्वतंत्राता के लिए संघर्षरत अनेकों दल, समूह, विचार, व्यक्तियों ,के उद्देश्य व कार्यप्रणाली को भली-भांति समझने के बाद जब डाक्टर हेडगेवार ने महसूस किया कि ये तमाम आंदोलन व प्रतिकार ब्रिटिश राज, उसकी नीतियों के विरुद्ध चल रहे थे, वो भी भिन्न-भिन्न विचारों व कार्यप्रणालियों द्वारा ।

डा. हेडगेवार ने जब पाया कि हिन्दुस्तान जो कभी अपने वैभव, अपनी संस्कृति, संपन्नता के कारण विश्वगुरू हुआ करता था, सिर्फ आपसी विभाजन के कारण कमजोर हो गया और फलतः लगातार शासित होता रहा, वो भी बहुत कमजोर आक्रान्ताओं द्वारा भी।

समाज को संगठित करके एक संघ के रूप में विकास करने के लक्ष्य से ही आर.एस.एस की स्थापना की गई। गौरवशाली प्राचीन भारत की संस्कृति, परंपरा, देवभाषा संस्कृत, मानसिक व शारीरिक स्वस्थता, परस्पर सहयोग व सामंजस्य की भावना , नेतृत्व क्षमता का विकास, आत्मरक्षा हेतु शस्त्रा संधान आदि को निरंतर बांटने सिखाने व निभाते चलने के लिए 'शाखा पद्धति'- एक घंटे तक संचालित की जाने वाली शारीरिक व मानसिक क्रियाएं व क्रियाकलाप आदि विकसित किए गए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उद्देश्य को समझने से पहले इसकी हिन्दू अवधारणा को समझना होगा जिसके लिए अफसोसजनक तथ्य यह है कि इसे बिना सोचे विचारे सीधे सीधे हिन्दू धर्म से जोड़ दिया जाता है जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दर्शन को लेशमात्रा भी समझने वाला यह सत्य जान व समझ लेता है कि संघ के दर्शन में हिंदू की व्याख्या राष्ट्रीयता के संदर्भ में की जाती है न कि संकीर्ण सोच रखते हुए धर्म को केंद्र बिंदु माना समझा गया है।

आर एस एस के दर्शन उद्देश्य व क्रिया कलापों पर चर्चा एक वृहद विषय है किंतु संक्षिप्त स्वरूप समझने के लिए शाखा की प्रतिदिन क्रियाओं को जाना जा सकता है । बालक, तरूण, प्रौढ़ व महिला आदि को वर्गीकृत कर एक एक घंटे की शाखा का संचालन किया जाता है जिनमें विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास किया जाता है । 60 मिनट के क्लास में 45 मिनट शारीरिक क्रिया कलापों, जिसके अंतर्गत संस्कृत भाषा में संवाद व आदेशों के अनुशासित अनुपालन, विभिन्न प्रकार के योग, व्यायाम, क्रीडाएं, दंड विद्या, वंशी, वाद्य आदि का अभ्यास किया व कराया जाता है ।

इसके अलावा बचे हुए शेष 15 मिनट की क्लास , मानसिक मंत्राणा, क्रियाकलाप जिसे सामान्यतः बौद्धिक सत्रा कहा जाता है, इसमें राष्ट्रचिंतन के विषयों पर चर्चा, प्राचीन भारत के गौरवपूर्ण इतिहास से सबका परिचय , हिंदुस्तान के पराक्रम, वैभव, चातुर्य, पांडित्य की ख्याति पताका को विश्व भर में स्थापित करने वाले युग पुरूषों का स्मरण, वैदिक मंत्रों का पाठ व उच्चारण आदि होता है और यह सारा सत्रा कुछ इस प्रकार संचालित किया जाता है जिससे सबमें नेतृत्वकर्ता के गुणों का संचार हो सके।

इसके अलावा वर्ष भर में भारतीय इतिहास, संस्कृति व संस्कारों के प्रतीक कई पर्व त्यौहारों को गरिमामय किंतु बेहद शालीन तरीके से पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है । इन तमाम क्रियाओं व मनोस्थिति के शिल्प से विकसित एक व्यक्तित्व ऐसा निकल कर सामने आता है जिसका सर्वस्व राष्ट्र को समर्पित होता है । युद्धकाल से लेकर शांतिकाल में, आपदा-विपदा, घटना- दुर्घटना के समय संघ के अनुशासित स्वयंसेवक जिस समवेत भावना से सभी चुनौतियों में डटे खड़े होते हैं, वह वर्षों के निरंतर अभ्यास व राष्ट्रसेवा के प्रति अटूट निष्ठा के प्रति सतत कर्मरत रहने का ही परिणाम है ।

कदम कदम पर प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने जा रहे हमारे युवाओं का परिचय सिविल अनुशासन व नागरिक संस्कारों की इस प्रथम पाठशाला से अवश्य करवाया जाना चाहिए।

पहाड़ी राज्यों का विकास मॉडल बदलें

जोशीमठ में जो हो रहा है, वह एक ट्रैजिडी है। ऐसा नहीं कि इसकी आशंका नहीं थी। इसके बारे में जानकारी पहले से ही थी और इसे प्रेडिक्ट भी किया गया था। अगर आप पिछले पचास साल में देखें तो पाएंगे कि जोशीमठ के धंसाव को हर जगह बड़े करीने से डॉक्युमेंट किया गया। सुप्रीम कोर्ट की कमिटी से लेकर उत्तराखंड सरकार और केंद्र सरकार तक की कमिटी बनी। हालांकि ये सारी दूसरे कारणों से बनी थीं। सिर्फ जोशीमठ को लेकर एक कमिटी 1976 में गढ़वाल के कमिश्नर रहे महेश चंद मिश्रा के नेतृत्व में बनी थी। इन सारी कमिटियों ने चेतावनी दी थी कि आप हिमालय, खासकर उत्तराखंड में शहरीकरण न करें, बड़े बांध न बनाएं, इन्फ्रास्ट्रक्चर-खासकर सड़क चौड़ीकरण के लिए पहाड़ों की कटाई न करें क्योंकि इसका बड़ा खराब पर्यावरणीय प्रभाव होगा। लैंडस्लाइड बढ़ेंगे, पूरा का पूरा हिमालयन इकोसिस्टम बिगड़ जाएगा।

मगर सरकारों ने हर बार इन चेतावनियों को नजरअंदाज किया। नतीजा यह है कि जोशीमठ की किस्मत पर ताला लग गया है। इंजीनियरिंग समाधानों के साथ भी, इस ऐतिहासिक शहर के एक हिस्से को छोड़ना होगा और बाकी जीवित रहने के लिए संघर्ष करेंगे। हम इस अवस्था में कैसे पहुंचे हैं और हम भविष्य में और अधिक जोशीमठ जैसी घटनाओं को कैसे रोक सकते हैं? जोशीमठ एक लक्षण है, बीमारी नहीं। बीमारी यह है कि हिमालयी राज्य मैदानी राज्यों का विकास मॉडल अपने यहां कॉपी कर रहे हैं। वे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट्स दिल्ली जैसा चाहते हैं, और सड़कें हैदराबाद जैसी चौड़ीं। लाखों-लाख टूरिस्ट चाहते हैं, बड़े-बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रॉजेक्ट्स भी। इसी बीमारी के लक्षण और प्रभाव हमें जोशीमठ में दिख रहे हैं।

हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रॉजेक्ट्स को लेकर सबसे ज्यादा चिंता है। आंकड़े देखें तो आज उत्तराखंड में लगभग 39 हाइड्रोपावर स्टेशन हैं जिनकी क्षमता कुल 3600 मेगावॉट है। इसके अलावा 36 प्रॉजेक्ट अंडर-कंस्ट्रक्शन हैं, क्षमता है 2400 मेगावॉट। यानी अगले कुछ सालों में उत्तराखंड के पास लगभग 64 हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट होंगे, छह हजार मेगावॉट के। बड़ी समस्या यह है कि 21 हजार मेगावॉट क्षमता के 180 जलविद्युत प्लांट बनाने की योजना है। यह पहले बताए 64 स्टेशनों से भी तीन गुना ज्यादा है। अगर हम मान लें कि इनमें से केवल आधी परियोजनाएं ही बनती हैं, तो भी यह सस्टेनबल नहीं है। वैज्ञानिकों ने व्यापक अध्ययन के बिना जलविद्युत निर्माण के खिलाफ चेतावनी दी है। फिर भी, विशेषज्ञों की राय के विपरीत कई परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, तपोवन-विष्णुगढ़ हाइड्रो पावर प्रॉजेक्ट को देखिए। जोशीमठ के पास चल रहे इस प्रॉजेक्ट को बहुत से वैज्ञानिक मौजूदा संकट के लिए दोषी ठहरा रहे हैं। उनका कहना है कि इसमें सुरंग बनने के चलते भी जोशीमठ में भू-धंसान हुआ है। यह प्रॉजेक्ट 2006 में शुरू हुआ और 2013 में कंप्लीट होना था। आज दस साल बाद भी यह अंडर-कंस्ट्रक्शन ही है। इसकी लागत अब दोगुनी हो चुकी है। इसकी वजह यह है कि 2013 की बाढ़ और 2021 में आए एवलांच में यह तबाह हुआ। एवलांच में कम से कम दो सौ लोगों की मौत भी हुई थी। उनमें काफी सारे इस प्रॉजेक्ट के मजदूर थे। उत्तराखंड में ऐसे काफी प्रॉजेक्ट हैं, जिनसे हिमालय खतरे में है। हिमालय दुनिया का सबसे अस्थिर पहाड़ी क्षेत्र है। यहां भूकंप, लैंडस्लाइड और बाढ़ बहुत कॉमन हैं। हिमालय पहाड़ सिर्फ पत्थर का नहीं बना है, यह मड और रॉक का मिक्स है। अभी भी इसकी ऊंचाई बढ़ रही है।

आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में 90 फीसदी भूकंप, अधिकांश भूस्खलन और बादल फटने का एक बड़ा हिस्सा हिमालय में होता है। इसलिए जो भी इस माउंटेन रेंज में मैदानों का विकास मॉडल कॉपी करने की कोशिश कर रहा है, बहुत बड़ी गलती कर रहा है।

मक्की अंतरराष्ट्रीय आतंकी

संजीव ठाकुर

भारत को यूनाइटेड नेशंस में एक और बड़ी सफलता प्राप्त हुई उसके प्रयासों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खूंखार आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया गया वह किसी भी देश में आसानी से प्रवेश नहीं कर पाएगा। उसकी भूमिका भारत के जम्मू कश्मीर और अमेरिका में कई सीरियल ब्लास्ट में प्रमुख रही है वह हाफिज सईद का रिश्तेदार भी है। पाकिस्तान वैसे भी अपने सबसे बुरे दिनों से गुजर रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान ही एक ऐसा देश है जो आतंकवादियों को पनाह देने के लिए कुख्यात है। भारत तथा अमेरिका के लगातार दबाव के बाद भी वह आतंकवादी गतिविधियों में शामिल रहा है। वैसे भी आतंकवाद वैश्विक स्तर पर निंदनीय करार कर दिया गया है।मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरिह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है,बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तार वादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है। रूस यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभस्त उदाहरण है जो अपनी व्यवसायिक ,सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं। यह सब अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैं। भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तार वादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिए। आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं। आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना है।

गुरु प्रदोष व्रत, महत्व, पूजा विधि, शुभ मुहूर्त

गुरु प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

गुरु प्रदोष व्रत 19 जनवरी 2023 दिन गुरुवार

त्रयोदशी तिथि का आरंभ - 19 जनवरी, दोपहर 1 बजकर 18 मिनट से प्रारंभ

त्रयोदशी तिथि का समापन - 20 जनवरी, सुबह 9 बजकर 59 मिनट तक

पूजा शुभ मुहूर्त - 19 जनवरी, शाम 05 बजकर 49 मिनट से 08 बजकर 30 मिनट तक

प्रदोष व्रत की पूजा-अर्चना प्रदोष काल में की जाती है इसलिए यह व्रत 19 जनवरी को ही रखा जाएगा।

इस मुहूर्त में भगवान शिव की पूजा-पाठ करने से कृपा बनी रहती है।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का महत्व एकदाशी के बराबर है। इस बार यह शुभ तिथि 19 जनवरी दिन गुरुवार को है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन व्रत करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

गुरु प्रदोष व्रत का महत्व

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, प्रदोष तिथि में भगवान शिव की पूजा-अर्चना और आराधना करने से जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है और कभी हार का सामना नहीं करना पड़ता है। शास्त्रों में बताया गया है कि गुरु प्रदोष व्रत शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने वाले व्रत है। यह जातक के जीवन में सौभाग्य, सुख, समृद्धि आदि में वृद्धि करता है। प्रदोष काल में भगवान शिव कैलाश पर्वत पर अपने रजत भवन में तांडव करते हैं इसलिए महादेव को संगीत का जनक भी माना जाता है। जब भगवान शिव रजत भवन में नृत्य करते हैं, तब सभी देवी-देवता उनके गुण का स्तवन करते हैं। ऐसे में प्रदोष व्रत करने वाले जातक प्रदोष काल में महादेव की पूजा करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

यह होता है प्रदोष काल

प्रदोष व्रत को अलग-अलग नाम से जाना जाता है। सोमवार के दिन जब प्रदोष तिथि आती है, उसे सोम प्रदोष व्रत कहते हैं। मंगलवार के दिन आने की वजह से भौम प्रदोष व्रत और गुरुवार के दिन प्रदोष तिथि आने पर उस तिथि को गुरु प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाता है। भगवान शिव की पूजा प्रदोष काल में की जाती है। प्रदोष काल वह समय होता है, जब सूर्यास्त हो रहा हो और रात्रि आने के पूर्व के समय को प्रदोष काल कहा जाता है। अर्थात सूर्यास्त के 45 मिनट पहले और सूर्यास्त के 45 मिनट बाद तक का समय प्रदोष काल कहा जाता है।

गुरु प्रदोष व्रत पूजा विधि

गुरु प्रदोष व्रत के दिन ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान व ध्यान आदि से निवृत होने के बाद 'अहमद्य महादेवस्य कृपाप्राप्त्यै सोमप्रदोषव्रतं करिष्ये' इस मंत्र का जप करते हुए संकल्प लेना चाहिए और इसके बाद उपवास रखें। गुरु प्रदोष व्रत में भगवान शिव की पूजा करते समय लाल या गुलाबी रंग के वस्त्र धारण करें और पूजा प्रदोष काल में करें। पास के शिव मंदिर में षोडशोपचार पूजन करें। शिवलिंग पर बेलपत्र, धूप, दीप, चंदन, गंगाजल, जल, फल, फूल, मिठाई आदि अर्पित करें। इसके बाद धूप-दीप से आरती उतारें और शिव के बीज मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र का जप करें। इसके बाद शिव चालीसा का पाठ करें और गुरु प्रदोष व्रत की कथा सुनें। भगवान शिव की पूजा अराधना करने के बाद अन्न जल ग्रहण कर सकते हैं।

नागा साधु रहते हैं निर्वस्त्र

महिला नागा साधुओं के लिए क्या हैं नियम और शर्तें

पुरुषों की तरह महिला नागा साधु भी होती हैं लेकिन इनको नागा साधु बनने तक कई तरह की तपस्याओं से होकर गुजरना पड़ता है। इसके बाद वह गुरु से आज्ञा लेती हैं और कुंभ में स्नान करने के बाद महिला नागा साधु बनती हैं। पुरुषों की तरह ही महिलाओं को कई तरह के नियमों के पालन करने पड़ते हैं। आइए जानते हैं।

महिला नागा साधुओं का रहस्य

प्रयागराज में माघ मेला का आयोजन चल रहा है और इसकी शुरुआत माघी पूर्णिमा से हो चुकी है। माघ मेले में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में आस्था की डुबकी लगाई जा रही है। इस मेले में दूर से ना केवल श्रद्धालु आते हैं बल्कि यह मेला अखाड़ों के साधु-संत और नागा साधुओं के आकर्षण का केंद्र भी बन रहा है। हालांकि कुंभ मेले की तरह इनकी संख्या कम है। नागा साधुओं के नाम पर हमारे विचारों में शरीर पर भस्म, बड़ी-बड़ी जटाएं और बिना कपड़ों के साधुओं का दल याद आता है लेकिन यह बहुत कम लोग जानते हैं कि पुरुष नागा साधुओं की तरह महिला नागा साधु भी बनती हैं।

आखिर कैसे बनते हैं महिला नागा साधु

पुरुष नागा साधु की तरह महिला नागा साधुओं का जीवन भी रहस्यमय बना हुआ है। आखिर महिला नागा साधु कैसे बनती हैं और इनकी दिनचर्या किस तरह की होती है। बताया जाता है कि महिलाओं की नागा साधु बनने की प्रक्रिया आसान नहीं होती है, इनको कई कठिन तपस्याओं से गुजरना होता है। यह अपना पूरा जीवन ईश्वर को समर्पित कर देती हैं और यह दुनिया के सामने बहुत कम नजर आती हैं। महिला नागा साधु अखाड़े, जंगल, गुफाओं में रहना पसंद करती हैं। साथ ही इनको कई सालों तक भयंकर तपस्या करनी पड़ती है।

इस तरह बनती हैं महिला नागा साधु

महिला नागा साधु बनने से पहले किसी भी महिला का 6 से 12 वर्ष तक ब्रह्मचर्य का पालन करना होता है। जब कोई महिला ऐसा करने में सफल हो जाती है, तभी उनको गुरुओं द्वारा नागा साधु बनने की अनुमति मिलती है। साथ ही उनके पिछली जिंदगी के बारे में जानकारी निकाली जाती हैं। साथ ही उनको गुरुओं को विश्वास दिलाना पड़ता है कि वे इसके योग्य हैं। महिला नागा साधु के पंथ में शामिल होने की प्रक्रिया में कम से कम चार से छह साल लग जाते हैं।

यह भगवान शिव और अग्नि के भक्त होती हैं और दुनिया कितनी भी बदल जाए, ये अपना वास्तविक स्वरूप नहीं बदलती हैं। पुरुष नागा साधुओं की तरह ही महिला नागा साधुओं को अपना पिंडदान करना पड़ता है और पिछली जिंदगी को पूरी तरह भूलना पड़ता है। इसके बाद मुंडन किया जाता है और कुंभ में स्नान करने के बाद से एक महिला नागा साधु बनती है। पुरुष नागा साधुओं और महिला नागा साधुओं में यह अंतर होता है कि पुरुष नागा साधु नग्न रहते हैं बल्कि महिला नागा साधु सिला हुआ एक कपड़ा पूरे शरीर पर पहनती हैं। इस कपड़े को गंती कहा जाता है।

महिला नागा साधुओं को करना होता है इन नियमों का पालन

पुरुष नागा साधुओं की तरह ही महिला नागा साधु भी शरीर पर धुनि लगाती हैं और माथे पर हमेशा एक तिलक धारण करती हैं। नागा साधुओं को हमेशा शहर और बस्ती से दूर ही निवास का स्थान खोजना पड़ता है। सन्यासी के अलावा वे ना तो किसी को प्रणाम करेंगे और ना ही किसी की निंदा। दीक्षा लेने वाले हर महिला नागा साधु को इसका पालन करना पड़ता है। कुंभ मेले के दौरान नागा साधुओं की तरह ही महिलाओं नागा साधुओं का शाही स्नान किया जाता है। हालांकि पुरुष नागा साधुओं के स्नान करने के बाद ही वे स्नान करती हैं।

साधु संतों में पदवी है नागा

महिला नागा साधु बनने के बाद साधु और साध्वियां उनको माता कहकर पुकारती हैं। साधु-संतों की दुनिया में नागा एक पदवी होती है। ऐसे उनके कई संप्रदाय होते हैं, जैसे शैव, वैष्णव और उदासीन संप्रदाय। पुरुष नागा साधुओं को हर जगह नग्न रहने की इजाजत होती है लेकिन महिला नागा साधु ऐसा नहीं कर सकतीं। पुरुष नागा साधुओं दो तरह के होते हैं, पहले वस्त्रधारी और दूसरे दिंगबर अर्थात निर्वस्त्र होते हैं। महिला नागा साधु एक वस्त्रधारी होती हैं और माथे पर तिलक लगाते हुए एक ही गेरुआ रंग के कपड़े पहनती हैं। महिला नागा साधुओं को एक वस्त्र धारण करना होता है उसमें भी यह नियम है कि उनके वस्त्र सिले हुए नहीं होने चाहिए।

इन नामों से महिला नागा साधुओं को किया जाता है संबंधित

महिला नागा साधुओं को कई नामों से संबोधित किया जाता है जैसे माई, नागिन और अवधूतानी। वहीं दूसरी साध्वियां उनको माता कहकर बुलाती हैं। महिला नागा साधु सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक शिव के प्रति पूरी तरह समर्पित रहती हैं। सभी अखाड़ों में जूना अखाड़ा सबसे बड़ा अखाड़ा होता है। साल 2013 में पहली बार प्रयागराज में माई बाड़ा अखाड़े को शामिल किया गया था। इस अखाड़े में बड़ी संख्या में महिला नागा साधु रहती हैं, जो अलग-अलग नाम और पदवियों से सम्मानित होती हैं। लेकिन माई या नागिन अखाड़े को नागा साधुओं के किसी भी पद के लिए नहीं चुना जाता।

नौकरी-व्यापार में आ रही परेशानी तो..

बरगद के पत्ते के उपाय

नौकरी-व्यापार के लिए उपाय

यदि आपको नौकरी या व्यापार में लगातार घाटा हो रहा है और आप आर्थिक बोझ से दबते जा रहे हैं, तो ऐसे में मंगलवार या शनिवार के दिन वट वृक्ष पर हल्दी और केसर चढ़ाना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से व्यापार और नौकरी में तरक्की प्राप्त होती है। साथ ही आने वाली मुसीबतें भी टलती हैं।

परेशानियों से छुटकारे का उपाय

यदि जीवन में लगातार परेशानियां और समस्याएं आ रही हैं तो ऐसे में हर शाम को बरगद के पेड़ के नीचे शुद्ध घी का दीपक जलाकर भगवान विष्णु का ध्यान करें। मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से जल्द ही समस्याओं का समाधान होगा और प्रगति के नए रास्ते खुलेंगे।

यदि किसी व्यक्ति के घर परिवार में किसी प्रकार की हवा की बाधा है तो ऐसे में उस व्यक्ति को अमावस के दिन एक नारियल लाल कपड़े में लपेट कर पूरे घर में घुमाते हुए बरगद पर ले जाकर टांग देना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से नजर दोष और हवा की बाधा पूरी तरह से खत्म हो सकती है।

बनते काम बिगड़ने पर करें ये उपाय

यदि आपके भी काम बनते-बनते अचानक बिगड़ जाते हैं या किसी काम को होने में बहुत समय लगता है तो ऐसे में आपको बरगद के पत्ते पर अपनी इच्छा लिखकर रविवार के दिन बहती हुई नदी में बहा देना चाहिए। ऐसा करने से आपके बिगड़ते हुए काम बनने शुरू हो जाएंगे।

रोजाना लड़ते-लड़ते आ चुके हैं तंग

इन उपायों को आजमाकर देखिए

घर और जीवन की खुशहाली ही व्यक्ति को जीवन में प्रगति के मार्ग पर ले जाती है। परिवार में व्याप्त कलह यानी कि क्लेश से व्यक्ति का जीवन कठिनाइयों से भर जाता है।

सोने की दिशा

आपके सोने की दिशा पर भी आपके घर की खुशहाली निर्भर करती है। आप किस दिशा में सिर और पैर करके सोते हैं यह भी आपके घर ही खुशहाली में अहम भूमिका निभाता है। रात को सोते समय पूर्व की ओर सिर रखकर सोएं। इससे आपको तनाव से राहत मिलेगी। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

हनुमानजी की पूजा

जिस घर में हनुमानजी की नियमित रूप से पूजा होती है उस घर से सभी प्रकार के संकट और गृह कलह दूर रहते हैं। यदि कोई महिला घर के लड़ाई-झगड़े से परेशान है तो भोजपत्र पर लाल कलम से पति का नाम लिखकर तथा हं हनुमंते नमः मंत्र का 21 बार उच्चारण करते हुए उस पत्र को घर के किसी कोने में रख दें। इसके अलावा 11 मंगलवार नियमित रूप से हनुमान मंदिर में चोला चढ़ाएं व सिंदूर चढ़ाएं। ऐसा करने से परेशानियों से राहत प्राप्त होगी।

जलाभिषेक

प्रतिदिन सुबह स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र पहनकर मंदिर या घर पर शिवलिंग के सामने बैठकर शिवजी की आराधना करें। आप ऊं नमः शिवाय मंत्र का 108 बार उच्चारण कर सकते हैं। इसके बाद आप शिवलिंग पर जलाभिषेक करें। ऐसा नियमित करने से पति-पत्नी के वैवाहिक जीवन में सुख शांति बनी रहती है।

गणेशजी की उपासना

यदि किसी घर में पति-पत्नी या बाप-बेटे के बीच कलह है या किसी भी बात पर विवाद चल रहा है तो इसमें गणेश उपासना फायदेमंद रहेगी। वैवाहिक जीवन को सुखी बनाने के लिए आप बूंदी के लड्डू का भोग लगाकर प्रतिदिन श्री गणेश जी और शक्ति की उपासना करें।

चीटियों को भोजन

चीटियों के बिल के पास शक्कर या आटा व चीनी मिलाकर डालने से गृहस्थ की समस्याओं का निवारण होता है। ऐसा नियमित 40 दिन तक करें। ध्यान रखें कि इस प्रक्रिया में एक भी दिन की नागा न हो।

तकिए में सिंदूर रखें

घर के क्लेश को कम करने के लिए पति-पत्नी को रात को सोते समय अपने तकिए में सिंदूर की एक पुड़िया और कपूर रखना चाहिए। सुबह में सूर्योदय से पहले उठकर सिंदूर की पुड़िया घर से बाहर फेंक दें और कपूर को निकालकर अपने कमरे में जला दें। ऐसा करने से लाभ मिलेगा और आपसी संबंधों में सुधार आएगा।

क्या कहता है वास्तु शास्त्र

वास्तु शास्त्र के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त में उठने से व्यक्ति को जीवन का ज्ञान प्राप्त होता है। सुबह उठकर आत्मचिंतन करना सबसे उत्तम तरीका है, अपने आप को जानने का। यदि आप विद्यार्थी वर्ग से हैं तो सुबह उठने से आपकी याददाश्त भी तेज होगी साथ ही आपकी कार्य क्षमता भी बढ़ेगी। आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे। सूरज उगने से एक घंटा 36 मिनट पहले का वक्त ब्रह्म मुहूर्त कहलाता है। ब्रह्म मुहूर्त में उठना बहुत अच्छा होता है, लेकिन यदि आप सूरज निकलने के साथ-साथ भी जाग जाते हैं तो यह भी आपके लिए बहुत लाभदायक होगा।

मोटापा नहीं चढ़ता

जब आप सुबह जल्दी उठते हैं तो आपको नींद भी जल्दी आती है। ऐसे में जो लोग वजन कम करने की सोच रहे हैं या फिर उसके लिए प्रयासरत हैं तो उनके लिए भी सुबह जल्दी उठना और शाम को जल्दी सोना बहुत जरूरी है। ऐसा माना जाता है कि जो लोग सुबह जल्दी उठते हैं उनमें मोटापा और खतरनाक बीमारियां होने की संभावनाएं बहुत कम हो जाती हैं।

सुबह उठने के फायदे

जब कोई व्यक्ति सुबह जल्दी उठता है तो उसे रात में अच्छी और गहरी नींद आती है। ऐसा होने से वह व्यक्ति अच्छी तरह से सो पाता है। तो ऐसे में पूरे दिन उसमें स्फूर्ति और ताजगी बनी रहती है। इसके अलावा सुबह जल्दी उठने से हेल्थ के साथ ब्यूटी भी बनी रहती है। नींद न पूरी होने के कारण बहुत सारे रोगों की संभावना बढ़ जाती है। सुबह जल्दी उठना फिजिकल हेल्थ, मेंटल हेल्थ, ब्यूटी के साथ-साथ सक्सेस होने के लिए भी बहुत जरूरी है लेकिन जल्दी उठने के चक्कर में नींद के साथ समझौता नहीं करना चाहिए।

शाहरुख-दीपिका पठान की रिलीज से पहले नहीं देंगे इंटरव्यू, विवादों से बचने के लिए लिया अहम फैसला

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' जनवरी अन्त में रिलीज होने वाली है। फिल्म की ग्रैंड रिलीज से पहले, मेकर्स ने एक नई मार्केटिंग स्ट्रैटजी अपनाई है। कहा जा रहा है कि फिल्म की रिलीज से पहले शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम कोई भी इंटरव्यू नहीं देंगे। ये स्ट्रैटजी मेकर्स ने विवादों से बचने के लिए अपनाई है।

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर इस बात का खुलासा किया है। उन्होंने अपने पोस्ट में बताया, 'फिल्म 'पठान' के मेकर्स सिर्फ सॉन्ग्स और ट्रेलर के आधार पर फिल्म को प्रमोट करेंगे। पठान से पहले, अजय देवगन स्टारर 'दृश्यम 2' ने भी यही रास्ता अपनाया था। इसलिए, शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम मीडिया से फिल्म की रिलीज तक मीडिया से कोई भी बातचीत नहीं करेंगे।'

बढ़ते विवादों को देखते हुए कुछ दिन पहले सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) ने इस फिल्म के 10 सीन को बदलने को कहा था। इसके अलावा कुछ डायलॉग्स को भी चेंज करने को कहा था। दरअसल जब से इस फिल्म का टीजर और सॉन्ग रिलीज हुआ था, तब से इस पर जमकर बवाल मचा हुआ है। कुछ लोगों को फिल्म के सॉन्ग बेशरम रंग के लिरिक्स पर आपत्ति है, तो कुछ को दीपिका पादुकोण की बिकिनी के रंग पर। इन विवादों की वजह से सेंसर बोर्ड ने ये फैसला लिया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में 'रॉ' शब्द को बदलकर 'हमारे' और 'लंगड़े लूले' की जगह 'टूटे फूटे', 'PM' की जगह 'राष्ट्रपति या मंत्री', 'PMO' शब्द को 13 जगह से हटाया गया है। इतना ही नहीं इसमें 'अशोक चक्र' को 'वीर पुरस्कार', 'पूर्व KGB' की जगह इसे 'पूर्व SBU' और 'मिसेज भारतमाता' को 'हमारी भारतमाता' कर दिया गया है। इसके अलावा फिल्म में 'स्कॉच' की जगह 'ड्रिंक' शब्द बोला

जाएगा और टेक्स्ट 'ब्लैक प्रिजन, रूस' की जगह अब दर्शकों को केवल 'ब्लैक प्रिजन' नजर आएगा। पठान में शाहरुख का दमदार अवतार देखने को मिलेगा।

फिल्म में वो एक सोल्जर बने हैं, जो आतंकी ग्रुप के हमले से देश को बचाएगा। जॉन अब्राहम विलेन के रोल में हैं, जो भारत पर अटैक करने की प्लानिंग करते हैं। इस लड़ाई में किंग खान को दीपिका पादुकोण का साथ मिलता है। पठान का ट्रेलर देखने के बाद फैंस शाहरुख के डायलॉग को खूब पसंद कर रहे हैं, जो है 'पठान तो आएगा...साथ में पटाखे भी लाएगा..।'

पठान पर बयान देने वाले से नाराज हुए प्रधानमंत्री मोदी, नसीहत देते हुए कहा 'क्या जरूरत है...'

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे और आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नेताओं पर जमकर तंज कसा है. दरअसल पीएम मोदी ने मंगलवार को बैठक में कहा कि एक नेता होने के नाते आपको फिल्मों पर नहीं बोलना चाहिए. मोदी ने खुलकर किसी नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन इशारों में गलत बयानबाजी करने से बचने की सलाह दी है. सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने कहा कि हम सारे दिन काम करते हैं और कुछ लोग किसी फिल्म पर बयान दे देते हैं, उसके बाद सारे दिन टीवी और मीडिया में वो ही चलता है. बेवजह के बयानों से बचना चाहिए.

भाषण में सुर्खियां बटोरने पर नाराज हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान पीएम मोदी ने बीजेपी नेताओं से आग्रह किया है कि वो फिल्मों और सेलिब्रिटीज के खिलाफ अनावश्यक टिप्पणी करने से बचें. बैठक में मौजूद बीजेपी के एक पदाधिकारी ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने कल अपने भाषण में सुर्खियां बटोरने के लिए बयान देने वालों को आगाह किया था और उन्होंने उनसे कहा कि उन्हें ऐसा करने से बचना चाहिए. पीएम मोदी ने कहा कि कभी-कभी फिल्मों या शख्सियतों पर की जाने वाली टिप्पणियां हमारी कड़ी मेहनत पर भारी पड़ जाती हैं'.

सांसदों ने पठान पर दिया है विवादित बयान

बता दें कि दीपिका और शाहरुख की फिल्म पठान को लेकर कई सारे नेताओं ने विवादित बयान दिया है. भोपाल की सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर और मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा सहित कुछ प्रमुख भाजपा नेताओं द्वारा शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'पठान' के बहिष्कार करने वाले बयान के बाद आया है. नेताओं ने फिल्म के एक गाने में एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के कपड़ों के रंग को लेकर भी सवाल खड़े किए थे. मध्य प्रदेश के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा फिल्म के गाने में भगवा रंग के कपड़ों के इस्तेमाल पर भड़क गए थे. उन्होंने कहा था कि फिल्म में कुछ आपत्तिजनक दृश्य हैं. साथ ही उन्होंने पठान को मध्य प्रदेश में प्रतिबंधित करने धमकी भी दी थी.

ब्रेन ट्यूमर से जूझ रही हैं राखी सावंत की मां : राखी का दावा-मां के इलाज में मुकेश अंबानी कर रहे हैं हेल्प

ड्रामा क्वीन राखी सावंत इन दिनों आदिल खान दुर्रानी के साथ अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं, पहले आदिल इस निकाह को मान नहीं रहे थे वहीं अब आदिल ने शादी की बात मान ली है। वहीं दूसरी तरफ एक्ट्रेस अपनी मां को लेकर परेशान हैं। राखी सावंत की मां पहले कैंसर से पीड़ित थीं। कैंसर के बाद उन्हें ब्रेन ट्यूमर हुआ और वो इस वक्त हॉस्पिटल में एडमिट हैं और उनका इलाज चल रहा है। इसी बीच राखी ने अपनी मां के बीमारी के बारे में बात की जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में राखी ने बताया कि उनकी मां उन्हें पहचान भी नहीं रही हैं और होश में नहीं हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया है कि मुकेश अंबानी उनकी मां के इलाज में मदद कर रहे हैं। आगे बात करते हुए वो कहती हैं, 'मैं अंबानी जी का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। अंबानी जी मां के इलाज में मदद कर रहे हैं। हॉस्पिटल में जो ज्यादा प्राइज है न उसको कम करके'।

राखी सावंत ने एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया था कि जब वो 11 साल की थीं तब उन्होंने अनिल अंबानी और टीना मुनीम की शादी में 50 रुपये के लिए खाना परोसा था। एक्ट्रेस उस वक्त गरीबी झेल रही थीं और उन्हें पैसों की सख्त जरूरत थी।

आदिल ने कबूली राखी से शादी की बात

कभी इंकार, कभी इकरार के बाद आदिल, राखी से अपनी शादी की बात कबूल चुके हैं। आदिल ने दुनिया के सामने आकर ये कबूला कि राखी उनकी पत्नी हैं। हालांकि, आदिल ने ये कबूलनामा सलमान खान की डांट के बाद किया। हाल ही में राखी ने मीडिया के सामने बताया था कि उनके पास सलमान खान का फोन आया था। सलमान ने आदिल से कहा कि जो है, उसे साफ करो। अगर शादी की है, तो मानो अगर नहीं की है, तो इंकार करो।

महिला आयोग ने उर्फी जावेद के लिए मांगी सिक्योरिटी: लिखा पुलिस कमिश्नर को पत्र

उर्फी जावेद इस समय बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष चित्रा वाघ के साथ विवाद को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल कुछ दिन पहले चित्रा ने उर्फी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की थी। उन्होंने उर्फी पर आरोप लगाते हुए कहा था कि उर्फी मुंबई की सड़कों पर न्यूडिटी फैलाती हैं। इस शिकायत के बाद उर्फी ने भी बीजेपी नेता चित्रा के खिलाफ महाराष्ट्र महिला आयोग में शिकायत दर्ज की थी। हालांकि अब इस मामले में महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग ने मुंबई पुलिस कमिश्नर से मॉडल की सुरक्षा की मांग करने को कहा है। महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग ने कार्रवाई करते हुए मुंबई पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा है। उन्होंने इसके जरिए मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर उर्फी जावेद की सुरक्षा की मांग पर गौर करने को कहा है। दरअसल कुछ दिन पहले उर्फी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर से मिली थीं। इस दौरान उर्फी ने उन्हें शिकायत पत्र दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि बीजेपी नेता चित्रा ने उनके खिलाफ राजनीतिक लाभ के लिए शिकायत दर्ज की थी और मीडिया से बातचीत के दौरान उन्हें मारने की धमकी भी दी थी। उर्फी के वकील ने बताया, 'शिकायत आईपीसी की धारा 153 (ए) (बी), 504, 506, 506 के तहत पब्लिक डोमेन को नुकसान पहुंचाने के लिए धमकी देने और आपराधिक धमकी देने के अपराध में दर्ज की गई है।'

ये लोग केवल मीडिया में पॉपुलर होने की वजह से ऐसा कर रहे हैं- उर्फी

उर्फी ने इससे पहले चित्रा वाघ की शिकायत की कॉपी दिखाती हुई एक फोटो शेयर की थी। इस फोटो को शेयर करते हुए उर्फी ने कैप्शन में लिखा था, 'मुझे खुद पर बहुत गर्व है।'

वहीं एक दूसरी फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने चित्रा पर तंज कसते हुए लिखा था, 'गुड जॉब चित्रा वाघ।' इसके साथ ही उर्फी ने कहा था कि ये लोग केवल मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

सुहाना खान ने कज़न आलिया को किया बर्थडे विश, फैंस को फोटो में दिखाई अपने बचपन की झलक

शाहरुख खान की लाडली बेटी सुहाना खान ने कज़न आलिया छिब्बा को उनके बर्थडे पर विश किया है. सुहाना ने सोशल मीडिया पर अपनी और आलिया के बचपन की फोटो पोस्ट और एक वीडियो पोस्ट किए हैं, जिसमें दोनों की बॉन्डिंग साफ नजर आ रही है. इसके साथ ही सुहाना खान ने आलिया को जन्मदिन की बधाई दी है. सुहाना खान ने इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह आलिया के साथ मिरर के सामने खड़ी होकर सेल्फी ले रहे हैं. वीडियो में देखा जा सकता है कि सुहाना फ्लोरल क्रॉप टॉप और ब्लू जींस पहने हुए नजर आ रही हैं. वहीं, आलिया ब्लैक टॉप पहने हुए दिख रही हैं. इसके कैप्शन में सुहाना ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे मेरी सबसे अच्छी दोस्त. आई लव यू.'

सुहाना खान ने शेयर की बचपन की फोटो

सुहाना ने वीडियो के अलावा बचपन की एक फोटो शेयर की है, जिसमें देखा जा सकता है कि आलिया, सुहाना के गाल पर किस कर रही हैं. दोनों ने मैचिंग हेयरबैंड्स पहने हैं. इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए सुहाना खान ने कैप्शन में लिखा, बिग किस. मालूम हो कि आलिया और सुहाना अक्सर फैमिली फंक्शंस, हॉलीडे और पार्टीज की फोटोज पोस्ट करते रहते हैं.

वर्क फ्रंट की बात करें शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान 'द आर्चीज' से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं. इस फिल्म को फेमस फिल्ममेकर जोया अख्तर बना रही हैं. 'द आर्चीज' में सुहाना खान वेरोनिका के किरदार में नजर आएंगी. इस फिल्म से अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य भी डेब्यू करने वाले हैं. वहीं, मूवी में सुहाना और अगस्त्य के अलावा बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर, युवराज मेंडा और अन्य नजर आएंगे. 'द आर्चीज' थिए टर्स में नहीं बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्री होगी.

'सूर्यवंशम' को बार-बार देख बैखलाया शख्स, कहा- 'मेरी मानसिक स्थिति बिगड़ी तो कौन जिम्मेदार होगा'

अमिताभ बच्चन की फिल्म 'सूर्यवंशम' पिछले कई सालों से लगभग हर दिन टीवी चैनल पर दिखाई जा रही है. फिल्म के आए दिन प्रसारण से कुछ दर्शक काफी बोर भी हो गए हैं. एक शख्स तो 'सूर्यवंशम' के लगातार टीवी पर दिखाए जाने से इतना ज्यादा परेशान हो गया कि उसने टीवी चैनल को चिट्ठी तक लिख डाली है. इस शख्स ने टीवी चैनल को चिट्ठी लिखकर कहा है कि हम लोगों ने 'सूर्यवंशम' की पूरी कहानी जान ली है. हीरा ठाकुर के बारे में भी सारी जानकारी मिल गई है, अब कब तक इस फिल्म का प्रसारण चैनल पर होता रहेगा.

सूर्यवंशम को बार-बार देख त्रस्त हुआ शख्स

टीवी चैनल को लिखी गई ये चिट्ठी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है. चिट्ठी में शख्स ने लिखा, 'आपके चैनल को सूर्यवंशम फीचर फिल्म के प्रसारण का ठेका प्राप्त हुआ है, आपकी कृपा से हम और हमारा परिवार हीरा ठाकुर और उनके परिवार को अच्छे से जान गया है. हम लोगों को सूर्यवंशम नामक फिल्म की एक्स्ट्रा इनिंग कंठस्थ हो चुकी है.'

चैनल को लिखी गई वायरल हो रही चिट्ठी

इसके आगे इस शख्स ने अपनी चिट्ठी में लिखा, 'आपका चैनल कितनी बार इस फिल्म का प्रसारण कर चुका है? भविष्य में कितनी बार और इस फिल्म का प्रसारण किया जाएगा? यदि हमारी मानसिक स्थिति पर इसका विपरीत असर आता है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? कृप्या सूचना देने का कष्ट करें...' बता दें, 'सूर्यवंशम' अमिताभ बच्चन की सबसे सफल फिल्मों में से एक है. साल 1999 में ये रिलीज हुई थी जिसमें बिग बी ने हीरा ठाकुर का रोल प्ले किया था. इस फिल्म में उनका डबल रोल भी देखने को मिला था. सिनेमाघरों के बाद ये फिल्म टीवी पर भी लगातार प्रसारित की जा रही है.

तमन्ना भाटिया नहीं इस खास शख्स के साथ लंच डेट पर गए थे विजय वर्मा, सबके साथ शेयर कर दी तस्वीर

इन दिनों विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया के अफेयर के चर्चे खूब हो रहे हैं. डेटिंग रूमर्स के बीच हाल ही में पहली बार तमन्ना और विजय को एक साथ पब्लिकली स्पॉट भी किया गया था. जिसके बाद इन अफवाहों को और हवा मिल गई. वहीं विजय वर्मा ने फाइनली तमन्ना भाटिया को डेट करने की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है. हालांकि उन्होंने सिर्फ ये क्लियर किया है कि वो मंगलवार दोपहर को तमन्ना के साथ लंच डेट पर नहीं गए थे.

विजय ने तमन्ना के साथ लंच डेट की अफवाह पर किया रिएक्ट

बता दें कि डार्लिंग्स एक्टर ने एक स्टोरी को अपने ट्वीट पर रीट्वीट किया है जिसमें दावा किया गया था कि वह एक्ट्रेस के साथ लंच डेट पर गए थे साथ ही उन्होने ये भी खुलासा किया कि वह रियल में लंच के लिए किससे मिले थे. दरअसल विजय ने डायरेक्टर सुजॉय घोष के साथ एक तस्वीर शेयर की है साथ ही कैप्शन में लिखा है, "मेरी लंच डेट @sujoy_g." तस्वीर में विजय फिल्म मेकर की तरफ इशारा करते हुए नजर आ रहे हैं.

बता दे कि नए साल पर गोवा में एक पार्टी में विजय और तमन्ना किस करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इनकी डेटिंग की अफवाहें उड़ीं थीं. हालांकि वीडियो में उनके फेस क्लियर नहीं नजर आ रहे थे, लेकिन फैंस का मानना था कि विजय और तमन्ना डांस करते समय एक दूसरे के क्लोज थे. इसके बाद वीकेंड में दोनों एले ग्रेजुएट्स 2023 अवॉर्ड्स में भी स्पॉट किए गए थे. इस दौरान दोनों ने अपनी-अपनी ट्राफियों के साथ कैमरों के लिए पोज़ भी दिए थे.

'मिशन मजनू' की स्क्रीनिंग के बाद रश्मिका मंदाना ने फैन से मांगी माफी, जानिए- आखिर क्या हुआ था?

रश्मिका मंदाना और सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'मिशन मजनू' जल्द ही रिलीज होने वाली है. वहीं मंगलवार को मुंबई में फिल्म की स्क्रीनिंग रखी गई थी जिसमें फिल्म की स्टार कास्ट सहित कई सितारों ने शिरकत की थी. इस दौरान रश्मिका मंदाना 'मिशन मजनू' के स्क्रीनिंग वेन्यू के बाहर फैन से माफी मांगती नजर आईं.

रश्मिका ने फैन से मांगी माफी

'मिशन मजनू' की स्क्रीनिंग में रश्मिका अपने को-एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ शामिल हुई थीं. वहीं स्क्रीनिंग में कियारा आडवाणी और करण जौहर भी पहुंचे थे. रश्मिका मंदाना जैसे ही वेन्यू पर पहुंचीं वैसे ही भीड़ ने उन्हें घेर लिया. एक पैपराज़ी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में, रश्मिका स्क्रीनिंग वेन्यू से निकल कर कार में जाते हुए नजर आईं . इस दौरान एक्ट्रेस ने इंतजार कर रहे अपने सभी फैंस को एक बड़ी समाइल के साथ ग्रीट किया. इस दौरान उनकी कार भीड़ से निकलने की कोशिश करती दिखीं. एक्ट्रेस के ड्राइवर ने भीड़ से निपटना चाहा, लेकिन रश्मिका को पैपराज़ी और फैंस की सुरक्षा की भी चिंता थी. इस दौरान उन्हें उनमें से एक से माफी मांगते हुए भी देखा गया. आखिरकार उनकी गाड़ी भीड़ के बीच से निकल आई.

'मिशन मजनू' की स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए, रश्मिका कैजुअल आउटफिट में पहुंची थीं. एक्ट्रेस ने ब्लू स्लीवलेस क्रॉप टॉप पहना था और इसे ग्रीन कलर की पैंट के साथ पेयर किया था.

उन्होंने स्क्रीनिंग से पहले कैमरों के लिए पोज़ दिया और प्रीमियर पर जाने से पहले उन्हें पैपराज़ी के साथ सीरियस बातचीत करते हुए भी देखा गया.

अनजानों से बात करें, मोटा वेतन बेहतर करियर पाने से ज्यादा खुशी दूसरों पर खर्च करने से मिलती है

भौतिक चीजों की बजाय अनुभव ज्यादा खुशी देता है।

कई बार हम जिसे खुशी मान लेते हैं, उसका उल्टा ही होता है। लोग मोटा वेतन और अपने करिअर में सफलता की कोशिश में जुटे रहते हैं। इसे ही अपनी खुशी मान लेते हैं, लेकिन यह असली खुशी नहीं होती। बल्कि हम दूसरों के लिए कितना खर्च कर रहे है इससे हमें ज्यादा खुशी मिलती है।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के साइंस डायरेक्टर एमिलियाना सिमोन थॉमस ने चौंकाने वाली ऐसी 6 चीजों के बारे में बताया जिससे हमें लगता है कि खुशी बढ़ती है। पर वास्तव में इसका उल्टा ही होता है।

शहर में रहने, फ्री टाइम से खुशी घटती है

हमें लगता है कि हमें शहर में रहने से खुशी मिलती है, लेकिन शहरी जीवन तनाव और नाखुशी भरा होता है। ज्यादा फ्री टाइम से खुशी मिलती है, लेकिन प्रोडक्टिविटी घटती है। अनजान बने रहने से खुशी नहीं मिलती, उल्टा बात करने से खुशी मिलती है। अमेरिकी सपना लिए लोग सोचते है कि अच्छा वेतन वाला करियर और प्रमोशन मिल जाए तो जीवन आसानी से कटेगा, लेकिन ऐसा नहीं है।

लंबी यात्रा से ज्यादा दोस्त के साथ लंच से खुशी मिलती है

कपड़े, नई कार, गैजेट खरीदने से हमें खुशी नहीं मिलती। दूसरों पर पैसे खर्च करने से खुशी बढ़ती है। इसी तरह भौतिक चीजों की बजाय अनुभव ज्यादा खुशी देता है। बड़ी यात्रा की बजाय किसी दोस्त के साथ लंच से खुशी मिलती है।

अपनों की आर्थिक सुरक्षा के लिए बनाएं एक डायरी ताकि उन्हें उसका पूरा लाभ मिल सके

पति और पत्नी का वार्तालाप चल रहा था, अचानक पति बोला, 'यदि कोई हादसा हो गया और मैं काल के गाल में समा गया, तब तुम सब कैसे सम्हालोगी?' पत्नी ने तुरंत टोकते हुए कहा, 'प्लीज़, ऐसी अशुभ बातें न कीजिए।' लेकिन बात मार्के की थी, सो चलती रही। पति ने कहा, 'अशुभ भले हो, लेकिन सच हो सकता है, इसीलिए तो कहता हूं, मैं कम्प्यूटर पर बैठता हूं तो साथ बैठा करो और तुम हो कि सुनतीं नहीं। आप तो देख रहे हैं, ऐसा कह के कुछ ध्यान नहीं देतीं।'

ये बात केवल एक पत्नी की नहीं अपितु उसके जैसी अनेक गृहिणियों की है। अब शर्माजी का ही मामला लीजिए। उनके न रहने पर उनकी पत्नी को कितनी कठिनाइयों से दो-चार होना पड़ रहा है। पैसा रहते हुए भी बैंक से रुपया निकाल नहीं पा रहीं क्योंकि उनको उसके बारे में कुछ पता नहीं, अब दूसरों का सहारा लेना पड़ रहा है। अनहोनी, मुसीबतें बिना बुलाए मेहमान की तरह होती हैं, जो कभी भी गले पड़ सकती हैं। अतः पति-पत्नी को एक-दूसरे के वित्तीय निवेश से जुड़ी जानकारियां होनी चाहिए। आज तो सभी काम ऑनलाइन होते हैं। पति-पत्नी को एक-दूसरे के बैंक खातों व निवेश की जानकारियों के साथ एटीएम, नेट बैंकिंग के यूज़र आईडी तथा पासवर्ड, और ई–मेल आदि के पासवर्ड ज्ञात होने चाहिए। स्वयं भी कभी भूल सकते हैं, इसलिए ज़रूरी है कि एक डायरी बनाएं जिसमें अपनी संचित पूंजी का उपयोग, कहां-कहां और किन डाकख़ाने, बैंक आदि में किया है, का संपूर्ण विवरण पासवर्ड सहित लिखकर रखें। उस डायरी को सम्हालकर रखें जिससे किसी अन्य के हाथ न लगे।

विवरण इस तरह ...

बैंक बैंक या बैंकों में जितने खाते हैं, उनका अकाउंट नंबर, उनका पासवर्ड (यदि आप नेटबैंकिंग करते हैं तो उसका विवरण), डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि का पासवर्ड डायरी में लिखकर रखें। साथ ही आपने कौन-सा ई-मेल एड्रेस दिया है, वह भी लिखें। आजकल सभी कई-कई ई-मेल एड्रेस रखते हैं।

पासवर्ड जब कभी आप पासवर्ड बदलते हैं तुरंत पुराना पासवर्ड काटने के साथ-साथ नया पासवर्ड उसी के नीचे डायरी में लिखें।

डाकघर खाता यदि आप डाकघर में रिकरिंग, बचत खाता अथवा किसान विकास पत्र वग़ैरह लेते हैं तो उनका संपूर्ण विवरण अपनी डायरी में विस्तार से लिखें। उनके पूर्ण होने की तारीख़ यानी मैच्योरिटी डेट, किस एरिया के पोस्ट ऑफिस में है आदि का समस्त विवरण अपनी डायरी में लिखें।

एफडी फिक्स डिपॉजिट फंड नेट बैंकिंग से या बैंक में अथवा किसी अन्य माध्यम से किए हैं, उनका सविस्तार विवरण डायरी में लिखें।

म्यूचुअल फंड आपने कौन से म्यूचुअल फंड में पैसा लगाया है, उसकी पूरी जानकारी अपनी डायरी में लिखें। एसआईपी यदि चल रही है तो उसके बारे में भी डायरी में लिखिए।

शेयर शेयर आप कभी भी ख़रीदते-बेचते रहते हैं, इसलिए सोचते है इनको लिखने से क्या फ़ायदा, कम्प्यूटर खोलते ही दिख जाएगा। यह नादानी मत करिए क्योंकि हो सकता है आपकी जीवनसाथी को इनके संचालन का ज़रा भी अंदाज़ा न हो। उनके हित को देखते हुए आपको लिखना है। बेचें तो तुरंत उसे डायरी में दर्ज करें।

कुल मिलाकर अपना आर्थिक लेखा-जोखा डायरी मेंटेन कीजिए।

बहुत से सवाल दिमाग़ में आएंगे जैसे डायरी किसी के हाथ लग जाएगी तो क्या होगा? आप एटीएम, पासबुक, सोने-चांदी की चीज़ें सम्हालकर रखते हैं वैसे ही डायरी आपकी अलमारी के अंदर सुरक्षित रहेगी। जब भी ट्रान्ज़ैक्शन करें, डायरी निकालकर तुरंत लिख लें। आपकी जीवनसंगिनी की मुसीबत में आर्थिक सुरक्षा करना आपका कर्तव्य बनता है। आजकल की भागमभाग भरी ज़िंदगी में रिश्तों की मज़बूत डोर के लिए आर्थिक सुरक्षा निहायत आवश्यक है।

भारत में खिचड़ी, अमेरिका में पिज्जा कंफर्ट फूड

पुरुष खुशी के मौके पर तो महिलाएं तनाव में इसे खाना पसंद करती हैं

चाहे आप किसी भी देश, जाति या धर्म के हों, लेकिन कंफर्ट फूड खाने से आपको हमेशा एक जैसा अनुभव होता है। यानी आपके दिमाग को शांति मिलती है। हर देश में संस्कृति और वातावरण के आधार पर अपना अलग तरह का कंफर्ट फूड होता है।

नई संभावनाएं तलाशने के लिए खाते हैं कंफर्ट फूड

साउथ कैरोलिना यूनिवर्सिटी में एक रिसर्च में पाया गया है कि जब जीवन में बहुत उथल-पुथल होती है, तो लोग ऐसा भोजन खाना पसंद करते हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं खाया। टाइम्स ऑफ चेंज की एक स्टडी में सामने आया कि जीवन में ज्यादा स्थिरता होने पर लोग लोकप्रिय ब्रांड का भोजन खाना पसंद करते हैं। इससे हमें नई संभावनाओं को तलाशने में भी मदद मिलती है।

नॉर्थ अमेरिका में पिज्जा कंफर्ट फूड

उत्तरी अमेरिका में कंफर्ट फूड के रूप में पिज्जा सबसे ज्यादा खाया जाता है। पुरुष जश्न के माहौल में कंफर्ट फूड ज्यादा खाना पसंद करते हैं। वहीं महिलाएं तनाव में कंफर्ट फूड खाती हैं। इसके बाद वे गिल्ट भी महसूस करती हैं। ज्यादा खुश नहीं होतीं। भारत में कंफर्ट फूड के तौर पर लोग सबसे ज्यादा खिचड़ी खाना पसंद करते हैं।

कंफर्ट फूड से रिश्तों में जुड़ाव महसूस होता है

कंफर्ट फूड खाने से लोग रिश्तों में जुड़ाव महसूस करते हैं। उनमें अपनेपन की भावना बढ़ती है। अमेरिका में कंफर्ट फूड साथ में खाने से लोग सुरक्षित महसूस करते हैं। हालांकि, इसके प्रभाव अतीत पर भी निर्भर करते हैं।

माता-पिता बच्चों का ख्याल रखते हैं लेकिन बच्चे उनका नहीं, क्यों बदल गया संवेदनाओं का परिदृश्य

मां-पिता अपने बच्चों का जिस तरह ध्यान रखते हैं, उसे शब्दों में शायद बयान न किया जा सके। ख़ासतौर पर मांएं अपने बच्चे के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, खानपान या छोटी-बड़ी हर बात का इतना ध्यान रखती हैं कि ख़ुद को भी भूल जाती हैं। बच्चे का हर काम करके देना, और ज़रा-सी तबियत ढीली हुई नहीं कि उसकी देखभाल में अपनी भूख-प्यास तक को भूल जाना। खाना तक अपने हाथ से खिलाना। वहीं पिता भी अपने बच्चों की हर छोटी-बड़ी ज़िद पूरी करते हैं। लेकिन इतना सब देखकर भी अक्सर बच्चे अपने माता-पिता का ख़्याल रखने में और घर में छोटा-मोटा हाथ बंटाने में पीछे रह जाते हैं। वे अपने माता-पिता के प्रति अपनी जवाबदारी समझ नहीं पाते।

इसका कारण काफ़ी हद तक अभिभावक ख़ुद होते हैं। बच्चों को अपने पर ज़रूरत से ज़्यादा निर्भर करवाना और हर काम हाथ पर करके देना, अक्सर बच्चों में गैर-ज़िम्मेदारी का विशेष कारण बन जाता है। बहुत ज़रूरी है कि माता-पिता कुछ अहम क़दम उठाएं जिससे उनकी संतान न सिर्फ़ माता-पिता के लिए संवेदनशील बनेगी, बल्कि छोटे-छोटे कामों के लिए आत्मनिर्भर भी बनेगी। ये ख़ूबियां भविष्य में उन्हें एक ज़िम्मेदार व्यक्ति के रूप में भी गढ़ेंगी।

सब काम हो तो जाते हैं...

घर के काम करने में, खाना बनाने, साफ़-सफ़ाई करने में मेहनत लगती है और समय भी। इन कामों में हाथ बंटाना तो दूर, बच्चे मां-पिता को काम करता देखकर, दूसरे कमरे में या बाहर चले जाते हैं।

ग़लती कहां होती है...

अमूमन मांएं बच्चों को हर चीज़ हाथ में देती हैं, उनके लिए थाली परोसकर देती हैं, उनके द्वारा घर में बिखेरे खिलौनों या अन्य सामान को समेटती हैं और यहां तक कि उन्हें अपने हाथ से खाना भी खिलाती हैं और थाली भी उठाने नहीं देतीं। ऐसा करके वे ज़रूरत से ज़्यादा अपने बच्चों को ख़ुद पर निर्भर बना लेती हैं।

क्या करना होगा...

बच्चों में छोटे-छोटे कामों की आदत डालें। कुछ नियम बनाने होंगे जैसे कि स्कूल से आकर अपने जूते, यूनिफॉर्म, कार्ड, बैग, टिफ़िन, बॉटल, सभी वस्तुएं अपने स्थान पर उन्हें ख़ुद रखनी हैं। कोई मेहमान आए तो पानी लेकर आना है। कोई खाना खा रहा हो तो उसको परोसने में मदद करना है। इसके अलावा छोटे-छोटे काम, जैसे सब्ज़ी-फल काटने, अलमारी जमाने, घर की सफ़ाई या जमावट में मदद करे।

बीमारी का अहसास भी नहीं

कुछ दिनों पहले मेरी दोस्त ने मुझसे एक आंखों देखा मंज़र साझा किया। एक दिन जब वो अपनी सहेली से मिलने गई, तब वह बुख़ार और सिरदर्द से बेहाल थी। वो उसके 10 साल के बेटे को इस उम्मीद से देखती रही कि कुछ और नहीं तो वह अपनी मां को एक गिलास पानी का ही दे दे। पर वह मोबाइल गेम खेलने में व्यस्त रहा।

ग़लती कहां हुई...

अभिभावक बच्चे से कह देते हैं कि तुम अपना काम करो, पानी हम ला देते हैं, मेहमान को हम देख लेंगे तुम खेलो या पढ़ाई करो। बच्चे को 'अपना काम करने की हिदायत' मिलती है, तो वह काम करने की ज़रूरत भी नहीं समझता।

क्या करना होगा...

दवाई लाना, घर में जो बीमार है उसकी फ़िक्र करना, सिर दबाना, बुज़ुर्गों के पैर दबाना या दवाई लगा देने जैसे काम बच्चों से करवाने से उनके मन में करुणा, संवेदनशीलता बढ़ेगी और वे ज़िम्मेदार बनेंगे।

आप हर वक़्त जुटे रहते हैं...

माता-पिता को यह समझना ज़रूरी है कि जब तक आप ख़ुद आपके लिए समय निकालना ज़रूरी नहीं समझेंगे, तब तक आपके बच्चे भी इसको आवश्यक नहीं मानेंगे।

ग़लती कहां होती है...

आप पूरे समय बच्चे की ज़रूरतों और अपनी घर-दफ़्तर की ज़िम्मेदारियों में जुटे रहकर तनावग्रस्त रहते हैं। शरीर कमज़ोर होता जाता है और बच्चों को यह सब नज़र नहीं आता। अक्सर गृहिणियां रविवार को पति के पीछे पड़ जाती हैं कि एक ही तो दिन मिलता है, तो बाहर चलना ही चाहिए। वे अपने पति की थकान के बारे में नहीं सोचतीं, तो बच्चों से क्या उम्मीद की जा सकती है।

क्या करना होगा...

अपने आराम का समय तय कर लें। ख़ासकर माताएं अपने आराम का ध्यान रखें। बच्चों को पता होना चाहिए कि मां-पापा के लिए भी आराम ज़रूरी है। हर रविवार बाहर जाने की बेजा ज़िद को बढ़ावा न दें। कामकाजी अभिभावक दफ़्तर से आकर कुछ समय आराम करें। अगर बच्चों को घुमाने ले जाना हो तो उनसे बात मानने और समय प्रबंधन की अपेक्षाएं स्पष्ट करें।

संवेदनशीलता के और भी ज़रिए हैं

पालतू की देखभाल या बाग़वानी के ज़रिए भी बच्चे संवेदनशील बन सकते हैं। मूक प्राणी का ख़्याल रखते बच्चे अपने आप ही सबकी क़द्र करना सीख जाते हैं। उसी तरह पेड़-पौधों की देखभाल भी बच्चों को कर्त्तव्यनिष्ठ बनाती है।

आत्मनिर्भर होने का महत्व जान जाएंगे

बच्चे जब अपना काम ख़ुद करेंगे, तो उनका ख़ुद पर भरोसा बनेगा, जो उनके लिए भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। छुट्टियों में ददिहाल या ननिहाल जाने पर उनकी आत्मनिर्भरता उन्हें शाबाशी दिलाएगी। खरी प्रशंसा आत्मविश्वास को पोषित करती है।

धमकाएं नहीं, बल्कि प्रोत्साहन दें

बच्चे आपकी बातें डर के कारण भी मानते हैं। इससे उनके मन में कभी भी ख़ुद काम करने या मदद करने का भाव नहीं जागेगा। ऐसे में प्रोत्साहन सकारात्मक दवाई की तरह काम करता है। अगर बच्चा अपना काम पूरा करता है, तो उसको शाबाशी दें। कमी न निकालें, पर मार्गदर्शन करें।

देर रात तक जागने से घटती है इम्यूनिटी बार-बार संक्रमण कमजोर इम्यूनिटी का संकेत

तापमान में हल्की गिरावट भी इम्यूनिटी को 50 प्रतिशत तक घटा देती हैं। इसका असर नाक पर सर्वाधिक होता है। यही कारण है कि ठंड के मौसम में सर्दी, जुकाम जैसे संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ते हैं। ऐसे में इनसे बचने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी इम्यूनिटी को बढ़ाना और उसे बनाए रखना है। पर्याप्त नींद के साथ ही यदि हेल्दी डाइट, शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पर्याप्त पानी और फिजिकल एक्टिविटी को बनाए रखा जाए तो इम्यूनिटी को मजबूत रखा जा सकता है। बार-बार बीमार पड़ना, बार-बार कोई इन्फेक्शन होना (फेफड़ों , आंतों का या त्वचा का इन्फेक्शन), वजन कम होना, लिवर तिल्ली और लिम्फ नोड्स का बड़ जाना या इम्युनोग्लोबुलिन का कम हो जाना कमजोर इम्यूनिटी के लक्षण हैं। प्रतिदिन 30 से 45 मिनट पैदल घूमना, योग करना या किसी भी तरह का स्पोर्ट्स खेलने से इम्यूनिटी बढ़ती है।

इसके कई कारण हो सकते है- हीमोग्लोबिन का कम होना , दिल या फेफड़ों की बीमारी होना, मोटापा भी इसका एक कारण हो सकता है। नींद का इम्यूनिटी से रिसर्च से पता चला है कि नींद का इम्यून सिस्टम से गहरा संबंध है। एक स्वस्थ व्यक्ति को 7 से 8 घंटे की नींद अवश्य लेना चाहिए जो लोग रात को देर तक जागे रहते है उनका इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। अच्छी इम्यूनिटी के लिए कोई विशेष प्रकार के खाने से इम्यून सिस्टम नहीं सुधरता। एक बैलेंस्ड फूड ज़रूर फायदा पहुंचाता है। घर का हिंदुस्तानी ख़ाना श्रेष्ठ है। रोजमर्रा देर तक जागना, शराब और धूम्रपान करना और नकारात्मक सोच ये सब इम्यून सिस्टम को कमजोर करते है। बैलेंस्ड फूड, व्यायाम, योग, पर्याप्त नींद ये सब इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाते हैं।

8 घंटे बैठे रहने से याददाश्त कमजोर होती है : 3 घंटे खड़े रहें, इससे लंबा जीवन जीने में मदद मिलती है

ऑफिस में लंबी सिटिंग इन दिनों आम बात हो गई है। चाहे दफ्तर हो या रिमोट वर्किंग, वयस्क काम के दौरान 8 घंटे तक गतिहीन होकर एक ही जगह बैठे-बैठे बिता रहे हैं। लंबे समय तक बैठे रहने का असर अब लोगों के दिमाग पर पड़ने लगा है। इससे याददाश्त कमजोर होती है, जिससे कई बार आप कई जरूरी बातें भूल जाते हैं।

ऐसे लोगों को 3 घंटे खड़े रहना जरूरी

हाल ही में हुए एक शोध में सामने आया कि ऐसे लोगों को दिन में करीब 3 घंटे तक खड़े रहना जरूरी है। इससे लंबा जीवन जीने में मदद मिलती है। शोध के अनुसार खड़े रहने से ब्लड में शुगर का स्तर कम होता है। दिल की बीमारी का जोखिम कम हो जाता है और उन लोगों की तुलना में कम तनाव और थकान होती है, जो 8 घंटे या उससे ज्यादा समय तक बैठे रहते हैं।

न्यूयॉर्क के ग्लोबल वेलबीइंग लीड के माइलार्ड हॉवेल बताते हैं कि लगातार बैठे रहने से समय के साथ मानसिक स्वास्थ्य और याददाश्त पर नकारात्मक असर पड़ता है। खड़े होने से न्यूरल एजिंग के मुद्दों से लड़ने में मदद मिल सकती है, जैसे मेडियल टेम्पोरल लोब बिगड़ना, जो दिमाग का वह क्षेत्र है, जिसमें मेमोरी होती है।

बैठे रहने से पैरों में अपंगता तक आ सकती है

इसके अलावा लंबे समय तक बैठने से शरीर के सभी हिस्सों में रक्त का संचार प्रभावित होता है। मस्तिष्क में रक्त का संचार ठीक ढंग से न होने पर दिमाग की कोशिकाओं में ऑक्सीजन व पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। लेकिन लंबे समय तक एक जगह पर टिककर बैठे रहने से यह पूरी प्रक्रिया प्रभावित होती है। इसका असर हमारे पैरों पर भी पड़ता है। एक ही स्थिति में बैठे रहने से पैरों में अपंगता तक आ सकती है।

आधे घंटे में 2 मिनट उठकर टहलना बेहद जरूरी

दिमाग की सेहत बनाए रखने के लिए व्यक्ति को हर आधे घंटे में दो मिनट के लिए जरूर उठकर टहलना चाहिए। ऐसा करने से दिमाग में रक्त का संचार बढ़ जाता है। इससे ब्रेन व्यक्ति को चीजों की पहचान करने में मदद करता है।

हरियाली के साथ बंद हुए घरेलू शेयर बाजार

सेंसेक्स 390 अंक चढ़ा, निफ्टी 18150 के पार

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सेशन के बाद हरियाली के साथ बंद हुआ। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 390.02 अंकों की बढ़त के साथ 61,045.74 अंकों पर बंद हुआ। इसमें 0.64% की बढ़त दिखी। वहीं दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला निफ्टी सूचकांक 110 अंकों की बढ़त के साथ 18163.80 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी में 0.61% का उछाल दिखा। इस दौरान सेल और सीमेंस के शेयरों में चार-चार प्रतिशत की बढ़त दिखी है। डॉलर के मुकाबले रुपया अपने मंगलवार के स्तर 81.76 के करीब से उबरते हुए 81.24 रुपये पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले दो दिनों में इसमें 0.5% की गिरावट

दर्ज की गई थी।

अदाणी ग्रीन एनर्जी की इकाई एस्सेल सौर ऊर्जा कंपनी में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग टू लिमिटेड ने एस्सेल इन्फ्राप्रोजेक्ट्स से एस्सेल सौर्य ऊर्जा कंपनी ऑफ राजस्थान से 50 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने का फैसला किया है। यह सौदा 15 करोड़ रुपये में होगा। अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग टू लिमिटेड अडाणी ग्रीन एनर्जी की इकाई है। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि उसकी सहायक इकाई ने 17 जनवरी 2023 को एस्सेल इन्फ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड के साथ एक पक्का समझौता किया है। बाकी 50 प्रतिशत इक्विटी शेयर राजस्थान सरकार के पास बने रहेंगे। अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग टू लिमिटेड के पास राजस्थान में 750 मेगावॉट क्षमता वाला सौर पार्क है। वर्ष 2021-22 में इसका कारोबार 9.87 करोड़ रुपये था।

बजट में 50000 करोड़ रुपये तक का विनिवेश लक्ष्य रख सकती है सरकार

जीडीपी का बढ़ सकता है आकार

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। बैंक ऑफ बड़ौदा की एक रिपोर्ट के अनुसार, जब से उदारीकरण की शुरुआत हुई है यानी वित्त वर्ष 1992 से लेकर अब तक केवल आठ बार ही सरकार विनिवेश लक्ष्य को पूरा कर पाई है। नौ बार उसे लक्ष्य की तुलना में केवल 50 फीसदी रकम मिली है। सरकार 2023-24 में 40,000-50,000 करोड़ रुपये का विनिवेश लक्ष्य रख सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि ब्याज दरें ऊपर हैं। वैश्विक स्तर पर आर्थिक स्थितियां अच्छी नहीं हैं। कई देश मंदी में जा सकते हैं, जिससे निवेशक सावधानी बरत रहे हैं। ऐसे में सरकार के लिए पूंजी जुटाना मुश्किल हो सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा की एक रिपोर्ट के अनुसार, जब से उदारीकरण की शुरुआत हुई है यानी वित्त वर्ष 1992 से लेकर अब तक केवल आठ बार ही सरकार विनिवेश लक्ष्य को पूरा कर पाई है। नौ बार उसे लक्ष्य की तुलना में केवल 50 फीसदी रकम मिली है। पिछले 30 वर्षों में कुल 12.17 लाख करोड़ के विनिवेश लक्ष्य के मुकाबले सरकार को सिर्फ 7.28 लाख करोड़ रुपये ही मिल पाए।

वित्त वर्ष 2018, 2019 और 2022 ऐसे साल रहे हैं, जिसमें कुछ बड़ी कंपनियों ने ज्यादा रकम जुटाई है। इसमें 2018 में एनटीपी और जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (जीआईसी) ने और 2019 में भारत 22 ईटीएफ और कोल इंडिया ने ज्यादा रकम जुटाई। 2022 में एक्सिस बैंक में सूटी का हिस्सा बेचने और एनएमडीसी के साथ एअर इंडिया का विनिवेश रहा है।

चालू वित्त वर्ष में 65,000 करोड़ जुटाने की योजना

रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में 65,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य से 25 हजार करोड़ कम रकम मिलने की उम्मीद है। अप्रैल से नवंबर तक कुल 28,429 करोड़ रुपये जुटाए गए। सरकार प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ), फॉलोऑन पब्लिक ऑफर, ऑफर फॉर सेल, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ), बायबैक और रणनीतिक बिक्री आदि से रकम जुटाती है।

वित्त वर्ष 1992 से लेकर 2000 के बीच ज्यादा रकम रणनीतिक बिक्री और आईपीओ से जुटाई गई।

उसके बाद 2000 से 2014 के बीच सीपीएसई की बिक्री, ईटीएफ और बायबैक से ज्यादा पूंजी जुटाई गई। वित्त वर्ष 2020 से लेकर अब तक ज्यादा रकम आईपीओ के जरिये जुटाई गई।

300 लाख करोड़ हो सकता है जीडीपी का आकार : एसबीआई

देश की जीडीपी का आकार 2023-24 में 9.8 फीसदी बढ़कर 300 लाख करोड़ रुपये का हो सकता है। एसबीआई ने 2022-23 के लिए 273 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था का अनुमान लगाया है। बजट में यह अनुमान 258 लाख करोड़ रुपये था। एसबीआई ने रिपोर्ट में कहा, 2023-24 में सरकार की प्राप्तियां 28 लाख करोड़ रुपये होगी। बजट अनुमान 22.8 लाख करोड़ रुपये है। हालांकि, एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए 25 लाख करोड़ का अनुमान लगाया है। इसके मुकाबले 12.1 फीसदी की बढ़त होगी। 2022-23 में 39.4 लाख करोड़ के खर्च का अनुमान बजट में लगाया गया था। लेकिन, एसबीआई का कहना है कि यह 42.5 लाख करोड़ हो सकता है। राजकोषीय घाटा 6.4 फीसदी से कम होकर 6 फीसदी पर आ सकता है।

इलेक्ट्रिकल उत्पादों के निर्यात के लिए बने वैश्विक मानक

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय विद्युत उद्योग के विशेषज्ञों ने कहा, यह सही समय है जब सरकार को गंभीर होने और उत्पाद की गुणवत्ता एवं प्रदर्शन के मामले में कठोर निर्णय लेना चाहिए। उद्योग को वैश्विक मानक के बराबर लाने की जरूरत है।

भारतीय विद्युत उद्योग के विशेषज्ञों ने देश के विद्युत उत्पादों को वैश्विक मानकों का पालन करने के लिए भारत सरकार पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है।

उद्योग ने कहा, यह सही समय है जब सरकार को गंभीर होने और उत्पाद की गुणवत्ता एवं प्रदर्शन के मामले में कठोर निर्णय लेना चाहिए। उद्योग को वैश्विक मानक के बराबर लाने की जरूरत है। विशेषज्ञों का मानना है कि खराब गुणवत्ता ने लोगों के जीवन को खतरे में डाल दिया है, क्योंकि विद्युत सुरक्षा मानदंडों में कम सुधार हुआ है। नेशनल फायर प्रोटेक्शन एसोसिएशन के अनुसार, बिजली के झटके और ज्यादा आग बिजली के टूटे उपकरणों से लगती है। आम लोगों की सुरक्षा के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के मानक को सख्ती से लागू करने की जरूरत है, ताकि आग की घटनाओं पर काबू पाया जा सके।

क्रूड उत्पादन व डीजल निर्यात पर

अप्रत्याशित लाभ कर में कटौती

वैश्विक बाजार में दाम घटने के कारण हुए सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल के साथ डीजल व विमान ईंधन के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर में कटौती की है।

आदेश के मुताबिक, कच्चे तेल के उत्पादन पर अप्रत्याशित लाभ कर को 2,100 रुपये से घटाकर 1,900 रुपये प्रति टन किया गया है। डीजल निर्यात पर कर 6.5 रुपये से घटाकर पांच रुपये प्रति लीटर किया गया है। विमान ईंधन पर इसे 4.5 रुपये से घटाकर 3.5 रुपये प्रति लीटर किया गया है। नई दरें 17 जनवरी से प्रभावी हैं।

चीनी मिलों का उत्पादन 4% बढ़कर 1.57 करोड़ टन

डॉलर के मुकाबले रुपया मंगलवार को 12 पैसे कमजोर होकर 81.70 पर बंद हुआ। विदेशी बाजारों में डॉलर में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से रुपये पर दबाव बढ़ा। फॉरेक्स कारोबारियों ने कहा, विदेशी कोषों की लगातार निकासी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा 81.79 पर खुली। कारोबार के दौरान यह और गिरकर 81.89 पर पहुंच गई थी।

बैंक ऑफ इंडिया को 1,151 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली। बैंक ऑफ इंडिया को दिसंबर तिमाही में 1,151 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में यह 12% अधिक है। बैंक ने मंगलवार को बताया कि कुल आय 14,159 करोड़ रुपये रही है। एक साल पहले यह 11,211 करोड़ रुपये थी।

पंजाब एंड सिंध बैंक की भागीदारी

पंजाब एंड सिंध बैंक और बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने कॉरपोरेट एजेंसी साझेदारी की घोषणा की है। बैंक के एमडी स्वरूप कुमार साहा व बजाज आलियांज के एमडी तरुण चुघ ने साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए।

11,000 एम्प्लॉइज को निकालेगी माइक्रोसॉफ्ट

अनिश्चित कंडीशन्स के कारण फैसला

नडेला ने अगले 2 साल चुनौतीपूर्ण बताए थे

वॉशिंगटन, 18 जनवरी (एजेंसियां)। ट्विटर, मेटा और कई टेक कंपनियों के बाद, माइक्रोसॉफ्ट अनिश्चित मैक्रोइकोनॉमिक कंडीशन्स के कारण बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी कर रहा है। द वर्ज की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस हफ्ते माइक्रोसॉफ्ट 5% वर्कफोर्स (11,000 के करीब) को निकाल सकती है। इस छंटनी से प्रमुख रूप से इंजीनियरिंग डिवीजन के लोग प्रभावित होंगे। फाइलिंग के अनुसार, 30 जून तक कंपनी के पास 221,000 फुलटाइम कर्मचारी थे, जिनमें 122,000 अमेरिका में और 99,000 इंटरनेशनली थे।

छंटनी की ये खबर पूरी तरह से आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि माइक्रोसॉफ्ट काफी समय से इसका संकेत दे रहा था। उदाहरण के लिए, कंपनी के सीईओ सत्या नडेला ने सीएनबीसी के साथ एक इंटरव्यू में कहा था कि माइक्रोसॉफ्ट ग्लोबल चेंजेस के प्रति इम्यून नहीं है। नडेला ने कहा था कि अगले 2 साल टेक कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण होंगे।

पिछले 5 महीनों में, कई अमेरिकी टेक दिग्गजों ने ऑपरेशनल कॉस्ट बचाने के लिए हजारों कर्मचारियों को निकाला है। कंपनियों ने मुख्य रूप से यूक्रेन-रूस युद्ध, स्लो ग्रोथ और कोविड महामारी के दौरान ओवर-हायरिंग को इसका जिम्मेदार ठहराया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर-	06-35 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	कुंभ -	08-25 बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	10-04 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	11-39 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	13-24 बजे
शुक्र-	मकर	में	मिथुन..	15-26 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	17-37 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	19-49 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-56 बजे
			तुला	00-01 बजे
			वृश्चिक.	02-12 बजे
			धनु.....	04-29 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिर**दिशाशूल-** दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी- **13 -18** तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - माघ कृष्ण पक्ष , गुरूवार **Jan 19**
नक्षत्र -ज्येष्ठा **-15 -17** तक उपरान्त मूल
योग - ध्रुव - **23 - 03** - तक उप व्याघात
करण- तैतिल **-13 - 18** - तक उप- गर
विशेष:- **प्रदोष व्रत**
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 13:51 से 15:15 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ.	06:53 - 08:15 शुभ	अमृत.	17:59 - 19:39 शुभ
रोग	08:15 - 09:39 अशुभ	चंचल.	19:39 - 21:15 शुभ
उत्पात	09:39 - 11:03 अशुभ	रोग.	21:15 - 22:51 अशुभ
चंचल.	11:03 - 12:27 शुभ	काल.	22:51 - 00:27 अशुभ
लाभ.	12:27 - 13:51 शुभ	लाभ	00:27 - 02:03 शुभ
अमृत.	13:51 - 15:15 शुभ	उत्पात	02:03 - 03:39 अशुभ
काल.	15:15 - 16:39 अशुभ	शुभ	03:39 - 05:15 शुभ
शुभ.	16:39 - 17:59 शुभ	अमृत	05:15 - 06:53 शुभ

आपका राशिफल

मेष धू धे धो ला ली लू ले लो आ

आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है ।

वृष ई उ ए जो वा वी वू वे वो

आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें ।

मिथुन का की कू घ ङ झ के को हा

आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें ।अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें ।अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें ।यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें ।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी ।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ट पे पो

आज का दिन आपके लिए विशेष है क्योंकि आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे ।यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा । अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।

तुला स री रु रे से ता तू ते

अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है । आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं । आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे ।

वृश्चिक तो मा मी मू मे मो य यी यू

इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है ।

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

मकर भे जे जी खी खू खो मा मी

आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

दिन शांत रहेगा ।पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी ।आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें । कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ।

मीन ढी ढू ध ज्ञ ञ दे दो घ घी

आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें ।अपनी प्राक्रतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बजट में पेंशन को टैक्स-फ्री करने की उम्मीद

इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए अलग बकेट बना सकती है सरकार

2 से 2.5 लाख तक बढ़ेगी लिमिट

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। देश में अधिकांश लोग सुरक्षा के अलावा टैक्स बचाने के लिए इंश्योरेंस खरीदते हैं। हमें उम्मीद है कि बजट में सरकार इंश्योरेंस सेक्टर में टैक्स की छूट देकर ज्यादा लोगों तक पहुंचने में मदद करेगी। उम्मीद है कि सरकार पेंशन स्कीम्स को बढ़ावा देने पेंशन/एन्युटी को ग्राहक के हाथ में टैक्स-फ्री कर सकती है। एक विकल्प ये है कि प्रिंसिपल कंपोनेंट के लिए छूट की अनुमति दी जाए। निजी क्षेत्र को एनपीएस के साथ बराबरी की प्रतिस्पर्धा का मौका मिलना चाहिए।

धारा 80 डी के तहत छूट के लिए हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम की मौजूदा लिमिट (प्रिवेंटिव मेडिकल चेक-अप लागत समेत) सिर्फ 25,000 रुपए है। ये सीमा बढ़ाए जाने की जरूरत है। कोविड के बीते दो वर्षों ने साबित किया है कि मौजूदा सीमा पर्याप्त नहीं है।

कुछ साल पहले तक 2.5 लाख प्रीमियम की मैच्योरिटी राशि आयकर की धारा 10(10डी) के तहत कर-मुक्त थी। इसे एक बार फिर कर-योग्य बना दिया गया है। ये फैसला वापस लिया जाना चाहिए। इससे इंश्योरेंस सेक्टर में बड़ी राशि के निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

आयकर की धारा 80सी के तहत कई निवेश विकल्प शामिल किए गए हैं। मसलन जीवन बीमा प्रीमियम, पीपीएफ, ईएलएसएस, एनएससी, एनपीएस, होम लोन का मूलधन इत्यादि। हमें उम्मीद है कि सरकार इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए अलग बकेट बनाएगी या फिर 1.5 लाख की मौजूदा लिमिट को 2 से 2.5 लाख तक बढ़ाएगी।

कमीशन पर टीडीएस छूट बढ़ने की उम्मीद

हमें उम्मीद है कि बजट में सरकार आयकर की धारा 194डी के तहत इंश्योरेंस कमीशन पर टीडीएस छूट की सीमा मौजूदा 15,000 रुपए से बढ़ाएगी। इससे इंश्योरेंस एजेंट को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा इंश्योरेंस जैसे प्रोडक्ट्स पर 18% जीएसटी ज्यादा है। कम से कम बेसिक प्रोटेक्शन प्लान शून्य-जीएसटी के तहत लाए जाने चाहिए।

भारत में 2027 से बनेगा हर दूसरा आईफोन

देश में विनिर्माण तेजी से बढ़ना तय

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना इन कंपनियों को पसंद आ रही है। भारत में 2027 तक दुनिया के हर दूसरे आईफोन का उत्पादन होने की संभावना है। एपल ने अप्रैल से दिसंबर तक भारत से 2.5 अरब डॉलर के आईफोन का निर्यात किया था। ताइवान के डिजीटाइम्स अखबार ने कहा कि भारत 2025 तक दुनिया भर में कुल आईफोन का 25 फीसदी असेंबलिंग करेगा।

एपल ने पिछले साल भारत में अपने आईफोन को असेंबल करना शुरू किया था। एपल के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन ने पांच साल पहले देश में सुविधाओं का निर्माण शुरू किया था। भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना इन कंपनियों को पसंद आ रही है। भारत में विनिर्माण तेजी से बढ़ना तय है क्योंकि एपल के तीन निर्माता फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और विस्ट्रॉन 41,000 करोड़ की पीएलआई योजना का हिस्सा हैं। साइबरमीडिया रिसर्च ने कहा, इस साल के अंत तक 5जी स्मार्टफोन शिपमेंट में 70

फीसदी की वृद्धि होगी। 2020 में इसके शुरुआती वर्ष में बिक्री में 13 गुना वृद्धि दर्ज की गई थी। 5जी स्मार्टफोन का हिस्सा 2020 में 4 फीसदी था, जो इस साल के अंत तक 45 फीसदी पहुंचने की उम्मीद है। 2022 में 5जी स्मार्टफोन के करीब 100 मॉडल लॉन्च किए गए थे।

होटलों की ऑक्यूपेंसी इस साल 70% तक पहुंचेगी

जी-20 सम्मेलन, हॉकी और क्रिकेट वर्ल्ड कप से होटल इंडस्ट्री को मिलेगा बढ़ावा

10% तक बढ़ेगा होटलों का किराया

मुंबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। इस साल मार्च तक देश में होटलों की रूम ऑक्यूपेंसी 70% तक पहुंचने का अनुमान है। डिमांड और सप्लाई के बीच अंतर के चलते इस साल कोविड पूर्व की तुलना में किराया भी 8-10% बढ़ सकता है। इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कंपनी जेफरीज की इंडिया लॉजिंग रिपोर्ट में ये अनुमान लगाया गया है।

जेफरीज के मुताबिक, देश का होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर बीते साल काफी मजबूती से उभरा। 2023 में इसके नई ऊंचाई पर पहुंचने उम्मीद है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि कोविड-19 के बाद बीता साल होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के लिए काफी अच्छा रहा। होटलों का किराया काफी तेज गति यानी सालाना आधार पर 20-30% की दर से बढ़ा, लेकिन अब यह दर थोड़ी धीमी हो सकती है।

जेफरीज की रिपोर्ट और होटल इंडस्ट्री के सूत्रों के मुताबिक इस साल देश में कई अंतरराष्ट्रीय आयोजन हो रहे हैं जिसकी वजह से लगातार विदेशी पर्यटकों का आगमन होता रहेगा और होटल इंडस्ट्री को इससे फायदा मिलेगा। इसमें फिलहाल चल रहे जी-20 समिट के आयोजन, हॉकी वर्ल्ड कप, नवंबर-दिसंबर में क्रिकेट वर्ल्ड कप के अलावा शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन सम्मेलन भी है। ऐसे कई देशी-विदेशी आयोजनों का फायदा होटल इंडस्ट्री को मिलेगा।

साउथ एशिया, एचवीएस ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी के प्रेसिडेंट मनदीप एस लांबा ने बताया कि इस साल बिजनेस और लेजर ट्रैवल के मिश्रण यानी ₹ब्लेजर' ट्रैवल में वृद्धि होगी। इससे आमदनी बढ़ाने में मदद मिलेगी। गिग वर्कर्स की भर्ती भी बढ़ेगी। लागत बचाने मल्टी टैलेंटेड स्टाफ की भर्ती बढ़ेगी।

जारी रह सकता है ग्रोथ ट्रेंड

होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट केबी कचरू ने बताया कि कोविड के बाद होटल सेक्टर बाउंस बैक कर रहा है। बीते कुछ महीनों से ऑक्यूपेंसी की दर और औसत किराया बढ़ा है। प्रति उपलब्ध रूम आमदनी में भी बढ़ोतरी हुई है। यह ट्रेंड इस साल भी जारी रहने की उम्मीद है।

सर्राफा बाजार में सोना 105 रुपये सस्ता हुआ चांदी 52 रुपये मजबूत हुई

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 105 रुपये गिरकर 56,526 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इस दौरान चांदी 52 रुपये बढ़कर 69,694 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 105 रुपये गिरकर 56,526 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज की ओर से यह जानकारी दी गई। पिछले कारोबार में सोना 56,631 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि इस दौरान चांदी 52 रुपये बढ़कर 69,694 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एक विश्लेषक ने कहा, "दिल्ली के बाजारों में सोने की कीमत 105 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट के साथ 56,526 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करती दिखी।"

मंगलवार को डॉलर इंडेक्स में 0.18 फीसदी की तेजी आई, जिससे सोने के भाव पर दबाव बढ़ा। विश्लेषक ने कहा कि अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल भी हाल के निचले स्तर से संभल गया। विदेशी बाजार में सोना और चांदी 1,910 डॉलर प्रति औंस और 24.16 डॉलर प्रति औंस के भाव के साथ हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। इस बीच बुलियन ट्रेडर्स आज देर रात आने वाले यूएस रिटेल सेल्स और पीपीआई डेटा पर नजर बनाए हुए हैं।

23 और घरों में दरारें, लेकिन पानी का रिसाव कम

जोशीमठ में 237 परिवार हटाए, बद्रीनाथ धाम का खजाना भी हो सकता है शिफ्ट

जोशीमठ, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जोशीमठ में 23 और घरों में दरारें आ गई हैं। सर्वे टीम ने 849 घरों को दरारों वाला क्रॉस मार्क लगाया है। इनमें से 155 निजी भवन और 10 व्यापारिक प्रतिष्ठानों को पूरी तरह से असुरक्षित माना गया है। इस कारण अभी तक इनमें रहने वाले 237 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित कर दिया गया है।

विस्थापित परिवारों में से 58 किराए के मकानों में रहने पहुंचे हैं। बाकी को सरकार की तरफ से ठहराया गया है। इस बीच, दर्द और बेबसी की एक और तस्वीर सामने आई। विस्थापित कई परिवारों को प्रशासन ने होटलों में ठहराया है। लेकिन परेशानी ये है कि एक ही कमरे में तीन-तीन परिवार को ठूंस दिया गया है। वहां सोने तक के लिए जगह नहीं मिल रही है।

जमीन धंसने से भगवान बदरी विशाल के खजाने की चिंता बढ़ी

सबसे ज्यादा परेशानी उन महिलाओं को हो रही है, जिनके बच्चे 6 महीने तक के हैं। हालांकि राहत की बात ये है कि खाने-पीने को लेकर समस्या नहीं है। सभी शिविरों और होटलों में प्रशासन खाने की व्यवस्था कर रहा है। साथ ही बाजारों में भी किसी भी चीज की किल्लत नहीं है।

इस बीच, जमीन धंसने से भगवान बदरी विशाल के खजाने को लेकर भी चिंता बढ़ा है। यदि स्थिति और बिगड़ती है तो बद्रीनाथ धाम का खजाना पीपलकोटी में मंदिर समिति के निरीक्षण भवन में शिफ्ट कर दिया जाएगा। बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि अभी खतरा नहीं है, पर जरूरत पड़ने पर यहां स्थित निरीक्षण भवन के हॉल को स्ट्रांग रूम बनाया जाएगा।

स्कूल बंद, बच्चों की चिंता- बैठने की जगह नहीं, परीक्षा की तैयारी कैसे करें

एक फरवरी को जोशीमठ के सभी 10 स्कूलों की सर्दियों की छुटिटयां खत्म हो जाएंगी। स्कूल जाने वाले बच्चों और उनके अभिभावको की चिंता ये है कि जहां ठहराया गया है, वहां से स्कूल दूर हैं।

साथ ही जहां हैं, वहां एक कमरे में 16 लोग रह रहे हैं। ऐसे में बोर्ड और अन्य कक्षाओं की परीक्षाओं की तैयारी कैसे हो।

हाईस्कूल की छात्रा पल्लवी राणा बताती है कि जब से ये आपदा आई है। वो पढ़ नहीं पाई है। आपदा की बातें दिमाग से हट नहीं पा रही हैं। दूसरी तरफ, राज्य सरकार ने बोर्ड के विद्यार्थियों को अपना परीक्षा केंद्र चुनने की राहत दी है।

टूटेंगे निचले इलाकों के असुरक्षित मकान, अब आधे से कम हुआ पानी का रिसाव

इस बीच, मंगलवार को तय किया गया कि जोशीमठ में सबसे निचले हिस्से में बसी जेपी कॉलोनी में भविष्य के खतरों को देखते हुए असुरक्षित घरों को तोड़ा जाएगा। हालांकि राहत ये है कि पानी के रिसाव में कमी आई है। पहले जहां 540 लीटर प्रति मिनट पानी का रिसाव हो रहा था। वो अब 163 लीटर प्रति मिनट हो गया है। इससे पहले भी रिसाव में कुछ कमी दर्ज की गई थी, लेकिन रविवार को अचानक फिर से बढ़ोतरी होने पर प्रशासन की चिंता बढ़ गई थी।

आगे बर्फबारी और बारिश के आसार, इससे बढ़ सकती है लोगों की परेशानी

इस बीच, मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा है कि जोशीमठ, औली समेत अन्य इलाकों में बारिश और हिमपात हो सकता है। इसने प्रशासन के साथ राहत शिविरों में रह रहे लोगों की चिंता भी बढ़ा दी है। सबसे ज्यादा तनाव उन परिवारों को है, जिनके घरों में दरार तो है, पर उन्हें विस्थापित नहीं किया गया है। ऐसे लोगों का कहना है कि ऐसा हुआ तो दरारें चौड़ी हो जाएंगी। सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत सिन्हा ने बताया, हालात देखने आपदा प्रबंधन की टीम ने जोशीमठ का दौरा किया है।

कंतास एयरलाइन के विमान की ऑस्ट्रेलिया में इमरजेंसी लैंडिंग

एक इंजन हो गया था खराब, जारी हुआ अलर्ट; सभी 145 यात्री सुरक्षित

सिडनी, 18 जनवरी (एजेंसियां)। कंतास के बोइंग 737-800 विमान ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड से 145 यात्रियों को लेकर उड़ान भरी थी। एक इंजन खराब होने के बाद सिडनी एयरपोर्ट पर लैंडिंग करानी पड़ी। न्यूजीलैंड से ऑस्ट्रेलिया जा रही कंतास एयरलाइन की QF144 फ्लाइट का एक इंजन बीच रास्ते में फेल हो गया। जिसके बाद प्लेन की सिडनी में इमरजेंसी लैंडिग कराई गई।

सभी 145 यात्री सुरक्षित हैं। गार्जियन की खबर के मुताबिक, पायलट्स की ओर से इमरजेंसी स्थिति वाला मेडे अलर्ट जारी किया गया था। जिसके बाद सिडनी एयरपोर्ट पर फायर बिग्रेड, डॉक्टर, एम्बुलेंस और बचावकर्मी पहुंच गए थे। हालांकि, पायलट्स ने अपनी सूझ-बूझ से एक इंजन के सहारे ही प्लेन को सुरक्षित लैंड करा लिया। अब इंजन फेल होने की घटना की जांच की जा रही है।

ऑकलैंड से 2.30 भरी थी उड़ान

बोइंग 737 श्रेणी के इस प्लेन ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड से दोपहर 2.30 बजे 145 यात्रियों को लेकर उड़ान भरी थी।

तस्मान सागर के ऊपर उड़ान भरते समय इमरजेंसी अलर्ट जारी किया गया। एक घंटे बाद 3.30 बजे प्लेन ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में सुरक्षित लैंडिग कर ली। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में समय भारत से 5.30 घंटे आगे चलता है। फ्लाइट रडार के डाटा के मुताबिक, उड़ान के दौरान प्लेन की ऊंचाई और स्पीड कम हुई थी।

एक महीने में ऐसी दूसरी घटना

कंतास एयरलाइन के लिए इमरजेंसी लैंडिग वाली एक महीने में ये दूसरी घटना थी। इससे पहले 23 दिसंबर को सिंगापुर से लंदन जा रही फ्लाइट ने इमरजेंसी लैंडिग की थी। प्लेन के कार्गो में धुंआ होने की वजह से प्लेन की अजरबैजान में इमरजेंसी लैंडिग की गई थी।

एक इंजन के साथ उतर सकता है विमान

एयरलाइन की ओर से बताया गया कि बोइंग 737-800 दो इंजन वाला विमान है और सिर्फ एक इंजन के साथ भी सुरक्षित रूप से उतरने में सक्षम है। फिर भी, पैरामेडिक्स को बुलाया गया था और एयरपोर्ट पर एम्बुलेंस सेवाओं को स्टैंडबाय पर रखा गया था।

कीव में छोटे बच्चों के स्कूल पर गिरा हेलीकॉप्टर

यूक्रेन के गृह मंत्री समेत 16 की मौत

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। यूक्रेन की राजधानी कीव में एक हेलीकॉप्टर हादसे की खबर है। इस हादसे में यूक्रेन के मंत्री समेत 16 लोगों की मौत की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। हेलीकॉप्टर, कीव के बाहरी इलाके में स्थित छोटे बच्चों के स्कूल पर गिरा। यह हादसा कीव के उत्तरपूर्व में स्थित शहर ब्रोवरी में हुआ है। घटना के सूचना पाकर पुलिस और आपात सेवाओं से जुड़े लोग मौके पर पहुंच गए हैं। इस एयरक्राफ्ट हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हादसे के बाद बच्चों का स्कूल आग की लपटों से घिरा नजर आ रहा है।

अभी तक हादसे की वजह पता नहीं चल सकी है। यूक्रेन की नेशनल पुलिस के मुखिया इगोर क्लिमेंको ने कहा है कि अभी तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। मरने वालों में यूक्रेन के गृह मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी और गृह मंत्री डेनिस मोनास्त्रिस्की और उनके डिप्टी मंत्री यावगेनी येनिन शामिल हैं। बता दें कि मोनास्त्रिस्की साल 2021 में ही यूक्रेन के गृहमंत्री बने थे। हादसे में 22 लोग घायल हुए हैं, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि हादसे के समय प्ले स्कूल में बच्चे और स्कूल का स्टाफ मौजूद था।

बीजेपी विधायक के खिलाफ दिया आपत्तिजनक बयान, विवाद बढ़ने पर मांगी माफी!

बेंगलुरु, 18 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक विधानसभा में नेता विपक्ष बीके हरिप्रसाद का एक विवादित बयान सामने आया है। दरअसल बीके हरिप्रसाद ने कहा है कि खुद को बेचने वाले विधायकों की तुलना वेश्या से की है। बीके हरिप्रसाद ने ये बातें होसापेट इलाके में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने स्थानीय विधायक को सबक सिखाने की भी अपील की। ऐसे में माना जा रहा है कि बीके हरिप्रसाद का निशाना भाजपा नेता आनंद सिंह हैं। आनंद सिंह, पहले कांग्रेस के टिकट पर विजयनगर (होसापेट) से विधायक चुने गए थे लेकिन बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए थे और उपचुनाव जीतकर फिर से विधायक चुने गए।

होसापेट में जनसभा को संबोधित करते हुए बीके हरिप्रसाद ने कहा कि 'जब आपने स्पष्ट बहुमत नहीं दिया तो हमने गठबंधन सरकार बनाई। हम उन महिलाओं को वेश्याएं कहते हैं, जो पेट भरने के लिए अपना शरीर बेचती हैं। जिन विधायकों ने अपने आप को बेच दिया, उन्हें क्या कहेंगे, ये मैं आप पर छोड़ता हूं। चुनाव में स्थानीय विधायक को सबक सिखाएं।' बता दें कि आनंद सिंह उन 17 विधायकों में शामिल हैं, जो भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके चलते कांग्रेस और जेडीएस के गठबंधन वाली सरकार गिर गई थी और भाजपा सत्ता पर काबिज हो गई। यही वजह है कि बीके हरिप्रसाद ने आनंद सिंह का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधा।

बयान पर हंगामा बढ़ता देख कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा है कि 'बीजेपी ने मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया है। वह सेक्स वर्कर्स के बारे में बेवजह का विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे मन में सेक्स वर्कर्स के लिए बहुत इज्जत है, अगर बयान से उनकी भावनाएं आहत हुई हैं, तो उसके लिए मैं माफी मांगता हूं'। वहीं बीके हरिप्रसाद के इस बयान को लेकर भाजपा ने उन्हें निशाने पर ले लिया है। भाजपा प्रवक्ता एस प्रकाश ने कहा कि कर्नाटक कांग्रेस के नेता अपने राजनैतिक विरोधियों के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते हैं। बीके हरिप्रसाद और सिद्धारमैया आपत्तिजनक भाषा बोलते हैं। गुजरात चुनाव के दौरान भी बीके हरिप्रसाद ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया था।

कर्नाटक विधानसभा के चुनाव इसी साल होने हैं। यही वजह है कि सत्ताधारी बीजेपी और विपक्षी पार्टी कांग्रेस चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं। कांग्रेस राज्य में प्रजा ध्वनि यात्रा निकाल रही है, जिसका नेतृत्व कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार और पूर्व सीएम सिद्धारमैया कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में मंदिर पर हमलों से भारतीय समुदाय चिंतित

सिडनी, 18 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के एक और मंदिर पर हमला हुआ है। सोमवार को ऐतिहासिक श्री शिव विष्णु मंदिर में तोड़फोड़ की गई। बीते 5 दिन में मंदिर पर हमले की ये दूसरी घटना है। ताजा घटना से भारतीय समुदाय के लोग परेशान हैं।

हमले का आरोप खालिस्तान समर्थकों पर लगा है। इससे पहले 12 जनवरी को मेलबर्न में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे मिले थे। भक्त उषा सेंथिलनाथन ने बताया, कि जब सोमवार को मंदिर में पोंगल उत्सव मनाने के लिए आईं, तो उन्होंने मंदिर में भारत विरोधी नारे देखे।

केरल के मंदिर में गैर-हिन्दुओं का प्रवेश वर्जित

दूसरे धर्मों के कलाकार हुनर दिखा सकें, इसलिए बन रहा अंतरराष्ट्रीय स्तर का ऑडिटोरियम

नौवीं शताब्दी में स्थापित भरत का इकलौता कूडलमानिक्यम मंदिर, भरतनाट्यम कलाकार को प्रवेश नहीं मिला था

त्रिशुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। गैर-हिन्दू भरतनाट्यम कलाकार को मंदिर प्रांगण के स्टेज पर अपनी कला का प्रदर्शन न करने देने पर केरल का कूडलमानिक्यम मंदिर पिछले साल अप्रैल में विवादों में आ गया था। त्रिशुर में इरिंजालाकुडा में यह भगवान राम के भाई भरत का देश में इकलौता मंदिर है। यह मंदिर नलंबलम मंदिर समूह का एक हिस्सा है। नलंबलम में चार मंदिर हैं जो राम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न को समर्पित हैं। सन 854 में स्थापित इस मंदिर में गैर-हिन्दुओं का प्रवेश वर्जित है।

कूडलमानिक्यम देवास्वम के चेयरमैन यू प्रदीप मेनन कहते हैं- 11 सौ साल पुरानी परंपरा को कायम रखने के लिए हमने भरतनाट्यम कलाकार मनसिया श्याम कल्याण को मंदिर में आने की इजाजत नहीं दी थी, क्योंकि स्टेज मंदिर प्रांगण में ही था, लेकिन अब हम मंदिर प्रांगण के बाहर एक स्टेज और उसके साथ लगा हुआ ऑडिटोरियम तैयार कर रहे हैं, जहां किसी भी धर्म के कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर सकेंगे।

अंदर बने मंच पर सिर्फ हिंदू कलाकार ही मंचन कर सकते हैं

उन्होंने कहा, लेकिन मंदिर परिसर के अंदर बने मंच पर सिर्फ हिंदू कलाकार ही मंचन कर सकते हैं। उसमें किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि मंच और ऑडिटोरियम का काम शुरू हो गया है। मई में मंदिर का उत्सव होना है। इससे पहले मंच और ऑडिटोरियम पूरी तरह तैयार हो जाएंगे। यहां 1500 लोगों के बैठने की व्यवस्था है।

उन्होंने पिछले साल हुए विवाद का जिक्र करते हुए कहा- हमने भरतनाट्यम कलाकार मनसिया से उनका धर्म पूछा था। उन्होंने हमें लिखकर दिया कि वे किसी धर्म को नहीं मानतीं। इसके बाद हमें अपनी परंपरा के अनुसार फैसला लेना पड़ा और उन्हें मंदिर परिसर में आने से रोक दिया गया, लेकिन अब भविष्य में कभी ऐसा नहीं होगा।

गैर-हिंदू कलाकारों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का नया स्टेज

केरल की जानीमानी भरतनाट्यम कलाकार मनसिया श्याम कल्याण अपनी कला का प्रदर्शन करने मंदिर के 10 दिवसीय कार्यक्रम में 800 कलाकारों के साथ पहुंची थीं। उनका जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उन्होंने संगीतकार श्याम कल्याण से शादी की है। मंदिर अधिकारियों ने उन्हें मंदिर प्रांगण में नहीं जाने दिया।

इससे पहले जब उन्हें कार्यक्रम प्रस्तुत करने से अचानक रोका गया था, तब उन्होंने कहा था कि मंदिर में कला के आधार पर नहीं धर्म के आधार पर प्रस्तुति का मौका मिलता है। कांग्रेस नेता शशि थरूर और केरल की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा ने इसकी आलोचना की थी। इससे पहले गुरुवयूर मंदिर में भी उन्हें भरतनाट्यम की प्रस्तुति से रोक दिया गया था।

सोमाली बलों ने 21 आतंकवादियों को मार गिराया

मोगादिशू, 18 जनवरी (एजेंसियां)। सोमालिया नेशनल आर्मी (एसएनए) ने मध्य सोमालिया में एक सैन्य ठिकाने पर अल-शबाब के आतंकवादियों के हमले में अल-शबाब के 21 आतंकवादियों को मार गिराया और कई अन्य को घायल कर दिया। रक्षा बलों के प्रमुख ओडोवा युसुफ रेज ने मंगलवार तड़के सोमाली राष्ट्रीय समाचार एजेंसी को बताया कि उग्रवादियों ने ठिकाने पर दो कार बमों से हमला किया, जिससे तबाही हुई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हमलावरों को खदेड़ने में सैनिकों की त्वरित प्रतिक्रिया के लिए रेज ने कहा कि हमले में एसएनए के पांच सैनिक मारे गए। अल-शबाब ने हाल के महीनों में सोमाली सरकार और अफ्रीकी संघ के सैनिकों के लिए आधार खो दिया है, लेकिन अभी भी दक्षिणी और मध्य सोमालिया के कुछ क्षेत्रों पर नियंत्रण रखता है।

तमिलनाडु को नए नाम से बुलाने पर राज्यपाल ने दी सफाई

बोले-ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कहा था तमिझगम

चेन्नई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में राजभवन में चार जनवरी को आयोजित एक कार्यक्रम में राज्यपाल द्वारा तमिलनाडु को तमिझगम कहने पर विवाद पैदा हो गया था।

मामले को तूल पकड़ता देख अब राज्यपाल ने एक पत्र जारी कर सफाई दी है। उन्होंने इस पत्र में लिखा है कि चार जनवरी को राजभवन में काश-तमिल संगमम के स्वयंसेवकों को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में ऐतिहासिक सांस्कृतिक जुड़ाव पर विचार करते हुए, मैंने 'तमिझगम' का उल्लेख किया। क्योंकि यह इतिहास से जुड़ा मामला था और उस समय कोई तमिलनाडु नहीं था। इसलिए, ऐतिहासिक-सांस्कृतिक संदर्भ में, मैंने 'तमिझगम' का उल्लेख किया था। विधानसभा में भी तमिझगम कहने पर मचा था हंगामा

इससे पहले राज्यपाल ने विधानसभा के अपने अभिभाषण में राज्य के नाम को तमिलनाडु की जगह तमिझगम करने की बात कही। जिसके बाद उनके इस बयान पर सत्तारूढ पार्टी डीएमके और उनके सहयोगी दल कांग्रेस और विदुथलाई चिरुथिगाल काची ने विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया था। राज्यपाल को गेट आउट के पोस्टर भी दिखाए गए थे।

राज्यपाल ने ऐसा क्या कहा कि हो गया विवाद

राज्यपाल ने राजभवन में कहा था कि तमिलनाडु को लेकर एक अलग तरह की सोच विकसित हो गई है। जब भी कोई चीज पूरे देश में लागू होती है तो तमिलनाडु का जवाब होता है 'नहीं'। यह एक आदत सी बन गई है। इस पर काफी कुछ लिखा गया है जो गलत और घटिया है। यह सोच बदलनी चाहिए. सच की जीत होनी चाहिए। तमिझगम इसे कहने के लिए अधिक उपयुक्त शब्द है।

हेल्थ वर्किंग ग्रुप की बैठक में बोलीं स्वास्थ्य राज्यमंत्री- स्वास्थ्य जी20 एजेंडे का अभिन्न अंग

तिरुवनंतपुरम, 18 जनवरी (एजेंसियां)। जी20 की हेल्थ वर्किंग ग्रुप की बैठक बुधवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित हुई। इस बैठक में भारत की स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीन पवार ने कहा कि स्वास्थ्य, जी20 एजेंडे का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में, पूर्व में हेल्थ वर्किंग ग्रुप की बैठकों में जो प्रस्ताव पेश किए गए, उन्हें पूरा करने पर फोकस रहेगा। स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने कहा कि सदी में एक बार आने वाली महामारी के दौरान, जी20 के सदस्य देश, परस्पर सहयोग, सभी को अच्छी सेहत देने के उद्देश्य की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं।

जी20 देशों के हेल्थ वर्किंग ग्रुप का गठन साल 2017 में जर्मनी की अध्यक्षता में किया गया था। जिसके तहत जी20 देश स्वास्थ्य इमरजेंसी को कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारती प्रवीन पंवार ने कहा कि हम जानते हैं कि महामारी को रोकने के लिए रोकथाम, तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए कई शेयरधारकों और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की जरूरत होती है।

जी20 देशों की पहली हेल्थ वर्किंग ग्रुप की बैठक 18-20 जनवरी को केरल के तिरुवनंतपुरम में हो रही है। भारत की अध्यक्षता में जी20 के हेल्थ वर्किंग ग्रुप की चार बैठकें और एक बैठक स्वास्थ्य मंत्री स्तर की होगी। यह बैठकें तिरुवनंतपुरम, गोवा, हैदराबाद, गांधीनगर में आयोजित की जाएंगी। इन हेल्थ वर्किंग ग्रुप की बैठकों में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल और डिजिटल हेल्थ पर फोकस किया जाएगा। जी20 की हेल्थ वर्किंग ग्रुप की बैठक में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज और हेल्थकेयर सर्विस डिलीवरी में सुधार के लिए डिजिटल हेल्थ इनोवेशन और सॉल्यूशन पर जोर दिया गया। साथ ही सुरक्षित, प्रभावी और सस्ती चिकित्सा तक पहुंच के लिए फार्म्यास्यूटिकल क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने पर फोकस किया जाएगा।

अमेरिका देगा पाकिस्तान को झटका? गैर-नाटो सहयोगी देशों से हटाने की मांग

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। आर्थिक रूप से बदहाली के दौर से गुजर रहे पाकिस्तान को एक और झटका लग सकता है। उसका गैर-नाटो सहयोगी देश का दर्जा छिन सकता है। एक अमेरिकी सांसद ने प्रतिनिधि सभा में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें पाकिस्तान का गैर-नाटो सहयोगी देश का दर्जा समाप्त करने की मांग की गई है। विधेयक में कहा गया कि पाकिस्तान को इस तरह का दर्जा देने के लिए उसे कुछ शर्तों के साथ राष्ट्रपति से ईयरली सर्टिफिकेशन की जरूरत होगी।

अमेरिकी सांसद एंडी बिग्स ने सभा में यह बिल पेश किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा विधेयक पर हस्ताक्षर से पहले इसे सदन और सीनेट द्वारा पारित किया जाना जरूरी है। इसे आवश्यक कार्रवाई के लिए हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी को भेजा गया है। विधेयक में कहा गया कि पाकिस्तान को यह साबित करना होगा कि उसने अपने देश में हक्कानी नेटवर्क के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ कार्रवाई में तेजी दिखाई है और उसके खिलाफ सैन्य अभियान चला रहा है और वह आतंकियों का सुरक्षित पनाहगाह ना बना रहे। दरअसल, पाकिस्तान हमेशा से ही आतंकवाद को पनाह देता रहा है, जिसे लेकर यह बिल पेश किया गया है। दोनों स्थितियों को पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि अमेरिका में कई लोग हक्कानी नेटवर्क को आईएसआई की वास्तविक शाखा मानते हैं। बिल में अमेरिकी राष्ट्रपति से यह भी प्रमाणित करने की मांग की गई है कि अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर हक्कानी नेटवर्क जैसे उग्रवादियों की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के लिए पाकिस्तान, अफगानिस्तान के साथ सक्रिय रूप से समन्वय करता है।

नेपाल विमान हादसा : अभी तक नहीं मिला आखिरी लापता यात्री का शव

तलाश में जुटी राहत-बचाव टीम

काठमांडू, 18 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल में 'यति एयरलाइंस' के दुर्घटनाग्रस्त विमान के आखिरी लापता यात्री का शव अभी तक नहीं मिल पाया है। इसके तलाशी के लिए बुधवार को एक बार फिर से खोज अभियान शुरू किया गया। विमान में पांच भारतीय सहित 72 लोग सवार थे, जिनमें से कुल 71 लोगों के शव बरामद हो गए हैं। समाचार पत्र 'माय रिपब्लिक' की खबर के अनुसार, आखिरी लापता यात्री की तलाश के लिए बुधवार को सुबह फिर से खोज अभियान शुरू किया गया। हालांकि बचाव कर्मियों ने उसके जिंदा होने की उम्मीद लगभग छोड़ दी है। 'यति एयरलाइंस' के 9एन-एएनसी एटीआर-72 विमान ने रविवार को पूर्वाह्न 10 बजकर 33 मिनट पर काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी।

पोखरा हवाई अड्डे पर उतरते वक्त विमान पुराने हवाई अड्डे और नए हवाई अड्डे के बीच सेती नदी के तट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में 55 नेपाली नागरिक, पांच भारतीय सहित 15 विदेशी नागरिक और चार चालक दल के सदस्य सवार थे। भारतीयों की पहचान अभिषेक कुशवाहा (25), विशाल शर्मा (22), अनिल कुमार राजभर (27) सोनू जायसवाल (35) और संजय जायसवाल के तौर पर हुई है। ये सभी उत्तर प्रदेश के निवासी थे। खबर के अनुसार, 48 शवों को काठमांडू लाया गया था। स्थानीय लोगों और जिन शवों की शिनाख्त नहीं हो पाई तथा विदेशी नागरिकों के शवों के अलावा सभी शवों को मंगलवार दोपहर काठमांडू लाया गया। इन 48 शवों को महाराजगंज स्थित त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में पोस्ट मार्टम के लिए नेपाल सेना के हेलीकॉप्टर में काठमांडू लाया गया।

पीएम मोदी बोले–हमें पसमांदा, बोहरा सबको जोड़ना है

हिंदुत्व के नाम पर सबसे बड़ी जीत; फिर भी बीजेपी को क्यों चाहिए मुस्लिम वोट?

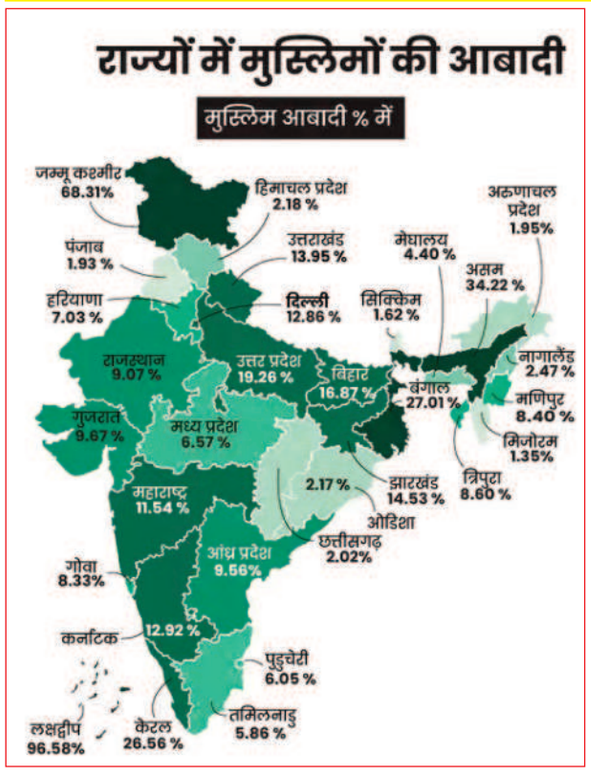

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। 'मुस्लिम समुदाय के बोहरा, पसमांदा और पढ़े लिखे लोगों तक हमें सरकार की नीतियां लेकर जानी हैं। हमें समाज के सभी अंगों से जुड़ना है और उसे अपने साथ जोड़ना है।' 17 जनवरी 2023 को बीजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ये बात कही है। इससे करीब 6 महीने पहले 3 जुलाई 2022 को हैदराबाद में आयोजित बीजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पीएम मोदी ने पसमांदा मुस्लिमों के लिए स्नेह यात्रा की घोषणा की थी। इस यात्रा का मकसद पसमांदा मुस्लिमों के घर-घर पहुंच कर बीजेपी से जोड़ने की पहल करना था।

उर्दू-फारसी का शब्द है पसमांदा, मतलब है पिछड़े और दलित मुस्लिम

'पसमांदा' शब्द फारसी भाषा से लिया गया है, जिसका मतलब है- समाज में पीछे छूट गए लोग। भारत में पिछड़े और दलित मुस्लिमों को पसमांदा कहा जाता है। जब पसमांदा की शुरुआत जानने के लिए 'ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज' के संस्थापक और राज्यसभा सांसद रहे अली अनवर अंसारी से बात की गई तो उन्होंने दावा किया कि फारसी और उर्दू के इस शब्द का पहली बार इस्तेमाल उन्होंने ही किया है। अली अनवर कहते हैं कि मुस्लिम समाज भी जातियों में बंटा है। जो मुस्लिम जातियां सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ी हैं, उन्हें पसमांदा मुस्लिम कहते हैं। इनमें वो जातियां भी शामिल हैं जिनसे छुआछूत होती है, लेकिन यह हिंदू दलितों की तरह अनूसूचित जातियों यानी एससी की सूची में शामिल नहीं हैं। अलग-अलग जातियों में बंटे पिछड़े मुस्लिमों को 'जाति से जमात' की नीति पर एकजुट करने के लिए पसमांदा शब्द की शुरुआत हुई थी। अब भारतीय मुस्लिमों में पसमांदा मुस्लिमों की आबादी 80% से ज्यादा है।

यह बीजेपी के लिए वोटों का मामला नहीं बल्कि छवि सुधारने की कोशिश है : अभय दुबे

पॉलिटिकल एक्सपर्ट अभय कुमार दुबे बताते हैं कि बीजेपी पसमांदा मुस्लिमों को साधने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। पसमांदा के लिए बीजेपी कई कार्यक्रम आयोजित करने के साथ ही 'स्नेह यात्रा' भी निकाल चुकी है। ऐसा इसलिए क्योंकि पसमांदा की एक शिकायत रही है कि अशराफ लोग सत्ता में रहते हैं। पसमांदा की इस शिकायत को दूर कर बीजेपी इस समुदाय के कुछ लोगों को अपनी ओर खींच सकती है। उन्होंने कहा, 'बीजेपी औपचारिक तौर पर 'स्नेह यात्रा' निकालने के बजाय अगर ठोस राजनीतिक और आर्थिक कार्यक्रम लेकर पसमांदा के बीच जाएगी तो इसका फायदा मिल सकता है। अभी तक बीजेपी शिया और बरेलवी वोटों पर काम करती रही है, लेकिन सुन्नियों पर बीजेपी ने इस बार यह बड़ा प्रयोग किया है।'

दुबे का कहना है कि बीजेपी की राजनीति काफी फ्लेक्सिबल यानी लचीली रही है। एक वक्त था जब एनडीए बनाने के लिए बीजेपी ने अनुच्छेद 370 और राम मंदिर जैसे मुद्दे को साइड कर दिया था, लेकिन सत्ता में आते ही सबसे पहले यही काम किया। ऐसे में बीजेपी को अगर दिखाई देगा कि उसे पसमांदा का थोड़ा बहुत भी वोट मिल सकता है तो लोगों को बीजेपी का बदला रूप भी देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि बीजेपी मुख्यतौर पर 2 वजहों से पसमांदा मुस्लिमों को साध रही है..

1. अंतराष्ट्रीय स्तर पर इमेज चमकाने के लिए बीजेपी ऐसा कर रही है।
2. बीजेपी को जीतने के लिए नहीं बल्कि वोट शेयर बढ़ाकर सत्ता में मजबूती से आने के लिए पसमांदा मुस्लिमों को साधने की कोशिश है।

यूपी चुनाव में 8% पसमांदा मुस्लिमों ने बीजेपी को दिया वोट : सीएसडीएस

उत्तर प्रदेश के 45% मुस्लिम आबादी वाली रामपुर लोकसभा सीट पर उपचुनाव में बीजेपी को 42 हजार वोटों से जीत मिली थी। मुस्लिमों के गढ़ माने जाने वाले आजमगढ़ उप-चुनाव में भी 13 साल बाद बीजेपी कमल खिलाने में कामयाब रही है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने दावा किया था कि यूपी विधानसभा चुनाव में 8% पसमांदा का वोट बीजेपी को मिला है।

इसके अलावा सीएसडीएस लोकनीति सर्वे 2022 ने भी अपने रिपोर्ट में बताया है कि 8% पसमांदा मुस्लिमों ने यूपी विधानसभा में बीजेपी को वोट दिए। इसकी वजह से कई सीटों पर बीजेपी की जीत में पसमांदा ने अहम भूमिका निभाई है। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में 34 मुस्लिम विधायक जीतकर लखनऊ पहुंचे हैं, जिनमें से 30 विधायक पसमांदा हैं। उत्तर प्रदेश की कुल आबादी में पसमांदा मुस्लिम 18% हैं। ऐसे में साफ है कि 'स्नेह यात्रा' के जरिए बीजेपी न सिर्फ 80 लोकसभा वाले यूपी बल्कि बिहार, बंगाल, झारखंड जैसे राज्यों में भी राजनीति साधने की कोशिश कर रही है।

पसमांदा को साधकर विपक्षी दलों को कमजोर करना चाहती है बीजेपी

छोटे दलों की मदद से बीजेपी कैसे पसमांदा मुस्लिमों को साधना चाहती है, इस बात को बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम से समझा जा सकता है। 2010 में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बिहार में दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ बनी थी। नीतीश कुमार के सुशासन और माफिया को खत्म कर कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के चुनावी नारे उन कई कारणों में से एक थे, जिनकी वजह से उनकी जीत हुई। इतना ही नहीं नीतीश कुमार ने जातिगत समीकरणों को काफी शानदार तरीके से साधा था, जिसके चलते पसमांदा मुसलमानों ने आरजेडी और एलजेपी के बजाय एनडीए को वोट दिया था। सूत्रों की मानें तो 2024 लोकसभा चुनाव में एनडीए के सहयोगी पार्टियां अन्नाद्रमुक, अपना दल, निषाद पार्टी, जेजेपी, राष्ट्रीय लोजपा, बीपीएफ, एजीपी, आईपीएफटी आदि पसमांदा मुस्लिम समुदाय को जोड़ने के लिए अन्य छोटे सहयोगियों के माध्यम से अपने मास्टर प्लान को लागू करेंगे। यानी चुनाव में ये पार्टियां पसमांदा समुदाय के नेताओं को मुस्लिम बहुल सीटों पर उनके चुनाव चिह्न पर टिकट देंगी। भले ही ये पार्टी चुनाव न जीत सकें, लेकिन मुस्लिम वोटों को बांटने और विपक्षी दलों को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाएगी। 2019 लोकसभा चुनाव के बाद पसमांदा मुस्लिमों के भारतीय राजनीति में हिस्सेदारी को लेकर सवाल खड़े होने लगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1947 से लेकर 14वीं लोकसभा तक कुल 7,500 सांसद बने, जिनमें से 400 मुस्लिम थे। हैरानी की बात यह है कि इनमें से 340 सांसद अशरफ यानी उच्च मुस्लिम जाति के थे और सिर्फ 60 मुस्लिम सांसद पसमांदा समाज से रहे हैं।

पसमांदा को रिझाने के लिए BJP क्या कर रही है?

UP में उच्च जाति के कैबिनेट मंत्री मोहसिन रजा को हटाकर BJP ने पसमांदा के दानिश आजाद अंसारी को मंत्री बनाया।

अब देश के पसमांदा मुस्लिमों तक पहुंचने के लिए BJP 'स्नेह यात्रा' निकाल रही है।

मुफ्त राशन, शौचालय, LPG सिलेंडर, आवास आदि जैसी योजनाओं के जरिए पसमांदा तक पहुंचने की कोशिश।

हर राज्य में अल्पसंख्यक मोर्चा की टीम बनाकर उससे पसमांदा को जोड़ने के प्लान पर BJP काम कर रही है।

पसमांदा नेताओं की BJP सरकार से 3 मांगें..

'ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज' के संस्थापक अली अनवर अंसारी कहते हैं कि 'स्नेह यात्रा' तभी सफल हो सकती है जब BJP पसमांदा लोगों की 3 मांगें मानेगी...

पहली मांग: पसमांदा समुदाय को सरकार शेडयूल्ड कास्ट का दर्जा दे।

दूसरी मांग: पसमांदा समाज के लोगों के साथ सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर अन्याय बंद हो।

तीसरी मांग: राजनीतिक स्तर पर हर दलों में पसमांदा समाज के लोगों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाया जाए। ताकि इस समुदाय के ज्यादा लोग संसद और विधानसभा पहुंचें।

5 राज्यों में 190 लोकसभा सीट, यहीं सबसे ज्यादा पसमांदा'

ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज' के संस्थापक अली अनवर अंसारी का कहना है कि वैसे तो देश के 18 राज्यों में जहां भी मुस्लिम आबादी है, हर जगह पसमांदा हैं, लेकिन 5 राज्यों यूपी, बिहार, झारखंड, बंगाल और असम में इनकी संख्या ज्यादा है। इन 5 में से 3 राज्यों में अभी बीजेपी और उसके सहयोगी दलों की सरकार है, जबकि 2 राज्यों में से एक में टीएमसी और दूसरे में जेएमएम और कांग्रेस की सरकार है।

2011 जनगणना के मुताबिक इन 5 राज्यों में मुस्लिम आबादी की बात करें तो यूपी में 19.26%, बिहार में 16.87%, बंगाल में 27.01%, झारखंड में 14.53% और असम में 34.22% मुस्लिम हैं।

इनमें ज्यादातर संख्या पसमांदा मुस्लिमों की है। इन राज्यों में 190 से ज्यादा लोकसभा की सीटें हैं। इसलिए बीजेपी 2024 को ध्यान में रखते हुए यहां पसमांदा को साधने में लगी है। इसके अलावा दक्षिण भारत के तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी पसमांदा मुस्लिमों की अच्छी-खासी तादाद है।

सच्चर कमेटी ने भी दलित पसमांदा को एससी में शामिल करने का दिया था सुझाव

सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, 1936 में जब अंग्रेजों के सामने ये मामला गया तो एक इंपीरियल ऑर्डर के तहत सिख, बौद्ध, मुस्लिम और ईसाई दलितों को बतौर दलित मान्यता दी गई, लेकिन इन्हें हिंदू दलितों को मिलने वाले फायदे नहीं दिए गए। 1950 में आजाद भारत के संविधान में भी यही व्यवस्था रही। हालांकि 1956 में सिख दलितों और 1990 में नव-बौद्धों को दलितों में शामिल तो कर लिया गया पर मुस्लिम दलित जातियों को मंडल कमीशन की सिफारिशें लागू होने के बाद ओबीसी लिस्ट में ही जगह मिल पाई। इसलिए कमीशन की रिपोर्ट में दलित पसमांदा मुस्लिमों को एससी में शामिल करने का सुझाव दिया गया।

बीजेपी की कोशिशों का पसमांदा पर कोई असर दिख रहा है?

बीजेपी की कोशिशों का पसमांदा मुस्लिमों पर कितना असर पड़ रहा है, इसका जवाब 'पसमांदा मुस्लिम समाज संगठन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीस मंसूरी ने दिया है। अनीस का मानना है कि यूपी में बीएसपी और एसपी ने हमें सपने दिखाए, वोट लिया, मगर चुनाव के वक्त किए गए वादों को भूल गए। जबकि बीजेपी सरकार ने राशन, शौचालय, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना का जाति-धर्म देखे बिना सबको लाभ दिया, इसीलिए 2022 में हमारे लोगों ने बीजेपी को वोट दिया।

2 हिंदू, 1 सिख नेता के मर्डर के 3 करोड़

काबिलियत साबित करने के लिए हिंदू लड़के का गला काटा, वीडियो पाकिस्तान भेजा

नौशाद	जगजीत सिंह
उम्र 56 साल	उम्र 29 साल
■ आतंकी संगठन हरकत उल अंसार से जुड़ा	■ बंबीहा गैंग का मेंबर, मर्डर केस में सजा हुई
■ मर्डर केस में उम्रकैद मिल चुकी है	■ पैरोल पर छूटा और फरार हुआ
■ एक्सप्लोसिव केस में 10 साल की सजा	■ आतंकी अर्शदीप डल्ला का साथी

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बैठे आतंकियों ने पंजाब और दिल्ली के तीन नेताओं के मर्डर की साजिश रची। इनमें दो हिंदू और एक सिख नेता हैं। इसके लिए उन्होंने दिल्ली में स्लीपर सेल एक्टिव किया। जहांगीरपुरी के भलस्वा डेयरी इलाके में नौशाद और जगजीत ने इन हत्याओं की जिम्मेदारी ली। हालांकि, पाकिस्तानी आकाओं को शक था कि ये दोनों और इनके साथी कत्ल कर पाएंगे या नहीं।

नौशाद और जगजीत ने अपनी काबिलियत साबित करने के लिए एक हिंदू लड़के को पकड़ा और गला काटकर उसकी हत्या की। फिर लाश को चार टुकड़ों में काटकर पास के नाले में फेंक दिया। हत्या करते हुए वीडियो बनाया और सिग्नल ऐप के जरिए उसे पाकिस्तान भेजा। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इन दोनों आतंकियों को 12 जनवरी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में दोनों ने कई खुलासे किए हैं।

स्लीपर सेल मॉड्यूल में 8 लोग एक्टिव, 4 आतंकियों की तलाश जारी

नौशाद और जगजीत तक ड्रॉप-डेड मेथड के जरिए पाकिस्तान से हथियार भेजे गए थे। इस मेथड में सीक्रेट लोकेशन पर कोई चीज रख दी जाती है और दूसरा व्यक्ति उसे रिसीव करता है। नौशाद पाकिस्तान में मौजूद हैंडलर के संपर्क में था। पाकिस्तान से ही सिग्नल ऐप पर हथियारों की लोकेशन गूगल मैप के जरिए शेयर की गई।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, इस मॉड्यूल में 8 लोगों के शामिल होने का शक है। नौशाद और जगजीत पकड़े गए हैं। 2 हैंडलर हैं, जिनमें से एक पाकिस्तान में और एक कनाडा में है। 4 अभी भी भारत में बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है। इनमें से 2 आतंकियों का इस्तेमाल हथियारों का इंतजाम करने के लिए किया गया। बाकी 2 को हैंडलर की बताई लोकेशन तक हथियार पहुंचाने की जिम्मेदारी दी गई थी। खुद को काबिल साबित करने के लिए हिंदू युवक का मर्डर किया छानबीन में सामने आया है कि पाकिस्तानी आकाओं को नौशाद और जगजीत पर शक था। काबिलियत साबित करने के लिए इन दोनों ने दिसंबर 2022 में एक हिंदू युवक की हत्या की थी।

पुलिस के मुताबिक, इनके मोबाइल में 37 सेकेंड का एक वीडियो मिला है। इसमें एक शख्स का गला काटकर हत्या करते दो लोग नजर आ रहे हैं। ये वीडियो नौशाद और जगजीत ने हैंडलर्स को भेजा है। इसके बाद इन्हें पाकिस्तान से हवाला के जरिए पैसे भी भेजे गए थे।

पकड़े गए दोनों आतंकियों के खिलाफ पहले से केस दर्ज

गिरफ्तार किए गए नौशाद और जगजीत पर हत्या समेत कई केस दर्ज हैं। 4 दिन की पूछताछ में दोनों ने बताया है कि तीन नेताओं को मारने के बदले उन्हें कुल 3 करोड़ रुपए मिलने थे। पहली हत्या पर 50 लाख, दूसरी पर 1 करोड़ और तीसरी पर 1.5 करोड़ रुपए मिलने वाले थे।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली-पंजाब में जिन नेताओं को टारगेट किया जाना था वो बजरंग दल, शिवसेना और कांग्रेस से जुड़े हैं। ये कांग्रेस नेता खालिस्तान के खिलाफ काफी मुखर रहते हैं। दोनों आतंकी पंजाब में उनकी रेकी भी कर चुके थे। सुरक्षा कारणों से उन्हें बताया नहीं जा रहा है। इन आतंकियों का मकसद पंजाब में राजनीतिक हत्याएं करके सरकार अस्थिर करना था।

पूछताछ में ये जानकारी सामने आने के बाद पुलिस ने छानबीन की। शनिवार, 14 जनवरी को भलस्वा डेयरी इलाके के एक नाले से कथित तौर पर इस युवक की लाश के कई टुकड़े मिले थे। मारे गए युवक की पहचान हो गई है, लेकिन पुलिस ने जाहिर नहीं किया है। बताया गया है कि युवक इलाके में ही कूड़ा बीनने का काम करता था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया-'अभी शव के कुछ हिस्से नहीं मिले हैं। हाथ पर त्रिशूल के निशान के आधार पर मरने वाले की पहचान की गई है। डीएनए और फोरेंसिक रिपोर्ट आनी बाकी हैं। आतंकियों के कमरे से खून के निशान मिले हैं, इसे नाले से मिले शव के डीएनए से मैच कराया जा रहा है।' पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आतंकवादियों ने युवक को सिर्फ हिंदू होने की वजह से ही हत्या के लिए चुना था। हत्या के पीछे कोई और वजह थी या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। अब तक छानबीन में यही सामने आया है कि पाकिस्तान वीडियो भेजने के लिए उसे मारा गया।

हवाला से 6 लाख मिले, जग्गा का कनेक्शन खालिस्तान से

दिल्ली पुलिस ने कहा है कि आतंकवादियों के निशाने पर 'राइट विंग लीडर्स' थे, सिर्फ कांग्रेस नेता को खालिस्तान विरोधी होने के चलते मारने का प्लान बनाया गया था। पुलिस ने हवाला के जरिए इन आतंकवादियों को मिले फंड को भी ट्रेस किया है। अब तक इन्हें 6 लाख रुपए अलग-अलग हवाला रूट से मिलने की पुष्टि हुई है। ये पैसा नौशाद के पास आया है। कुछ पैसा बिहार के रास्ते भी आया है।

पुलिस के मुताबिक, नौशाद और जगजीत अलग-अलग मामलों में हल्द्वानी जेल में बंद थे, यहीं इनकी जान-पहचान हुई। बाद में ये दोनों गैंगस्टर जगदीप बंबीहा ग्रुप के लोगों के संपर्क में आए। यहीं से जगजीत सिंह की पहचान खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप डल्ला से हुई थी। अर्शदीप खालिस्तान टाइगर फोर्स से जुड़ा है। जग्गा पैरोल पर बाहर आया और फरार हो गया था।

छह लोगों ने किया नाबालिग से दुष्कर्म

तबीयत बिगड़ी तो डॉक्टरों ने दी पुलिस को सूचना

दुमका, 18 जनवरी (एजेंसियां)। 14 साल की नाबालिग युवती से छह लोगों ने बलात्कार किया। दो दिनों तक गांव में ही यह मामला दबा रहा किसी ने इस मामले में शिकायत नहीं की। युवती की हालत जब खराब होने लगी तो उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसके बाद यह मामला सामने आया।

अत्यधिक रक्तस्त्राव से बिगड़ी हालत

अत्यधिक रक्तस्त्राव के कारण नाबालिग युवती की हालत खराब होने लगी। परिवार वालो ने उसे फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। नाबालिग युवती से बयान लेने पहुंचे, युवती की हालत गंभीर है अभी वह पुलिस को बयान देने की स्थिति में नहीं है। रामगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपी जरनेल किस्कू और सनातन किस्कू को गिरफ्तार किया।

22 जनवरी को नक्सलियों का झारखंड बंद

कृष्णा हांसदा की गिरफ्तारी से बौखलाए नक्सली, सुरक्षा बल अलर्ट

रांची, 18 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में नक्सलियों ने 22 जनवरी को बंद का ऐलान किया है। झारखंड बंद का आह्वान भाकपा माओवादी के रीजनल कमिटी मेंबर कृष्णा हांसदा की गिरफ्तारी के विरोध में बुलाया गया है। भाकपा माओवादी झारखंड रीजनल कमिटी के प्रवक्ता आजाद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह ऐलान किया है।

कृष्णा हांसदा पर 15 लाख रुपये का इनाम

13 जनवरी को भाकपा माओवादी के रीजनल कमिटी मेंबर कृष्णा हांसदा को पुलिस ने गिरिडीह जिला के डुमरी थानाक्षेत्र से गिरफ्तार किया था। कृष्णा हांसदा पर 15 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस लंबे समय से इसकी तलाश कर रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सर्च अभियान चलाया था। पुलिस ने कृष्णा हांसदा के पास से 2 लाख रुपये नकद बरामद भी किया था। सूत्रों की मानें तो यह पैसे लेवी से प्राप्त हुए थे और कृष्णा को इस पैसे को आगे भेजना था। नक्सली कृष्णा हांसदा झारखंड-बिहार के सीमावर्ती इलाकों में काफी सक्रिय था।

22 जनवरी को 24 घंटे का झारखंड बंद का ऐलान

भाकपा माओवादी ने कृष्णा हांसदा और रेणुका मुर्मू की गिरफ्तारी के विरोध में 22 जनवरी को 24 घंटे का झारखंड बंद का ऐलान किया है। बंद के दौरान जरूरी सेवा जिसमें एंबुलेंस, दूध, पानी, न्यूजपेपर, मेडिकल और अस्पताल की सेवाओं का मुक्त रखा गया है। इस बंद के ऐलान के बाद सुरक्षा बल अलर्ट है। इस गिरफ्तारी से नक्सलियों की कमर टूट गयी है।

कुख्यात नक्सली मिहिर बेसरा की तलाश में सुरक्षा बल

झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान तेज है। पिछले साल ऑपरेशन ऑक्टोपस के तहत झारखंड-छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित बूढ़ा पहाड़ को नक्सलियों से मुक्त करा लिया गया, अब सुरक्षा बल दूसरे इलाकों पर फोकस कर रहे हैं। भाकपा माओवादी संगठन के कुख्यात नक्सली मिहिर बेसरा की तलाश में पुलिस अभियान चला रही है। दूसरी तरफ यह दस्ता भी लगातार कमजोर हो रहा है। इसमें 3 महिला सहित 8 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया।

रायपुर डबल मर्डर केस में मिली बड़ी कामयाबी पुलिस ने पांच आरोपी किए गिरफ्तार

रायपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में पंडरी थाना इलाके में दो युवक की हत्या के मामले में बड़ी कामयाबी मिली है। राजधानी के दलदल सिवनी इलाके में बीती रात दो युवकों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने सूचना मिलते जांच शुरू कर दी थी। जांच में सामने आया कि हत्या पुरानी रंजिश को लेकर हुई थी।

पुलिस ने हत्या में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हत्या में शामिल एक आरोपी अभी अस्पताल में भर्ती है, जिसकी गिरफ्तारी होनी बाकी है। इसके साथ ही अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। बहरहाल

पंडरी थाना में सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में त्रिशाल दुबे उर्फ प्रिंस दुबे पुत्र प्रफुल्ल दुबे, दीपक साहू पुत्र टीकाराम साहू, धनेन्द्र साहू पुत्र रामजी साहू, पारसमणी साहू उर्फ बोडा पुत्र कृष्ण साहू, नागेश उर्फ लक्की गोस्वामी पुत्र सुरेश गोस्वामी शामिल हैं। इसके अलावा आरोपी गोकुल नंदन साहू पुत्र भागवत राम घटना में घायल हो गया था, उसका उपचार अस्पताल में जारी है। आरोपी की हालत में सुधार होने पर गिरफ्तारी की जाएगी। झुरूराम निषाद ने थाना पंडरी में मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया कि दलदल सिवनी बिजली ऑफिस के सामने रात करीब 10:20 बजे कुछ लोगों ने उसके पुत्र गोकुल निषाद और जीतू को चाकू मारकर घायल कर दिया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल ने आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। टीम ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने पुरानी रंजिश में गोकुल निषाद और जीतू की हत्या करने की बात कबूली है। आरोपियों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है।

नड्डा की तरह पूनिया को भी मिलेगा एक्सटेंशन!

बने रह सकते हैं प्रदेशाध्यक्ष, राजस्थान में चुनावी साल में बीजेपी नहीं करेगी बदलाव

जयपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। नड्डा की तरह पूनिया को भी मिलेगा एक्सटेंशन!:बने रह सकते हैं प्रदेशाध्यक्ष, राजस्थान में चुनावी साल में बीजेपी नहीं करेगी बदलाव

राजस्थान में चुनावी साल को देखते हुए भाजपा संगठन में बदलाव की संभावना कम ही है। ऐसे सतीश पूनिया चुनावी साल तक राजस्थान भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष बने रह सकते हैं। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को एक साल पद पर बरकरार रखने का फैसला होने के बाद अब यह माना जा रहा है कि पूनिया को भी एक्सटेंशन मिल जाएगा। बैठक में संगठन के चुनाव एक साल के लिए टाल देने से इस संभावना को मजबूती मिली है।

पार्टी के जानकार नेताओं का कहना है कि राजस्थान में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। उधर चुनाव में ज्यादा से ज्यादा 10 महीने का समय रह गया है। अक्टूबर में आचार संहिता लग जाएगी। ऐसे में अब कम ही समय बचा है।

नया अध्यक्ष बनता है तो नई टीम बनेगी। चुनाव के समय में पार्टी यह जोखिम नहीं लेना चाहेगी। यह जरूर है कि जो प दा धि का री निष्क्रिय हैं, उनको बदल कर कुछ नए पदाधिकारी बनाए जा सकते हैं। ऐसे में राजस्थान में चुनाव को देखते हुए पूनिया को एक्सटेंशन देने की ज्यादा संभावना है।

पार्टी में चुनाव की प्रक्रिया जून 2024 में

पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने पिछले दिनों पूनिया के कार्यकाल को लेकर पूछे गए सवालों पर जयपुर में जवाब भी दिया था।

उन्होंने कहा था कि जब तक पार्टी में चुनाव घोषित नहीं हो जाते, तब तक जो पदाधिकारी जहां है, वहां काम करेगा। भाजपा प्रभारी अरुण सिंह भी पूनिया के कार्यकाल को लेकर इसी तरह की संभावना पहले जता चुके हैं।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा का कार्यकाल बढ़ाया जाना पहले से ही तय था। इसीलिए उनका कार्यकाल पूरा होने से पहले पार्टी में चुनाव प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। अब नड्डा का कार्यकाल एक साल बढ़ ही गया है तो पार्टी में चुनाव की प्रक्रिया जून 2024 में शुरू होगी।

राजस्थान में भी पूनिया का कार्यकाल पूरा होने के बावजूद चुनाव प्रक्रिया अभी तक शुरू नहीं हुई थी। जबकि अध्यक्ष का कार्यकाल जैसे ही पूरा होने का समय आता है, संगठन में चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। ये बातें साफ इशारा करती हैं कि पूनिया को पार्टी एक साल और बिना चुनाव के प्रदेशाध्यक्ष पर बनाए रखेगी।

सतीश पूनिया को मदनलाल सैनी के निधन के बाद अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया था। बाद में वे पार्टी चुनाव में निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष बने थे।

सतीश पूनिया को मदनलाल सैनी के निधन के बाद अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया था। बाद में वे पार्टी चुनाव में निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष बने थे।

पूनिया को एक्सटेंशन देने की संभावना क्यों?

चुनावी साल में नया अध्यक्ष बनाने से पार्टी में गुटबाजी बढ़ने की संभावना रहेगी।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से ही पूनिया अध्यक्ष के लिए प्रस्तावित किए गए थे, संघ भी बदलाव नहीं चाहता।

जगह खाली होते ही कई दावेदार खड़े होंगे, ऐसे हालातों से पार्टी बचना चाहेगी।

अशोक परनामी के बाद पार्टी ने अध्यक्ष बदलना चाहा तो 72 दिन तक फैसला नहीं हो पाया था। बाद में बीच का रास्ता निकालकर मदनलाल सैनी को अध्यक्ष बनाया गया था। चुनावी साल में ऐसी स्थिति से पार्टी को नुकसान हो सकता है।

जातिगत दृष्टि से पूनिया किसान वर्ग से है, पार्टी इस वर्ग को साथ लेकर चलना चाहेगी।

पूनिया सक्रिय राजनेता हैं, जयपुर की आमेर सीट से विधायक भी हैं, उनका पार्टी में खुलकर विरोध भी नहीं है।

2019 में प्रदेशाध्यक्ष बने थे पूनिया

भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष मदनलाल सैनी के जून 2019 में निधन के बाद सतीश पूनिया को 14 सितंबर 2019 को राजस्थान भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया था। बाद में 27 दिसंबर 2019 को पूनिया को संगठन की चुनाव प्रक्रिया के तहत निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया। उनका तीन साल का कार्यकाल 27 दिसंबर को पूरा हो चुका है। पूनिया आमेर (जयपुर) विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं।

रात 12 बजे से पहले क्लब-बार बंद होंगे

गहलोत बोले- गली-गली में खुल गए, रेग्यूलेशन जरूरी; स्टेट बजट 8 फरवरी को

जयपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में बार-क्लब रात 12 बजे से पहले बंद करने होंगे। सीएम गहलोत ने देर रात तक खुले रहने वाले बार, क्लबों और रेस्टोरेंट पर चिंता जताई है। सरकार के दो दिन के चिंतन शिविर के आखिरी दिन मंगलवार को सीएम ने यह निर्णय लिया है। इसके अलावा जनता से जुड़े काम अटकाने और सरकारी योजनाओं का काम रोकने पर अब अफसरों की खैर नहीं। ऐसे अधिकारियों-कर्मचारियों को बर्खास्त किया जाएगा। गहलोत ने कहा- जानबूझकर पब्लिक स्कीम्स में अड़ंगा लगाने वाले अफसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। प्रशासन शहरों के संग अभियान में 10 लाख पट्टे देने का टारगेट था, हमने देखा कि कई जगह नगरपालिकाओं के ईओ सहयोग नहीं कर रहे। हमने तय किया है कि कोई जानबूझकर ऐसा कर रहा है तो ऐसे लोगों को सरकारी सेवा से बर्खास्त करना चाहिए।

रात 12 से पहले दुकान समेट लें ताकि लोग घर पर रह सकें : सीएम

चिंतन शिविर के दौरान सीएम ने देर रात तक खुलने वाले क्लब, बार, रेस्टोरेंट को 12 बजे से पहले हर हाल में बंद करवाने का फैसला किया है। गहलोत ने कहा कि गली-गली आज क्लब और बार खुल गए हैं। आगे हम सोचेंगे कि इन्हें कैसे रेगुलेट किया जाए, लेकिन अभी 11:30 से 12 बजे तक बंद करें। ये रात 12 बजे से पहले अपनी दुकान समेट लें ताकि लोग आराम से घर पर रह सकें। सीएम अशोक गहलोत 8 फरवरी को इस कार्यकाल का आखिरी बजट पेश करेंगे। गहलोत ने कहा— 23 फरवरी को सत्र शुरू हो रहा है। 8 फरवरी को राजस्थान सरकार का बजट पेश किया जाएगा। इस बार बजट युवाओं पर फोकस रहेगा।

सीएम अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार से राइट टू सोशल सिक्योरिटी लागू करने की मांग की है। गहलोत कैबिनेट ने राइट टू सोशल सिक्योरिटी लागू करने का प्रस्ताव पास किया है। इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। गहलोत ने कहा कि सोशल सिक्योरिटी एक्ट लागू करना अब समय की मांग है। जिस तरह विकसित देशों में हर सप्ताह बुजुर्गों, जरूरतमंदों को पैसा दिया जाता है उसी तरह अब केंद्र सरकार को पूरे देश में सोशल सिक्योरिटी एक्ट लागू करना चाहिए।

चिंतन शिविर में यूडीएच और स्वायत शासन विभाग के कामकाज पर कई मंत्रियों ने सवाल उठाए। मंत्रियों ने शहरों में पट्टे बांटने में अफसरों के अड़ंगे लगाने और बेवजह परेशानी पैदा करने का मुद्दा उठाया। मंत्रियों की राय थी कि सरकार की बड़ी योजनाओं र अफसरों को संवेदनशील और जिम्मेदार बनाना होगा। प्रशासन शहरों के संग अभियान में कई जगह पट्टे देने में अफसरों के अड़चनें पैदा करने के मामले उठे।

यूथ कांग्रेस चुनाव के लिए कांग्रेस ने चुने 30 चेहरे

पायलट के करीबी अभिमन्यू पूनिया, खाचरियावास के भांजे दुष्यंत लड़ सकते हैं चुनाव

जयपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में यूथ कांग्रेस के चुनाव के लिए राष्ट्रीय कांग्रेस ने चुनाव लड़ने वाले नेताओं की सूची जारी कर दी है। कांग्रेस ने 30 युवा नेताओं की लिस्ट जारी की है, जो राजस्थान में यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव लड़ सकते हैं। इन्हीं 30 नाम में से कोई एक राजस्थान यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष बनेगा। यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के लिए फिलहाल किसी ने नॉमिनेशन नहीं भरा है। आज नॉमिनेशन की आखिरी तारीख है और रात 12 बजे तक ऑनलाइन नॉमिनेशन भरे जाएंगे। प्रदेशाध्यक्ष के लिए 30 नेताओं की कांग्रेस की लिस्ट जारी होने के बाद अब प्रत्याशी अपने नॉमिनेशन भरेंगे। इसके बाद 19 जनवरी तक ऑब्जेक्शन और फिर 21 जनवरी तक छंटनी के बाद 22 जनवरी को चुनाव लड़ने वाले नेताओं की अंतिम लिस्ट जारी हो जाएगी। कांग्रेस ने जिन 30 लोगों की लिस्ट जारी की है, ये वो नेता हैं जिन्हें कांग्रेस ने हाई परफॉर्मर, कांग्रेस के प्रति समर्पित और जो पार्टी में पूर्व में प्रमुख पदों पर रहे हैं।

कांग्रेस की लिस्ट में कई मजबूत नाम हैं। इनमें कई ऐसे भी हैं, जिनके मजबूत पॉलिटिकल कनेक्शन हैं। इसके अलावा यूथ कांग्रेस के इन चुनावों में कांग्रेस में चल रही खींचतान का असर भी देखने को मिलेगा। इन नामों में सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट दोनों खेमों से कई महत्वपूर्ण दावेदार हैं। माना जा रहा है कि दोनों खेमों से नेता अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

जातिगत गणित भी करेगा काम

इन चुनावों में कांग्रेस के लिए जातिगत गणित भी काम करेगा। क्योंकि सभी प्रमुख जातियों से मजबूत दावेदार इस बार हैं। ऐसे में चुनाव और उसके बाद कौन अध्यक्ष बनता है इसे लेकर कांग्रेस को सोशल इंजीनियरिंग भी करनी पड़ेगी। प्रमुख रूप से देखा जाए तो इन नेताओं में जाट, ब्राह्मण, अल्पसंख्यक, राजपूत, विश्नोई, मीणा और दलित समाज से मजबूत दावेदार हैं। प्रमुख दावेदारों पर नजर डालें तो विश्नोई समाज से अभिमन्यू पूनिया हैं, जो एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं और सचिन पायलट खेमे से हैं। वे मुकेश भाकर के सबसे करीबियों में से हैं। इसी तरह राजपूत उम्मीदवार के रूप में दुष्यंत चुंडावत हैं। वे मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के भांजे हैं। वहीं जाट उम्मीदवार के रूप में सतवीर चौधरी, यशवीर शूरा और अशोक कुल्हाड़िया हैं। सतवीर राज्य क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष हैं और आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ के करीबी हैं।

इसी तरह माहिन खान मैकश और अरबाब खान माइनॉरिटी से मजबूत उम्मीदवार हैं। फिलहाल वे यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव हैं। माहिन गहलोत खेमे से हैं और यूथ कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के करीबी हैं। इसी तरह ब्राह्मण समाज से दीनबंधु शर्मा और मीणा समाज से राकेश मीणा और जगमोहन मीणा मजबूत है। राकेश मीणा भी पायलट खेमे से हैं। वहीं अगर महिला खेमे की बात करें तो पूजा वर्मा, रेखा कलासुआ और कांता ग्वाला मजबूत दावेदार हैं। पूजा वर्मा मजबूत दलित चेहरा हैं। वे राजस्थान यूनिवर्सिटी की छात्रसंघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। वहीं रेखा कलासुआ डूंगरपुर से जिला परिषद सदस्य हैं। इसी तरह कांता ग्वाला मजबूत महिला जाट चेहरा हैं। वे जोधपुर से हैं और जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी की छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुकी हैं।

इस चुनाव के लिए राजस्थान में दोनों खेमों की ओर से अपना जोर लगाया जाएगा। सियासी उठापटक और गुटबाजी के बीच इन चुनावों से पायलट अपना दमखम दिखाना चाहेंगे। युवाओं में पायलट की पकड़ मजबूत मानी जाती है। दूसरा खेमा भी अपनी पकड़ और लोकप्रियता के बूते यूथ कांग्रेस चुनाव में मजबूती से उतरना चाहेगा।

हर गृहिणी को 2000 रुपए मासिक मदद की तैयारी

कर्नाटक में प्रियंका गांधी का चुनावी वादा, अब राजस्थान में सीएम गहलोत से बात करेंगे रंधावा

जयपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सरकार राजस्थान में 10 महीने बाद होने वाले चुनावों में अपनी स्थित मजबूत करने के लिए प्रत्येक गृहिणी को 2000 रुपए मासिक का गृह लक्ष्मी उपहार दे सकती है। कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनाव जीतने के लिए यह एक ऐसा ट्रम्प कार्ड निकाला है, जिससे वो घर-घर अपना संदेश पहुंचा सकेगी। इस संबंध में 20 जनवरी को कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा सीएम अशोक गहलोत से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा करेंगे।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने मंगलवार को कर्नाटक में वादा किया है कि चुनाव में जीतने के तुरंत बाद प्रदेश की प्रत्येक गृहिणी को 2000 रुपए मासिक की आर्थिक मदद दी जाएगी। अब राजस्थान में भी कांग्रेस की सरकार यह स्कीम लागू कर सकती है।

चुनावी राजनीति में आम परिवारों को आकर्षित करने के लिए यह ट्रम्प कार्ड राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के थिंक टैंक ने सुझाया है, जिसे कनार्टक चुनावों के लिए कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने जारी भी कर दिया है। वहां कन्नड़ भाषा में इसका नाम ना नायिका (गृह लक्ष्मी) दिया गया है। प्रियंका की इस पहल को राहुल गांधी ने भी सराहा है। प्रियंका ने वादा किया है कि कांग्रेस सरकार बनने पर कर्नाटक में इस वादे को लागू किया जाएगा। हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने हाथों-हाथ इस फैसले को लागू करने के लिए मंगलवार को एक कमेटी भी बना दी है।

सूत्रों का कहना है कि जिस तरह से सीएम गहलोत लगातार सामाजिक सुरक्षा और आम परिवारों की आर्थिक मदद करने पर जोर दे रहे हैं। वे इस स्कीम को राजस्थान में भी लागू करेंगे। हाल ही उन्होंने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल के कहने पर तुरंत ही रसोई गैस के सिलेंडर के दाम 500 रुपए प्रति सिलेंडर करने और बजट में आम परिवारों को एक किचन किट देने की घोषणा की थी। ऐसे में वे गृहलक्ष्मी योजना को भी आगामी बजट में स्थान दे सकते हैं।

कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बताया कि राहुल गांधी या प्रियंका गांधी की कोई भावना होती है या नया आइडिया आता है तो वो कांग्रेस के थिंक टैंक के विस्तृत विचार के बाद ही आता है। गृहलक्ष्मी योजना के तहत आम-साधारण परिवारों को मदद करने की भावना है। जिस तरह से देश में महंगाई की मार है, उसका सबसे ज्यादा प्रभाव गृहिणियों के बजट पर पड़ी है। पूरे देश में कांग्रेस चाहती है कि लोगों की मदद हो। राजस्थान से पहले कर्नाटक में चुनाव हैं। इस वर्ष के अंत में राजस्थान में चुनाव है, तो हमें इस आइडिया को भी देखना ही है। मैं इस विषय में सीएम गहलोत से 20 जनवरी को विस्तृत चर्चा करूंगा। सीएम गहलोत ने जो ओपीएस राजस्थान में लागू की आज वो देश के बहुत से राज्य अपना रहे हैं। आगे भी कांग्रेस का कोई अच्छा आइडिया होगा तो सभी जगह शेयर किया जाएगा।

रंधावा ने आगे बताया कि पंजाब में सत्ता में आने से पहले आप पार्टी ने इसी योजना के तहत एक हजार रुपए मासिक प्रत्येक वयस्क स्त्री (18 वर्ष से ज्यादा आयु की) को देने का वादा किया था, लेकिन वो पार्टी अपना वादा नहीं निभा रही। कांग्रेस जो वादा करती है, उसे सदा निभाती है।

ओपीएस की घोषणा भी सबसे पहले प्रियंका गांधी ने की थी

ओल्ड पेंशन स्कीम जो राजस्थान सरकार ने मार्च-2022 में लागू की थी, वो आज देश भर में चर्चा का विषय बन गई है। यह योजना कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र (2018) में शामिल नहीं थी। इसे सबसे पहले उत्तरप्रदेश के विधानसभा चुनावों (फरवरी-2022) में प्रियंका गांधी ने लागू करने का वादा किया था। तब वहां समाजवादी पार्टी ने भी इसे लागू करने का वादा किया था। हालांकि वहां कांग्रेस सत्ता में नहीं आई, लेकिन उसके बाद इसे सीएम गहलोत ने मार्च-2022 में राजस्थान में लागू किया।

12 साल की नाबालिग से गैंगरेप, लावारिस हालत में मिली

रोडवेज कंडक्टर समेत 7 आरोपी 5 दिन तक साथ लेकर घूमते रहे

राजसमंद, 18 जनवरी (एजेंसियां)।प्रदेश में बच्चियों के साथ दरिंदगी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला उदयपुर और राजसमंद का है। यहां 12 साल की मासूम से 7 आरोपी 5 दिन तक गैंगरेप करते रहे। बच्ची उदयपुर में 10 जनवरी को लावारिस हालात में मिली।

पुलिस ने जब पूछताछ की तो हैरान कर देने वाला खुलासा हुआ। इधर, पुलिस ने मंगलवार देर शाम 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। आरोपियों में एक रोडवेज बस का कंडक्टर और ऑटो ड्राइवर भी है।

5 जनवरी को नाबालिग के पिता ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी

राजसमंद एएसपी शिव लाल बैरवा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने केलवाड़ा थाने में 5 जनवरी को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उन्होंने बताया कि 4 जनवरी को उसकी 12 साल की बेटी घर से निकली थी। इसके बाद वो शाम तक घर नहीं लौटी तो वह थाने पहुंचे। इधर, पुलिस ने तलाश शुरू की तो 10 जनवरी को बच्ची उदयपुर में लावारिस हालात में मिली। जब बयान लिए तो बच्ची ने बताया कि उसके साथ गैंगरेप हुआ है।

पीड़िता ने बताया कि 4 जनवरी को वह अपने एक परिचित से मिलने के लिए उदयपुर पहुंची थी। यहां एक ऑटो ड्राइवर उसे बहला-फुसलाकर धर्मशाला ले गया, जहां उसके साथ रेप किया। 2 दिन तक अलग-अलग व्यक्ति उसके साथ रेप करते रहे।

श्रीकरणपुर बॉर्डर एरिया में पाकिस्तान से आया ड्रोन

बीएसएफ जवानों की फायरिंग के बाद लौटा, सर्च ऑपरेशन में नहीं मिली हेरोइन

श्रीगंगानगर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर के श्रीकरणपुर बॉर्डर एरिया में मंगलवार आधी रात को पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया। दो ड्रोन देखकर बीएसएफ के जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद ड्रोन वापस पाकिस्तानी सीमा में लौट गया। संभावना थी कि, ड्रोन के जरिए हेरोइन को फेंका गया है लेकिन सर्च ऑपरेशन में कुछ नहीं मिला।

बीएसएफ के अधिकारिक सूत्रों के अनुसार मंगलवार देर रात करीब 12 बजे बीएसएफ जवानों को श्रीकरणपुर बॉर्डर एरिया के गांव 11 एफए-12 एफए के बीच के इलाके में ड्रोन नजर आया। ड्रोन की एक्टिविटी लगातार दो बार हुई। ड्रोन देखते ही बीएसएफ जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी थी, जिसके बाद ड्रोन वापस पाकिस्तानी सीमा में लौट गया।

देर रात सर्च ऑपरेशन चलाया

ड्रोन के वापस लौटने पर बीएसएफ ने देर रात ही सर्च ऑपरेशन चलाया था। पिछले कुछ दिन में पाकिस्तान से लगातार श्रीगंगानगर के बॉर्डर एरिया के गांवों में ड्रोन के जरिए खेतों में हेरोइन के पैकेट फेंके जाते हैं। हालांकि बुधवार दोपहर तक हेरोइन के पैकेट या इन्हें लाने आया कोई तस्कर बीएसएफ की पकड़ में नहीं आया है।

डंपर से भिड़ी स्कूल बस, बच्चे रोते-पुकारते रहे

25 के सिर फूटे, फ्रैक्चर; छुट्टियां हैं, जबरन स्कूल बुला रहा संचालक

नदबई, 18 जनवरी (एजेंसियां)। ग्रामीणों ने बताया कि इस पॉइंट पर पहले भी कई हादसे हुए हैं। बच्चों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला गया है। कड़ाके की ठंड में छुट्टियां होने के बाद स्कूल जा रहे बच्चों से भरी बस हादसे का शिकार हो गई। डंपर से भिड़ने के बाद बस पेड़ से जा टकराई। एक्सीडेंट इतना भीषण था कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह खत्म हो गया। वहीं, 25 बच्चे बुरी तरह घायल हो गए।

सीटों के बीच फंसे बच्चे काफी देर तक चीखते-पुकारते रहे। बताया जा रहा है कि हादसे में 10 से ज्यादा बच्चों के फ्रैक्चर हुआ है और सिर पर गंभीर चोटे आई हैं। वहीं, बच्चों को जबरन स्कूल बुलाने वाले संचालक के खिलाफ प्रशासन अब कार्रवाई की

बात कर रहा है। मामला, भरतपुर के नदबई नगर सड़क मार्ग पर बुधवार सुबह 8:30 बजे का है। एक्सीडेंट की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चों को नदबई हॉस्पिटल पहुंचा। एक साथ इतने घायलों के पहुंचने से हॉस्पिटल में अफरा-तफरा मच गई।

बेड की संख्या कम होने के कारण यहां एक बेड पर दो-तीन बच्चों का इलाज किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। 7 बच्चों को गंभीर हालत में भरतपुर रेफर किया गया है। थानाधिकारी रामअवतार मीणा ने बताया कि सुबह नदबई नगर सड़क मार्ग पर बाइपास चौराहे पर सनशाइन स्कूल की बस और डंपर में भिड़ंत हो गई। सनशाइन स्कूल की बस लालपुर, अग्निपुरा, ऊंच, करीली से बच्चों को लेकर नदबई की ओर आ रही थी। इसी दौरान नदबई नगर सड़क मार्ग पर बाइपास चौराहे पर खेडली की तरफ से डंपर आ रहा था। टक्कर के बाद बस सड़क किनारे पेड़ से टकराकर पलटने से बच गई। स्थानीय लोगों की सहायता से नदबई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया। बस में करीब 36 बच्चे सवार थे।

कोचिंग सेंटर के लिए नई गाइडलाइन जारी

फेल होने पर बताने होंगे दूसरे करियर ऑप्शन, कोचिंग छोड़ी तो लौटानी होगी फीस

जयपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने प्रदेश में बढ़ते कोचिंग माफिया पर नकेल कसने के लिए सरकार ने गाइडलाइन जारी की है। जिसके तहत प्रदेशभर में जिला स्तर पर कोचिंग निगरानी समिति का गठन किया जाएगा। जिसमें पुलिस-प्रशासन के साथ अभिभावकों और डॉक्टर को भी शामिल किया जाएगा। वहीं स्टूडेंट्स की शिकायत के लिए ऑनलाइन पोर्टल बनाया जाएगा। जिसकी निगरानी मुख्यमंत्री स्तर पर की जाएगी।

शिक्षा विभाग की गाइडलाइन के अनुसार प्रतिस्पर्धा और शैक्षणिक दबाव के चलते स्टूडेंट्स काफी परेशान है। पिछले कुछ वक्त में काफी स्टूडेंट्स ने आत्महत्या भी कर ली है। इसलिए स्टूडेंट्स की समस्या को दूर करने के लिए को चिं ग गाइडलाइन तैयार की गई है। जिसमें स्टूडेंट्स की शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार के साथ उनकी मानसिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए काम किया गया है।

इसके लिए सरकार के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ अभिभावक और डॉक्टर्स की टीम भी लगातार कोचिंग संस्थानों की मॉनिटरिंग करेगी।

रेवंत रेड्डी ने सीएम केसीआर से पूछा सवाल

केसीआर ने बीआरएस पार्टी की ओर से गुजरात चुनाव क्यों नहीं लड़ा?

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने आज मुख्यमंत्री केसीआर पर निशाना साधा और मुख्यमंत्री से पूछा कि अगर उनमें इतना गुस्सा है और उन्हें हराने की प्रबल इच्छा है तो उन्होंने हाल के गुजरात विधानसभा चुनाव में चुनाव क्यों नहीं लड़ा? राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी? उन्होंने सीएम से यह भी पूछा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा नेता अखिलेश यादव को अपनी पार्टी का समर्थन क्यों नहीं दिया? मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, श्री रेड्डी ने सीएम से यह भी पूछा कि उन्होंने दिल्ली राज्य में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को समर्थन क्यों नहीं दिया?

रेवंत ने कहा कि भाकपा नेता डी. राजा, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बीआरएस पार्टी की जनसभा में हिस्सा लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश के किसानों के कल्याण के लिए सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण का श्रेय कांग्रेस पार्टी को जाता है और कहा कि उनकी पार्टी ने 245 टीएमसी क्षमता वाला नागार्जुन सागर बांध बनाया था। उन्होंने यह भी कहा कि देश के 1.45 लाख गांवों को बिजली और देश के एक लाख गांवों को पेयजल सुविधा देने का श्रेय उनकी पार्टी को जाता है. रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने स्थानीय निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत और देश के बीसी को 30 प्रतिशत आरक्षण देने के अलावा देश के गरीब लोगों को शिक्षा प्रदान की है.

उन्होंने याद दिलाया कि उनकी पार्टी ने विजाग स्टील प्लांट का निर्माण किया था और एलआईसी और एयर इंडिया की स्थापना की थी। उन्होंने केसीआर से पूछा कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा बेचे जा रहे सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों के बारे में बताएं? उन्होंने केसीआर को चुनौती दी कि क्या वह कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना पर एक तथ्यान्वेषी समिति गठित करने के लिए तैयार हैं? सीएम केसीआर के दावों का जिक्र करते हुए कि वह राज्य के सभी गांवों में मिशन भगीरथ पानी उपलब्ध करा रहे हैं, उन्होंने दावा किया कि सीएम केसीआर के विधानसभा क्षेत्र गजवेल के कई गांवों में पीने के पानी की सुविधा नहीं है।

आगे बोलते हुए, रेवंत ने सीएम के खिलाफ सनसनीखेज आरोप लगाया कि केसीआर ने अपनी पार्टी को हराने के लिए कर्नाटक के एक महत्वपूर्ण नेता को 500 करोड़ रुपये की पेशकश की, यह पता लगाने के बाद कि कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा में अपने दम पर 130 विधानसभा सीटें जीतने जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केसीआर ने 30 विधानसभा सीटों पर उनकी पार्टी को हराने के लिए कर्नाटक के नेता के साथ चर्चा की। उन्होंने सीएम से पूछा कि अगर कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी जीती तो उन्हें क्या समस्या है? उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी अपने वास्तविक चरित्र के बारे में जानने के बाद खम्मम में केसीआर की जनसभा में शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि समय केसीआर को करारा सबक सिखाएगा।

न्यूजीलैंड से 4 साल बाद जीता भारत

पहले वनडे में 12 रन से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुभमन गिल की डबल सेंचुरी के दम पर टीम इंडिया ने 3 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड को 12 रन से हरा दिया। न्यूजीलैंड की ओर से माइकल ब्रेसवेल ने 78 गेंद पर 140 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली, लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। इस जीत से मेजबान सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है।

हैदराबाद में बुधवार को भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 349 रन बनाए। टीम की ओर से गिल ने अपने वनडे करियर की बेस्ट पारी खेली। वे 149 गेंदों में 208 रन बनाकर आउट हुई।

गिल ने हार्दिक पंड्या (28 रन), सूर्यकुमार यादव (31 रन) और रोहित शर्मा के साथ अर्धशतकीय साझेदारियां कीं। गिल ने पंड्या के साथ 5वें विकेट के लिए 74, सूर्या के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन और रोहित के साथ पहले विकेट के लिए 60 रन जोड़े।

जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 49.2 विकेट पर 337 रन ही बना सकी। माइकल ब्रेसवेल ने वनडे करियर का दूसरा शतक जमाया। जबकि मिचेल सेंटनर (57 रन) ने तीसरी फिफ्टी जमाई। इन दोनों के बीच 162 रन की साझेदारी हुई। एक समय न्यूजीलैंड ने 131 पर 6 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे लग रहा था टीम इंडिया बड़े अंतर से जीतेगी, लेकिन ब्रेसवेल-सेंटनर ने %वें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर न्यूजीलैंड को मैच में ला दिया। फिर स्लग ओवर में मोहम्मद सिराज ने 46वें ओवर में 2 विकेट झटककर भारत को आगे कर दिया। रोमांच यहीं खत्म नहीं हुआ। आखिरी ओवर में कीवियों को 20 रन की जरूरत थी। जबकि भारत को एक विकेट चाहिए था। ऐसे में 49वें ओवर की दूसरी बॉल पर शार्दुल ठाकुर ने माइकल ब्रेसवेल को LBW कर भारत को जीत दिला दी।

जीडिमेटला श्री आईमाता मंदिर में माही बीज महोत्सव 23 को

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज बन्धुओं के सान्निध्य में दो दिवसीय माघ सुदी बीज महोत्सव के तहत रविवार 22 जनवरी को रात्रि भजन संध्या व सोमवार 23 जनवरी को प्रात: वेला मे पुजा-अर्चनाकर आयोजन किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे अध्यक्ष मांगीलाल काग व सचिव नारायणलाल बर्फा ने संयुक्तरुप से बताया कि हर वर्ष की भांति माघ सुदी बीज महोत्सव का आयोजन श्री आईमाता मंदिर में किया जाएगा। रविवार 22 जनवरी को प्रात: वेला मे माई का श्रृंगार व मंदिर को फूलों से सजाकर विशेष पूजा-अर्चना एवं रात्रि 8.15 बजे माई की महाआरती व ज्योत प्रज्वलितकर जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें भगवानराम भाटोतरा एंड पार्टी माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेगे। सोमवार 23 जनवरी को प्रात: वेला में माई की पुजा-अर्चनाकर, समाज बन्धु परिवार की सुख-समृद्धि के लिए श्रीफल भेंटकर माई का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। अध्यक्ष मांगीलाल काग ने समाज बन्धुओं, पदाधिकारी व कार्यकारिणी मेम्बरों से निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम मे समयपर पधारकर श्री आईमाँ के दर्शन, भजनों व प्रसाद का सपरिवार लाभ लें।

अलमासगुडा श्री आईमाता मंदिर में माही बीज महोत्सव 23 को

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर मे सीरवी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं के सान्निध्य में दो दिवसीय माघ सुदी बीज महोत्सव के तहत रविवार 22 जनवरी को रात्रि भजन संध्या व सोमवार 23 जनवरी को प्रात: वेला मे पुजा-अर्चनाकर आयोजन किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति मे अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा व सचिव हीरालाल सैंणचा ने संयुक्तरुप से बताया कि हर वर्ष की भांति माघ सुदी बीज महोत्सव का आयोजन श्री आईमाता मंदिर मे किया जाएगा। रविवार 22 जनवरी को प्रात: वेला मे माई का श्रृंगार व मंदिर को फूलों से सजाकर विशेष पूजा-अर्चना एवं रात्रि 8.15 बजे से जागरण का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रवीणपूरी गौस्वामी सिवास एंड पार्टी माई के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेगे। सोमवार 23 जनवरी को माई की पुजा-अर्चनाकर मध्यान् 12.15 बजे से समाज के बालक-बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात् भोजन-प्रसादी के लाभार्थी परिवार द्वारा माई को भोग लगाकर पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था रहेगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम मे भाग लेने के लिए अपने नाम 22 जनवरी सायं 7 बजे तक सचिव हीरालाल सैंणचा के पास अपने नाम देवे। अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा ने समाज बन्धुओं से विशेष निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम मे अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर समयपर पधारकर श्री आईमाँ के दर्शन, भजनों व महाप्रसादी का सपरिवार लाभ लें।

बिहार सहयोग समिति अध्यक्ष ने की उत्तर प्रदेश उपमुख्यमंत्री से मुलाकात

उप्र और बिहार के लोगों की कई समस्याओं के बारे में दी जानकारी

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने नगर पधारे उत्तर प्रदेश की उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से मुलाकात की। इस दौरान श्री यादव ने उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों को आवागमन के लिए बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कई वर्षों से यूपी और बिहार के लोग नई ट्रेन चलाने की मांग कर रहे हैं। वाराणसी अयोध्या और बिहार में कई धार्मिक स्थलों का विकास होने के बाद आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक के लोग भी अधिक संख्या में वहां जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नई ट्रेन चलाने के लिए रेल मंत्री तथा दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक समेत कई लोगों को पत्र दिया जा चुका है और मांग भी की जा चुकी है। कई अवसरों पर विशेष ट्रेन का भी संचालन नहीं किया जा रहा है जिससे लोगों को मजबूरी में बस से यहां से बिहार और यूपी का सफर तय करना पड़ रहा है। कई बार दुर्घटनाएं भी हो गई हैं और कुछ लोगों की जान भी जा चुकी है। इसी क्रम में समाजसेवी श्याम मोहन यादव ने उपमुख्यमंत्री को बताया कि उत्तर प्रदेश के लोगों को बनारस जाने के लिए बहुत ही मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बनारस और अयोध्या के लिए खास तौर पर हैदराबाद से ट्रेन का संचालन किया जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार को तेलंगाना में रहने वाले उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए एक शिकायत सहयोग सेल की स्थापना करनी चाहिए। यहां रोजी-रोटी के सिलसिले में आए लोगों को सेल की मदद से समस्याओं का समाधान पाने में आसानी होगी। उप मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश और बिहार के अन्य लोगों से भी मुलाकात की और उनके समस्याओं को जाना और सहानुभूति पूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

सरकार को गौ आश्रय का रखरखाव करना चाहिए : जसराज श्रीश्रीमाल

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर स्थित एनजीओ प्राणी मित्र संघ ने आज मांग की कि राज्य सरकार तेलंगाना राज्य में गौशालाओं के रखरखाव की जिम्मेदारी ले। संगठन के अध्यक्ष जसराज श्रीश्रीमाल ने कहा कि उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को आदेश पारित कर गौशालाओं के रखरखाव के लिए धन स्वीकृत करने को कहा था। उच्च न्यायालय के अधिवक्ता जी एल नरसिम्हा राव के साथ यहां एनएसएस में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, जशराज श्री श्रीमल ने कहा कि कोविड महामारी के बाद गौशालाओं का रखरखाव उनके लिए एक बोझ बन गया था। उन्होंने कहा कि मौजूदा पशु कल्याण कानून राज्य सरकार को स्पष्ट करते हैं कि उन्हें गौशालाओं का रखरखाव करना चाहिए और कहा कि छत्तीसगढ़, हरियाणा और राजस्थान सरकारों ने सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च करके गौशालाओं के रखरखाव का जिम्मा उठाया है। जश राज श्री श्रीमाल ने कहा कि जहां कुछ दानदाताओं के सहयोग से गौशालाओं का रख-रखाव कर रहे थे, वहीं कुछ अन्य उन्हें बनाए रखने के लिए अपना पैसा खर्च कर रहे थे। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार गौशालाओं के रखरखाव के लिए तत्काल धनराशि जारी करे। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे राज्य में जहां 40,000 पंजीकृत गौशालाएं हैं, वहीं राज्य की राजधानी में 150 गौशालाएं हैं। उन्होंने कहा कि ज्यादातर गायें वे हैं जिन्हें वध के लिए ले जाते समय बचा लिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सख्त कानून होने के बावजूद राज्य में गोहत्या का सिलसिला बदस्तूर जारी है। गौशाला के प्रबंधक दीपक विजयवर्गी व पुरुषोत्तम गुप्ता ने भी भाग लिया।

नंदमुरी तारक राम राव की 27वीं पुण्यतिथि मनाई गई

सिरपुर कागज नगर, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर में स्थानीय एनटीआर चौक पर स्वर्गीय नंदमुरी तारक राम राव की 27वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज आदिलाबाद संसद अध्यक्ष गुल्लापल्ली आनंद ने स्वर्गीय एनटीआर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए कहा गया कि स्वर्गीय एक महान व्यक्ति थे, जिन्होंने तेलुगु लोगों के स्वाभिमान के लिए आनंद पार्टी की स्थापना की की और जो जमीनी जनता को समर्थन देने के इरादे से पार्टी की स्थापना करने के बाद 9 महीने के भीतर सत्ता में आ गए।

कार्यक्रम में संसदीय कार्यकारी सचिव पी. सुरेश कुमार, जिले के नेताओं तिरुपति गौड़, देवेंद्र, मधुकर, गुलाब राव, संतोष, पूर्व पार्षद गुल्लापल्ली लावण्या, सौभाग्यवती सहित कई अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

केबीआर पार्क में आयोजित गणेश पूजा कार्यक्रम में भाग लेते हुए राजेंद्र कुमार, अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, विजय कुमार, बाबूलाल केडिया, अपेक्षा अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, रामनिवास, विनोद, ओम प्रकाश, विजय, संध्या चोपड़ा व अन्य।

हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास पुस्तक का लोकार्पण

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मारिशस के हिंदी साहित्य के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामदेव धुरंधर द्वारा डॉ. शैलजा जायसवाल की पुस्तक 'हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास' का मारीशस में लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मारिशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन एवं प्रो ब्रह्मदत्त कार्ती आदि साहित्यकार भी उपस्थित थे। यह पुस्तक विद्वानों के लिए नहीं, विद्यार्थियों के लिए लिखी गई है। इसमें प्रतियोगिता परीक्षा एवं यूजीसी पाठ्यक्रम आदि पर संभावित प्रश्न पत्र का समावेश है। यह पुस्तक लेखिका के पिताजी का सपना था। डॉ. शैलजा जायसवाल को भाषा सहोदरी रत्न से भी सम्मानित किया गया।

आईआईटी हैदराबाद में कंप्यूटर पर हिन्दी टंकण कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(आईआईटी) हैदराबाद में कंप्यूटर पर हिन्दी टंकण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में श्रीमती मिताली अग्रवाल, जन संपर्क अधिकारी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यशाला का संचालन हिन्दी प्रकोष्ठ के नवीन श्रीवास्तव ने किया। कार्यशाला का विषय कंप्यूटर पर हिन्दी में टंकण " रखा गया। कार्यशाला में संस्थान के 20 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में अतिथि वक्ता ने कंप्यूटर पर हिन्दी में आसानी से टंकण एवं अनुवाद कैसे कर सकते हैं, इस विषय पर प्रतिभागियों को अवगत कराया और सरल ढंग से कंप्यूटर पर कार्य करने हेतु प्रतिभागियों को प्रेरित भी किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों द्वारा अपने विचार रखते हुए इसे अत्यंत लाभकारी बताया गया। हिन्दी प्रकोष्ठ के संकाय प्रभारी डॉ. अनुपम गुप्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

जेपी नड्डा को पुन: राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाये जाने पर पार्षद ने मिठाई बांटी

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान सौंपे जाने पर जहां पूरे देश में खुशी का माहौल है, वहीं नगर के जामबाग मंडल के पार्षद ने इसी खुशी में अपने मंडल के कई क्षेत्रों में मिठाईयां बंटी। उन्होंने कहा कि देश भाजपा के नेतृत्व में आगे बढ रहा है तथा पूरे देश में भाजपा का जनाधार बढने के पीछे पीएम नरेंद्र मोदी व जेपी नड्डा की रणनीति कारगर साबित हुई है। इस अवसर पर जामबाग मंडल पार्षद कार्यालय, गौलीगुड़ा में उत्साहपूर्वक मिठाई बांटी गई। कार्यक्रम में भाजपा नेता मयूर कालेकर, अनिल यादव, रामकृष्ण, रघु कांबले, प्रवीण बाबू, रेणुका, काजल, कल्पना, जगपति नायक, संदीप जैन, हरिनाथ, अनिल यादव, सुरेश, रमाकांत व्यास, साईं राम आदि ने भाग लिया।

नादरगुल स्थित चांदौरा कुमावत परिवार द्वारा आयोजित ठाकुरजी के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए विश्नाराम सुथार। सम्मान समारोह कार्यक्रम में गुरुवर पुखराजजी महाराज व अतिथियों का सम्मानकर उपस्थित आयोजक पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश चांदौरा, अध्यक्ष जवानराम बोड़ावड़, रुपाराम लिम्बा, अमरचन्द अडाणीया, श्रवणकुमार मालीवाड़, चन्द्रप्रकाश मोटावत, भाकरराम लारणा, हंसाराम आगलेचा, हीरालाल सैंणचा, पी.सोलंकी, दीपक कुमावत, समाज बन्धु व अन्य।

प्राचार्य ने किया हैंडबॉल चैंपियनशिप के प्रतिभागियों का सम्मान

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय हैंडबॉल फेडरेशन से संबद्ध तेलंगाना हैंडबॉल एसोसिएशन एवं तेलंगाना ओलम्पिक एसोसिएशन एंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ तेलंगाना द्वारा आदिलाबाद में आयोजित 44वें जूनियर्स ब्वॉयज इंटर डिस्ट्रिक्ट हैंडबॉल चैंपियनशिप में द्वितीय स्थान पर रही टीम में हिंदी महाविद्यालय के खिलाड़ियों को आज प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उप प्राचार्य श्रीमती अश्वनी संपुरकर,डॉ. श्रीदेवी और क्रीड़ा विभाग अध्यक्ष लेफ्टिनेंट थापा भी उपस्थित थे।

दिलसुखनगर में प्रेमसभा का आयोजन

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दिलसुखनगर स्थित समाजसेवी शंकर सिंह राजपुरोहित दोरनडी ढाणी के निवास पर प्रेमसभा का आयोजन किया गया। सभा में गजेंद्र सिंह निंबोल, हरि सिंह, पारसमल राका, शम्भु सिंह, राम सिंह, तेज सिंह, जीवराज सिंह, राजू सिंह, हीर सिंह, गुलाब सिंह, सोहन सिंह, सुरेश चंद सनचेती, बाबू सिंह महिलावास, जगदीश प्रसाद वर्मा, अशोक बोहरा, गौतम चंद श्रीश्रीमल, पारस मल कोठारी, पप्पूलाल प्रजाप, धर्माराम ढाका, हरिराम प्रजापत, उतम सिंह, अशोक सिंह, मांगु सिंह, अमर सिंह, नरपत सिंह, लक्ष्मण सी सिंह, मदन सिंह, सावर सिंह, सुरेश, चैन सिंह, नैन सिंह, सुरेशमल बोहरा, जगदीश वर्मा, गौतम चंद श्रीश्रीमल, रतन लाल, तेजाराम प्रजापत व सभी समाज के साथी उपस्थित थे।

गिल दोहरा शतक जमाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

हैदराबाद, 18 जनवरी (एजेंसियां)। शुभमन गिल की डबल सेंचुरी के दम पर भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को 350 रनों का टारगेट दिया है। टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 349 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 14 ओवर में दो विकेट पर 70 रन बना लिए हैं। हैनरी निकोलस और डेरिल मिचेल खेल रहे हैं।

फिन एलेन 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें शार्दुल ठाकुर ने शहबाज अहमद के हाथों कैच कराया। इससे पहले ड्वेन कॉन्वे (10 रन) आउट हुए। उन्हें मोहम्मद सिराज ने कुलदीप के हाथों कैच कराया।

भारत की ओर से गिल ने अपने वनडे करियर की बेस्ट पारी खेली। वे 50वें ओवर में 149 गेंदों में 208 रन बनाकर आउट हुए। वे वनडे में दोहरा शतक जमाने वाले 5वें भारतीय खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा, ईशान किशन, वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर ऐसा कर चुके हैं। दुनिया भर के बल्लेबाजों की बात करें तो वनडे में 10वीं बार दोहरा शतक आया है। भारत के अलावा बाकी 3 शतक अलग-अलग देशों के खिलाड़ियों ने बनाए।

गिल दोहरा शतक जमाने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी भी बन गए हैं। उन्होंने 23 साल 132 दिन की उम्र में यह कारनामा किया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड ईशान किशन के नाम था।

गिल ने हार्दिक पंड्या (28 रन), सूर्यकुमार यादव (31 रन) और रोहित शर्मा के साथ अर्धशतकीय साझेदारियां कीं। गिल ने पंड्या के साथ 5वें विकेट के लिए 74, सूर्या के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन और रोहित के साथ पहले विकेट के लिए 60 रन जोड़े।

गिल के 1000 रन पूरे, विराट और धवन को पीछे छोड़ा

इस पारी के दौरान 106 रन बनाते ही वनडे क्रिकेट में शुभमन गिल ने 1000 हजार रन पूरे कर लिए। वे इस मुकाम तक सबसे तेजी से पहुंचने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। गिल ने 19 वनडे की 19 पारियों में 1000 वनडे रन पूरे किए हैं। पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली और शिखर धवन के नाम था। विराट ने 27 मैचों की 24 पारियों में और धवन ने 24 मैचों की 24 पारियों में यह रिकॉर्ड बनाया था।

ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

पहला: रोहित शर्मा टेकनर की बॉल पर मिचेल को कैच दे बैठे। दूसरा : 16वें ओवर की दूसरी बॉल पर सेंटनर ने कोहली को बोल्ड कर दिया। तीसरा : फर्ग्युसन ने ईशान किशन को टॉम लॉथम के हाथों कैच कराया। चौथा : सूर्यकुमार यादव को डेरिल मिचेल ने सेंटनर के हाथों आउट कराया। पांचवां : हार्दिक पंड्या डेरिल मिचेल की गेंद पर बोल्ड हो गए। छठा : वॉशिंगटन सुंदर को शिप्ले ने एलबीडब्ल्यू कर दिया। सातवां : शार्दुल ठाकुर रन आउट हुए। आठवां : हेनरी शिप्ले की बॉल पर ग्लेन फिलिप्स ने शुभमन गिल का कैच पकड़ा।

नहीं चले कोहली

कप्तान रोहित शर्मा के आउट होने के बाद विराट कोहली भारतीय पारी को ज्यादा आगे नहीं बढ़ा सके। वे महज 8 रन बनाकर आउट हुए। कोहली को सेंटनर ने बोल्ड कर दिया।

ओपनर्स ने फिर दिलाई मजबूत शुरुआत

भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। उन्होंने इस फैसले को सही भी साबित किया और ओपनर शुभमन गिल के साथ एक और फिफ्टी प्लस की पार्टनरशिप कर डाली। रोहित-गिल ने पहले विकेट के लिए 73 बॉल पर 60 रन जोड़े। रोहित शर्मा 38 बॉल पर 34 रन बनाकर आउट हुए।

3 बदलाव के साथ उतरी टीम इंडिया

टीम इंडिया तीन बदलाव के साथ उतरी है। हार्दिक पंड्या की वापसी हुई है। शार्दुल ठाकुर भी वापसी कर रहे हैं। सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन भी खेलेंगे।

घर में सीरीज नहीं हारी है टीम इंडिया

भारतीय जमीन पर न्यूजीलैंड टीम 5 साल से ज्यादा समय के बाद कोई वनडे मुकाबला खेलेगी। आखिरी मैच अक्टूबर 2017 में खेला गया था। तब हुई 3 मैचों की वनडे सीरीज भारत ने 2-1 से अपने नाम की थी। न्यूजीलैंड भारत में खेली 6 में से एक भी वनडे सीरीज नहीं जीत सका है।

विनेश-साक्षी का डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पर यौन उत्पीड़न का आरोप

फोगाट बोलीं- मारने की धमकी दी; बृजभूषण बोले- आरोप सही हों तो फांसी को तैयार

कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष के खिलाफ भारतीय पहलवानों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय रेसलर विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने बुधवार को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। विनेश फोगाट ने कहा, 'नेशनल कैम्प्स में वुमन रेसलर्स का प्रेसिडेंट बृजभूषण शरण सिंह और कोच यौन उत्पीड़न करते हैं। नेशनल कैम्प्स में पोस्टेड कुछ कोच तो वुमन रेसलर्स का सालों से यौन उत्पीड़न करते आ रहे हैं। कई महिला पहलवानों ने इसकी शिकायत भी की।'

बजरंग पूनिया ने कहा कि हमारा विरोध डब्ल्यूएफआई और जिस तरह वे पहलवानों के हितों को ध्यान में रखे बिना काम कर रहे हैं उसके खिलाफ है। इसका राजनीति से कुछ भी लेना-देना नहीं है। इधर, डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- विनेश फोगाट के आरोप बेबुनियाद हैं। उनके पास आरोपों का कोई सबूत नहीं है। कोई पीड़ित है तो सबूत के साथ मेरे सामने आए। आरोप सही हुए तो फांसी पर लटक जाउंगा।

विनेश का आरोप- मुझे जान से मारने की धमकी दी

विनेश ने कहा- टोक्यो ओलिंपिक में हार के बाद डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष ने मुझे 'खोटा सिक्का' कहा। मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। मैं हर दिन अपने जीवन को समाप्त करने के बारे में सोचती थी। अगर किसी पहलवान को कुछ होता है तो जिम्मेदारी डब्ल्यूएफआईI अध्यक्ष पर होगी।

विनेश यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने कहा- कोच महिलाओं को प्रताड़ित कर रहे हैं। हमारी स्थिति यह है कि अगर पानी भी बिना परमिशन के पी लिया तो फेडरेशन नाराज हो जाती है। हमें मारने की धमकी दी जा रही है। हमारे साथ कुछ भी होता है तो उसके लिए अध्यक्ष जिम्मेदार होंगे। हम लोग अपना करियर दांव पर लगाकर यहां धरने पर बैठे हैं।

ये पहलवान बैठे हैं धरने पर

बजरंग पूनिया, सोनीपत- विनेश फोगाट, भिवानी - साक्षी मलिक, रोहतक - सरिता मोर, सोनीपत - अमित धनखड़, रोहतक - सुजीत मान, झज्जर - सोमबीर राठी, सोनीपत- राहुल मान, दिल्ली - अंशु मलिक, जींद - सत्यव्रत कादयान, रोहतक - संगीता फोगाट - सोनम - जितेंद्र

हमारे निजी जीवन में दखलंदाजी

डब्ल्यूएफआई हमारे निजी जीवन में भी दखल देते हैं और हमें परेशान करते हैं। वे हमारा शोषण कर रहे हैं।

जब हम ओलिंपिक में गए थे तो हमारे पास फिजियो या कोच नहीं था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों ने कहा- जब से हमने आवाज उठाई है, हमें धमकाया जा रहा है। विनेश ने कहा कि फेडरेशन खिलाड़ियों पर जबरदस्ती बैन लगाती है जिससे खिलाड़ी खेल न सके।

10 साल से बात करने की कर रहीं हूं कोशिश

विनेश फोगट ने कहा- मैं लगभग 10 साल से फेडरेशन से बात करने और हमारे मुद्दों को समझाने की कोशिश कर रही हूं, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है।

डब्ल्यूएफआई में वे लोग, जिन्हें खेल के बारे में कुछ नहीं पता

ओलंपियन बजरंग पूनिया ने कहा- हम चाहते हैं कि फेडरेशन में बदलाव हो। भारतीय कुश्ती महासंघ पहलवानों को परेशान कर रहा है। जो लोग WFI का हिस्सा हैं, उन्हें इस खेल के बारे में कुछ नहीं पता है। पहलवानों ने लंबे समय तक सब चुपचाप सहा है, लेकिन अब हमने तय किया है कि प्रेसिडेंट के एकतरफा फैसलों को अब हम और नहीं सहेंगे।

भारत के सभी टॉप रेसलर्स ने फैसला किया है कि तब तक नेशनल और इंटरनेशनल मुकाबलों में भाग नहीं लेंगे जब तक कि हमारी मांगें पूरी नहीं की जाती हैं और हमारे साथ डब्ल्यूएफआई बेहतर व्यवहार नहीं करता है। हम प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्रालय से मदद की गुहार लगा रहे हैं।

ये खिलाड़ी नेशनल फेडरेशन के मनमाने रवैये का विरोध कर रहे हैं। रेसलर्स का कहना है कि फेडरेशन उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश कर रहा है। देश के लिए मेडल जीतने के बावजूद उन्हें वो सम्मान नहीं मिल रहा है, जिसके वो हकदार हैं। पहलवानों का कहना है कि जब वे देश के लिए मेडल जीतते हैं तो सब उनकी वाहवाही करते हैं, लेकिन इसके बाद कोई यह नहीं देखता कि हमारे साथ क्या होता है।

क्या है पूरा मामला ?

विशाखापट्टनम में सीनियर रेसलिंग चैंपियनशिप में फेडरेशन ने नए रेफरी बुला लिए थे। नए रेफरियों को नियमों की जानकारी नहीं थी। उन्होंने गलत निर्णय दिए। इससे प्लेयर्स में बड़ा असंतोष रहा और लड़ाईयां भी हुईं।

बजरंग पूनिया के पर्सनल कोच सुजीत मान ने एक मैच के निर्णय पर सवाल उठाया तो उन्हें फेडरेशन ने सस्पेंड कर दिया। सोनीपत में लगे सीनियर कैंप में सुजीत मान का नाम नहीं है। फेडरेशन की ऐसी ही मनमानियों के कारण धरना दिया जा रहा है।

अध्यक्ष को लिखे पत्र से विरोध के बारे में पता चलाः डब्ल्यूएफआई असिस्टेंट सेक्रेटरी

डब्ल्यूएफआई के खिलाफ पहलवानों के विरोध पर डब्ल्यूएफआई के असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर ने कहा- मुझे पता नहीं है ये किस बारे में है। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष को सभी रेसलर ने पत्र लिखा, उससे मुझे प्रदर्शन के बारे में पता चला। मैं यहां उनसे उनकी समस्या पूछने आया हूं।

धरने का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं: बजरंग पूनिया

बजरंग पूनिया ने कहा- हमारा विरोध फेडरेशन के खिलाफ है। जिस तरह से वो काम कर रहे हैं हम उसके खिलाफ है। इसमें कोई राजनीति नहीं है। हमने किसी नेता को यहां नहीं बुलाया है। ये सिर्फ पहलवानों का प्रदर्शन है। लगभग 12 रेसलर हाथ में तिरंगा लेकर जंतर-मंतर पर बैठे हैं।

प्रोटेस्ट चलने तक कोई भी खिलाड़ी टूर्नामेंट नहीं खेलेगा

बजरंग पूनिया ने कहा कि भारत के सभी टॉप रेसलर्स कोई भी नेशनल और इंटरनेशनल टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे जब तक समस्या का हल नहीं निकल जाता। फेडरेशन हम रेसलर्स के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता है। सभी रेसलर्स का पीएम ऑफिस और गृह मंत्री से अनुरोध है कि वे हमारी मदद करें।

नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में

पिछले साल कोविड प्रोटोकॉल्स के कारण नहीं उतर सके थे; रूड, मरे और ज्वेरेव भी जीते

मेलबर्न, 18 जनवरी (एजेंसियां)। साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन शुरू हो चुका है और पिछले सीजन में टीकाकरण विवाद के कारण टूर्नामेंट से हटे नोवाक जोकोविच ने जीत से शुरुआत की है। वर्ल्ड नंबर-5 जोकोविच को इस बार चौथी वरीयता दी गई है। जोकोविच ने 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का टाइटल जीता था।

सोमवार को पहले मेजर टूर्नामेंट में जोकोविच के अलावा वर्ल्ड नंबर-2 कैस्पर रूड, एंडी मरे और एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी पहले राउंड में जीत हासिल की है।

विमेंन सिंगल्स में स्पेन की गार्बिन मुगुरुजा उलटफेर का शिकार हो गई हैं।

एक घंटे में जीते जोकोविच

10वीं बार टाइटल जीतने उतरे सर्बियन स्टार नोवाक जोकोविच

ने पहले राउंड में एक घंटे तक चले मुकाबले में स्पेन के रॉबर्टो कार्बोले बेना को 6-3, 6-4, 6-0 से हराया।

नोवाक ने पहला सेट 6-3 से जीता। उसके बाद दूसरे सेट को भी इसी अंतर से अपने नाम किया। जोकोविच आखिरी सेट में और आक्रामक हुए और 6-0 की जीत हासिल की।

दूसरे दौर में नोवाक का मुकाबला 19 जनवरी को होगा। हालांकि, उनका प्रतिद्वंद्वी कौन होगा। अब तक यह तय नहीं है।

पिछले साल कोविड प्रोटोकॉल्स के कारण नहीं उतरे थे जोकोविच

2021 के चैंपियन नोवाक जोकोविच साल 2022 के सीजन में कोविड प्रोटोकॉल्स के कारण नहीं खेल सके थे। दरअसल, टूर्नामेंट के आयोजकों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए टीकाकरण अनिवार्य किया था, जबकि नोवाक अपने टीकाकरण संबंधित जानकारी पब्लिक नहीं करना चाहते थे।

रूड को मिली संघर्षपूर्ण जीत

दूसरी सीड कैस्पर रूड को पहले राउंड में संघर्षपूर्ण जीत मिली। नॉर्वेजिया के रूड ने सर्बिया के थॉमस मोचक को एक घंटे तक चले मुकाबले में 3-6, 7-6, 6-7, 6-3 से हराया।

मरे-ज्वेरेव भी जीते

पहले दौर में ग्रेट ब्रिटेन के एंडी मरे और एलेक्जेंडर ज्वेरेव जूनियर ने भी अपने-अपने मुकाबले जीते। मरे ने 13वीं सीड एम. बेरेटिनी को 6-3, 6-3, 4-6, 6-7, 7-6 से हराया। जबकि ज्वेरेव ने जेपी वारिलास को 4-6, 6-1, 5-7, 7-6, 6-4 से हराया।

आईसीसी की गलती से भारत ढाई घंटे नंबर-1 रहा

टेस्ट रैंकिंग में दोपहर 1:30 बजे टीम इंडिया टॉप पर, शाम 4 बजे दूसरे नंबर पर

खेल डेस्क, 18 जनवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने मंगलवार दोपहर रैंकिंग में एक बड़ी गलती कर दी। आईसीसी की ऑफिशियल वेबसाइट पर दोपहर 1:30 बजे के करीब भारत को नंबर-1 टेस्ट टीम बताया गया। ढाई घंटे बाद ही 4 बजे भारत को नंबर-1 से हटाकर नंबर-2 टेस्ट टीम कर दिया गया। ऑस्ट्रेलिया फिर नंबर-1 टेस्ट टीम हो गई।

आईसीसी की वेबसाइट पर सुबह 8:30 बजे भी ऑस्ट्रेलिया ही नंबर-1 टेस्ट टीम थी। रैंकिंग में हुई बड़ी चूक को लेकर आईसीसी ने अब तक आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन सोशल मीडिया पर फैंस ने आईसीसी की गलती पकड़ कर लगातार ट्वीट करने शुरू कर दिए।

सबसे पहले देखें दोपहर 1:30 बजे की आ ई सी सी टेस्ट टीम रैंकिंग...

दोनों टीमों में 11 पॉइंट्स का अंतर

ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम टेस्ट में पिछले कई महीनों से नंबर-1 पर है। ताजा रैंकिंग में उसके 126 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं, टीम इंडिया 115 पॉइंट्स के साथ नंबर-2 रैंक टीम है। यानी कि दोनों टीमों के बीच अभी 11 पॉइंट्स का अंतर है। 107 पॉइंट्स के साथ इंग्लैंड तीसरे नंबर पर है। भारत इस वक्त टी-20 में पहले और वनडे में चौथे नंबर पर है। न्यूजीलैंड की टीम वनडे में पहले नंबर पर है।

यहां देखें आईसीसी की लेटेस्ट टेस्ट टीम रैंकिंग...

कब अपडेट होती है टीम रैंकिंग?

आ ई सी सी द्वारा टीमों की रैंकिंग हर सीरीज के बाद अपडेट होती है। 15 जनवरी को भारत-श्रीलंका की वनडे सीरीज खत्म हुई। जिसके बाद 16 जनवरी को वनडे टीम रैंकिंग अपडेट हुई। इस तरह आने वाले दिनों में जो टेस्ट सीरीज शुरू होगी। उसके खत्म होने के बाद टेस्ट टीम रैंकिंग अपडेट होगी। 1 अक्टूबर को हर साल आईसीसी रैंकिंग का वार्षिक अपडेट होता है।

भारत कैसे आ सकता है नंबर-1 पर?

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज 9 फरवरी से शुरू हो रही है। 4 टेस्ट की सीरीज को भारत अगर 2-0, 3-1, 3-0 या 4-0 से जीतता है तो ऑस्ट्रेलिया को पीछे कर पहले स्थान पर पहुंच सकता है।

यहां देखें ऑस्ट्रेलिया से भारत की टेस्ट और वनडे सीरीज का शेड्यूल...

प्लेयर्स रैंकिंग कब अपडेट होती है?

टीमों के अलावा महिला खिलाड़ियों की रैंकिंग मंगलवार और पुरुष खिलाड़ियों की रैंकिंग हर बुधवार को अपडेट होती है। इसमें उस दिन खेले गए मैचों का डेटा शामिल नहीं होता। 18 जनवरी को बुधवार है। इस दिन सभी प्लेयर्स की रैंकिंग अपडेट होगी। जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 15 जनवरी को हुए वनडे में शतक जड़ने वाले विराट कोहली और विकेट लेने वाले कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को फायदा हो सकता है।

मोहम्मद सिराज ने डेवलप किया एंडरसन जैसा ब्रह्मास्त्र

बल्लेबाज भांप नहीं पाते कि गेंद बाहर जाएगी या अंदर आएगी; जानिए इसकी खासियत

खेल डेस्क, 18 जनवरी (एजेंसियां)। वॉबल सीम बॉल फेंकने के लिए ग्रिप में इंडेक्स और रिंग फिंगर के बीच दूरी सामान्य से ज्यादा रखनी होती है। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने पिछले दिनों श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के 3 मैचों में 9 विकेट लिए। 7 विकेट उन्होंने पावरप्ले में ही लिए। 2022 की शुरुआत से अब तक पावरप्ले में वे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। नई गेंद से उनकी गेंदबाजी को वर्ल्ड क्लास कहा जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि पिछले एक साल में सिराज ने ऐसा क्या किया है जिससे उनकी गेंदबाजी इतनी मारक हो गई है। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि सिराज ने एक ऐसा 'ब्रह्मास्त्र' डेवलप कर लिया है जो मौजूदा समय में सिर्फ इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के पास है।

इस ब्रह्मास्त्र का नाम है 'वॉबल सीम डिलीवरी' है।

वॉबल का मतलब होता है लड़खड़ाना। गेंदबाजी में इस शब्द का इस्तेमाल होता है जब बॉलर के हाथ से निकलने के बाद गेंद की सीम स्थिर नहीं होती है। वह लड़खड़ाती रहती है। यानी वह बाएं-दाएं हिलती रहती है। यानी गेंदबाज के हाथ से छूटने के बाद से पिच पर टप्पा खाने तक गेंद की सीम एक दिशा में स्थिर रहने की बजाय दोनों दिशाओं में मूव होती रहती है। इससे बल्लेबाज कनफ्यूज रहते हैं कि गेंद टप्पा खाने के बाद अंदर आएगी या बाहर जाएगी।

पाकिस्तान नहीं आना चाहते इंटरनेशनल क्रिकेट कोच

पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम ने कहा – कोच पीसीबी से डरते है

खेल डेस्क, 18 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में पिछले महीने कई बदलवा हुए है। नजम सेठी पीसीबी चीफ बने, वहीं, शहीद अफरीदी ने भी सिलेक्शन समिति की कमान संभाली। मैनेजमेंट में हुए बदलाव के साथ अब बारी थी टीम बदलने की। मैनेजमेंट चाहता था कि पाकिस्तान में टीम के पूर्व कोच मिकी आर्थर फिर कोच की भमिका निभाए। लेकिन, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मिकी ने पाकिस्तान क्रिकेट के हालातों को देखते हुए वहां आने से मना कर दिया।

इसपर वसीम अकरम ने टिपण्णी की। उन्होंने कहा कि, कोच पीसीबी से डरते है। क्योंकि उन्हें नहीं पता ना जाने कब मैनेजमेंट बदल जाए और उन्हें टीम से निकाल दिया जाए।

आर्थर को बुलाना चाहते है नजम सेठी

न्यूज एजेंसी पीटीआई के

मुताबिक, आर्थर पाकिस्तान आने को लेकर सोच विचार कर रहे थे। पीटीआई के एक सोर्स के मुताबिक।,. सच्चाई यह है कि जब पीसीबी चीफ, नजम सेठी ने उनके साथ बातचीत शुरू की और उन्हें हेड कोच के रूप में फिर से शामिल होने के लिए कहा गया। इसपर आर्थर ने कहा कि वह पाकिस्तान क्रिकेट में फिर से काम करना पसंद करेंगे, लेकिन पहले उनका कॉन्ट्रैक्ट अचानक से खत्म कर दिया गया।

2019 वर्ल्ड कप के बाद पीसीबी ने आर्थर को निकाला

आर्थर ने सेठी से कहा कि, 2019 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान एहसान मनी की अध्यक्षता में पीसीबी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि उनका कॉन्ट्रैक्ट आगे बढ़ाया जाएगा। लेकिन पाकिस्तान ने चार मैच जीतने के बावजूद सेमीफाइनल में जगह नहीं बनाई और इस कारण उन्हें निकाल दिया गया।

दूसरी बात यह भी है कि आर्थर का कॉन्ट्रैक्ट इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट टीम डर्बीशायर के साथ है। अगर आर्थर डर्बीशायर छोड़कर पाकिस्तान क्रिकेट का हिस्सा बनते है तो इस ग्यारंटी नहीं है कि पीसीबी लंबा कॉन्ट्रैक्ट दें पाएगा या नहीं।

आर्थर कंसल्टेंट बनने को तैयार लेकिन पाकिस्तान में नहीं रहेंगे

पीटीआई के सोर्स के मुताबिक, आर्थर ने सेठी से कहा था कि वह हालांकि पाकिस्तान बोर्ड के कंसल्टेंट यानी सलाहकार के रूप में काम करने के इच्छुक हैं। लें पीसीबी अभी इसके लिए तैयार नहीं है। आर्थर 2016 में सेठी की अध्यक्षता में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के हेड कोच बने। वे 2019 तक टीम का हिस्सा रहे। लेकिन, पीसीबी चीफ चेंज होते ही उन्हें टीम से निकाल दिया गया।

डॉक्टरों ने कहा- हाथ काटना पड़ेगा

सर्जरी में सफलता का चांस 1%, जीवटता से जीते, हॉकी वर्ल्ड कप में नीदरलैंड टीम में रिजर्व खिलाड़ी

भुवनेश्वर, 18 जनवरी (एजेंसियां)। हॉकी वर्ल्ड कप 2023 में नीदरलैंड्स की तरफ से बतौर रिजर्व खिलाड़ी मौजूद डेनिस वार्मरडम से 5 साल पहले डॉक्टरों ने कभी हॉकी न खेल पाने की बात कही थी। 2 साल से ज्यादा समय तक उनके दाएं हाथ में दर्द था। उन्होंने कई डॉक्टरों से इलाज और सर्जरी करवाई, लेकिन इससे उनकी तकलीफ और बढ़ती गई। 2 साल तक कई टेस्ट करवाने के बाद पता चला कि उन्हें मसल कैंसर है। डॉक्टरों ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी बीमारी जानलेवा नहीं है, लेकिन इसका सिर्फ एक ही इलाज है कि उन्हें अपना हाथ कटवाना होगा। वार्मरडम ने दूसरे डॉक्टर से सलाह ली, जिन्होंने एक और सर्जरी बताई। हालांकि, इस सर्जरी के सफल होने की संभावना सिर्फ 1% थी। कैंसर का इलाज शुरू करवाने से पहले वार्मरडम एक आखिरी बार हॉकी खेलने की सोच के साथ अपने क्लब की तरफ से मैदान में उतरे। इस मैच में सभी खिलाड़ियों ने वॉर्म-अप के दौरान वार्मरडम की 13 नंबर की जर्सी पहनी और खेल के बाद उन्हें कंधे पर उठाया। वार्मरडम इस दौरान अपने आंसुओं को नहीं रोक सके। आखिरकार उनकी सर्जरी सफल रही। हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि वो अब दोबारा हॉकी नहीं खेल पाएंगे। सर्जरी के बाद होश आने पर वार्मरडम ने अपने हाथ को हिलाया और कलाई को इस तरह मोड़ा जैसे वो एक हॉकी स्टिक पकड़े हों। इसके बाद उन्होंने एक ग्लास उठाने की कोशिश की, जिसमें वे सफल हुए। फिर वार्मरडम ने उस ग्लास में पानी भरा और उसे फिर उठाने की कोशिश की। इसमें भी वे कामयाब रहे। वार्मरडम ने सर्जरी के 4 महीने बाद हॉकी स्टिक पकड़ ली। 1 साल बाद उन्होंने अपने क्लब के लिए पहला मैच खेला। वे ओलिंपिक पूल का हिस्सा भी बने। वे टीम की तरफ से ब्लोमेंडाल के लिए भी चुने गए और लीग में सर्वोच्च गोल करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे। फिलहाल वे राउरकेला में अपनी टीम के रिजर्व प्लेयर हैं और उन्हें पूरी उम्मीद है कि वे टूर्नामेंट में एक बार मैदान में जरूर उतरेंगे।

केसीआर की खम्मम रैली में उठा राष्ट्रभाषा का मुद्दा

केरल सीएम बोले-मातृभाषाओं को खत्म कर थोपी जा रही हिंदी, अखिलेश बोले-बीजेपी के 399 दिन बचे

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सीएम और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सुप्रीमो के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की खम्मम जिले में आयोजित रैली में केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राष्ट्रभाषा का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि हमारी सभी देसी भाषाओं को दरकिनार करते हुए हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में चित्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। अपनी मातृभाषाओं को खत्म कर हिंदी थोपने से देश की अखंडता प्रभावित होगी। खम्मम जिले में आयोजित विपक्ष की रैली में बोलते हुए केरल के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रभाषा का मुद्दा उठाया। न्यायाधीशों की नियुक्ति में केंद्र सरकार की निर्णायक भूमिका पर पिनाराई विजयन ने कहा कि कानून मंत्री का यह बयान साबित करता है कि भाजपा सरकार न्यायिक स्वायत्तता को नष्ट करने पर तुली हुई है। सीजेआई ने खुद इस कदम का विरोध किया है।

देश को गुमराह कर रही भाजपा : भगवंत मान

जब (डोनाल्ड) ट्रंप की पत्नी (मेलानिया ट्रंप) ने सरकारी स्कूल देखना चाहा तो उन्हें (भाजपा) 'केजरीवाल वाला' स्कूल दिखा दिया। भारतीय जुमला पार्टी देश को गुमराह कर रही है। जहां वे जीत नहीं पाते हैं, उपचुनाव कराते हैं या विधायक खरीदते हैं।

दिन गिनने वाले सत्ता में नहीं रहते : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि कल बीजेपी ने मान लिया था कि अब उनके सत्ता में 400 दिन ही बचे हैं, जो अपने दिन गिनने लगते हैं, वे सत्ता में नहीं रह सकते। अब, केवल 399 दिन शेष हैं। तेलंगाना में विपक्ष की एकजुटता दिखाने के लिए बुलाई गई रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान शामिल हुए। साथ में, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव भी मंच पर मौजूद हैं।

किसानों की समस्याओं पर मुख्य फोकस : केसीआर

रैली से पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा था कि उनकी रैली का मुख्य फोकस देश में किसानों की मुसीबतों को दूर करना होगा, जो सत्ताधारी दलों की लापरवाही के कारण दशकों से पीड़ित हैं। उनका कहना है कि किसान देश भर में कुल आबादी का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा हैं। उनके अनुसार, किसी भी सत्ताधारी दल ने अब तक किसानों की आय बढ़ाने, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने और उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए निरंतर प्रयास नहीं किए हैं।

केसीआर ने पिछले साल दशहरे पर अपने दल तेलंगाना राष्ट्र समिति का नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति किया।

केसीआर ने कहा कि भाजपा तेलंगाना में अपना आधार बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। आज की स्थिति में, भाजपा का राज्य में सबसे छोटा जनाधार है। सूत्रों के अनुसार, तेलंगाना में पैर जमाने की भाजपा की कोशिशों का अब तक केसीआर के मजबूत राजनीतिक दबदबे पर कोई असर नहीं पड़ा है।

इन आठ राज्यों में पार्टी आधार बढ़ाना चाहते हैं केसीआर

केसीआर कम से कम आठ राज्यों में अपना पार्टी आधार बढ़ाने के इच्छुक हैं। इनमें कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं। रैली के लिए 448 एकड़ क्षेत्र में 20 पार्किंग स्थल स्थापित किए जा रहे हैं। विधायक रासमयी बालकिशन के निर्देशन में कलाकारों व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के लिए विशेष मंच बनाया गया है।

केसीआर की सभा में हिंदी की गूंज

हिंदी में नारे लगाते हुए दिखे गये बीआरएस कार्यकर्ता

खम्मम, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों के कल्याण पर भारत राष्ट्र समिति की योजनाओं पर कैडरों द्वारा नारेबाजी के बीच, बुधवार को यहां सत्तारूढ़ बीआरएस की पहली सार्वजनिक बैठक तेलंगाना के मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव के राष्ट्रीय उदय की सराहना करने वाले राजनीतिक गीतों के साथ जीवंत हो गई।

यहां बैठक स्थल, जो उत्साही कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से भरा हुआ था, हिंदी में राजनीतिक गीतों से गूंज उठा और उनमें से कुछ ने "एक दो चार, देश के नेता केसीआर" की धुन पर तालियां बजाईं। तेलुगु में "जय तेलंगाना और जय जय केसीआर" जैसे नारों से परिचित पार्टी कार्यकर्ताओं ने "भाजपा को हटाएंगे, भारत को बचाएंगे" जैसे नए वाक्यांशों के साथ हिंदी गाने सुने। मंच गुलाबी रंग में सराबोर था और कलाकारों, पुरुषों और महिलाओं दोनों को एक ही रंग के कपड़े पहनाए गए थे और उन्होंने मंच पर नेताओं के आने से पहले भीड़ को बांधे रखा। गुलाबी बीआरएस के झंडे का रंग है। 'अब की बार किसान सरकार' का नारा पढ़ा गया और इसे मंच पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।

बीमा के लिए हत्या : नाबालिग समेत चार गिरफ्तार

संगारेड्डी, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सचिवालय कर्मचारी पी. धर्मा नायक ऑनलाइन ट्रेडिंग में हुए नुकसान की भरपाई के लिए बीमा का दावा करने के लिए किसी को मारने और अपनी खुद की मौत का नाटक करने की एक साल से योजना बना रहा था।

इसके लिए, नायक ने कुछ महीने पहले नामपल्ली रेलवे स्टेशन पर अंजैया नामक एक व्यक्ति की पहचान की, लेकिन उन्होंने अंतिम समय में योजना बदल दी क्योंकि अंजैया ने शराब का सेवन किया था, जिससे वह बीमा दावे के लिए अयोग्य हो जाएगा। आखिरी समय में हुए बदलाव में नायक और उनके दामाद तेजावथ श्रीनिवास ने 8 जनवरी को निजामाबाद रेलवे स्टेशन से एक बाबू को उठाया और टेकमल मंडल के वेंकटपुर गांव में उसकी हत्या कर दी। जले हुए शरीर को तब नायक की कार में रख दिया गया ताकि वह दिखाई दे कि यह धर्मा नायक है जिसकी दुर्घटना में मृत्यु हो गई है।

पुलिस, जिसने नायक को पुणे तक ट्रैक किया और मंगलवार को उसे पकड़ लिया, ने बुधवार को नायक, उनके दामाद श्रीनिवास, नायक की पत्नी नीला, उनकी बहन सुनंदा और उनके नाबालिग बेटे को भी गिरफ्तार करने की घोषणा की।

मृतक के पैर ने नायक के परिवार पर संदेह पैदा कर दिया : पुलिस

मेदक, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक रोहिणी प्रियदर्शिनी ने कहा कि पीड़ित बाबू के पैर से संदेह पैदा हो गया था कि शव नायक का है या नहीं। चूंकि पैर एक अनुभवी मजदूर के पैर की तरह लग रहा था, उसने कहा कि जब उन्होंने संदिग्ध व्यवहार किया तो उन्होंने परिवार के सदस्यों के बारे में पूछताछ शुरू कर दी। जहां नायक के दोस्त और गांव वाले इस बात पर जोर दे रहे थे कि कार में मिला शव बारीकी से देखने के बाद नायक का नहीं है, परिवार ने जोर देकर कहा कि यह उसका है और परंपराओं का पालन करते हुए अंतिम संस्कार किया। एसपी ने कहा कि वे अभी तक बाबू की पहचान का पता नहीं लगा सके हैं। इस बीच नायक ने बाबू की हत्या करने के बाद कुछ दिन निजामाबाद में बिताए और फिर इंदौर चला गया। मेदक एसपी ने कहा कि जब वह मेदक आ रहा था तो उन्होंने उसे पकड़ लिया।

मुलुगु में अनुसूचित जाति के लिए 92 सूक्ष्म उद्योग इकाइयों को मंजूरी

मुलुगु, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर एस. कृष्ण आदित्य ने कहा कि जिले में अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए अनुसूचित जाति सहकारी विकास निगम लिमिटेड द्वारा 92 लघु-स्तरीय व्यावसायिक इकाइयों को मंजूरी दी गई थी। इसके तहत उन्होंने करीब एक लाख रुपये की सिलाई मशीन सौंपी। बुधवार को यहां 'संकेशम भव' में 35,400 से 13 एससी लाभार्थियों को। उन्होंने लाभार्थियों को 14,400 रुपये के डीडी भी सौंपे। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि 92 इकाइयों के लिए कुल 49.90 लाख रुपये और भैंस इकाइयों के लिए अतिरिक्त 10,000 रुपये स्वीकृत किए गए थे। 92 इकाइयों के लिए 39 डेयरी इकाइयां, 18 टेलरिंग इकाइयां, सात कांच इकाइयां और 28 अन्य इकाइयां स्वीकृत की गईं। एससी निगम ईडी तुला रवि व अधिकारी मौजूद रहे।

वंदे भारत ट्रेन में शख्स के लिए महंगा पड़ा सेल्फी लेना, लगा लॉक

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद से वैजाग जाने वाली नई शुरू की गई वंदे भारत एक्सप्रेस में घुसने वाले और अगले स्टेशन तक अंदर बंद रहने वाले व्यक्ति के लिए सेल्फी लेना महंगा पड़ा।

ऑनलाइन सामने आए वीडियो में शख्स को सेमी-ऑटोमैटिक ट्रेन के ऑटोमैटिक दरवाजों को अनलॉक करने की कोशिश करते देखा जा सकता है। जब टिकट मास्टर ने उसे बताया कि दरवाजा अगले विजयवाड़ा स्टेशन पर ही खुलेगा, तो उसने जवाब दिया कि वह ट्रेन में सिर्फ एक सेल्फी लेना चाहता है।

टिकट मास्टर ने कहा कि आप तस्वीर लेने के लिए अंदर क्यों आए? अब ये दरवाजे सिर्फ विजयवाड़ा में खुलेंगे। अब छह घंटे की यात्रा का आनंद लें।

नरसमपेट में सड़क मरम्मत के लिए 63.88 करोड़ रुपये मंजूर

वारंगल, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून के दौरान बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के लिए राज्य सरकार ने 63.88 करोड़ रुपये मंजूर किए। नरसमपेट के विधायक पेद्दी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि मरम्मत का काम जल्द ही शुरू हो जाएगा। पंचायत राज विभाग की कुल 74 सड़कें निर्वाचन क्षेत्र में बारिश से क्षतिग्रस्त हो गईं।

इस राशि का उपयोग निर्वाचन क्षेत्र में 118 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत और बिछाने के लिए किया जाएगा। इसमें से 36 करोड़ रुपये बीटी सड़कों के लिए और 27.88 करोड़ रुपये सीसी सड़कों के लिए आवंटित किए गए हैं। एक सप्ताह में इन कार्यों के लिए निविदाएं बुलाई जाएंगी और चार महीने में मरम्मत का काम पूरा कर लिया जाएगा। बेमौसम बारिश से फसल को हुए नुकसान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले साल जनवरी में ओलावृष्टि से 18,500 किसानों की 18,000 एकड़ में लगी फसल बर्बाद हो गई थी. विधायक ने कहा कि मैंने इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर रावके संज्ञान में लिया और उन्होंने मिर्च और मक्का की फसलों के किसानों को इनपुट सब्सिडी को मंजूरी दे दी है।

हिमायतनगर के होटल में लगी आग

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिमायतनगर के एक होटल के किचन में बुधवार दोपहर मामूली आग लग गई। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना के समय ज्यादा ग्राहक मौजूद नहीं होने के कारण किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों को आशंका है कि शार्ट सर्किट से आग लगी। पुलिस के अनुसार, होटल के कर्मचारियों ने रसोई से आग और धुआं निकलते देखा और तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को सूचित किया, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर उसे तुरंत बुझाया। कुकिंग एरिया में रखे एलपीजी सिलिंडर को पुलिस टीम और होटल स्टाफ ने सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि इससे संभवत: एक बड़ा हादसा और जनहानि टल गई। नारायणगुड़ा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुकर्रम जाह की शव यात्रा के मद्देनजर चारमीनार के आसपास की दुकानें बंद रहीं

चौमहल्ले पैलेस में 8वें निजाम मीर बरकत अली खान मुक्करम जाह बहादुर के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्व पीसीसी अध्यक्ष वीएच हनुमंत राव। सथ में हैं कांग्रेस नेता आर. लक्ष्मण राव, एसपी क्रांति कुमार, दौलत राम व अन्य।

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आठवें निजाम मीर बरकत अली खान मुकर्रम जाह बहादुर के अंतिम संस्कार के जुलूस के मद्देनजर चारमीनार के आसपास की दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बुधवार को बंद रहे, जिनका शनिवार रात निधन हो गया था। मुकर्रम जाह के पार्थिव शरीर को इस्तांबुल तुर्की से शहर लाया गया, जहां उनका निधन मंगलवार शाम को एक विशेष चार्टर्ड विमान से आरजीआई एयरपोर्ट शमशाबाद लाया गया। बाद में इसे चौमहल्ला पैलेस में स्थानांतरित कर दिया गया और लोगों को अंतिम सम्मान देने के लिए महल में रखा गया। आज सुबह 8 बजे से ही बड़ी संख्या में आम जनता महल में आ गई। जाति और पंथ के बावजूद, पर्यटकों सहित लोग अंतिम सम्मान देने के लिए महल में आए थे। अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए दुनिया भर से निजाम परिवार के सदस्य शहर आए थे। दोपहर करीब 3.30 बजे शवयात्रा महल से शुरू होकर ऐतिहासिक मक्का मस्जिद पहुंचेगी। असार नमाज़ के बाद, मक्का मस्जिद में (शाम 5 बजे के आसपास) 'नमाज़-ए-जनाज़ा' होगी और शरीर को उनके पिता, मीर हिमायत अली खान आजम जहाँ बहादुर और सबसे बड़े बेटे की कब्र के बगल में रख दिया जाएगा। सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान की। मक्का मस्जिद में जनाजे की नमाज के लिए लोगों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था। कई लोगों को उस जगह का नज़ारा लेते देखा जा सकता है जहाँ मुकर्रम जाह बहादुर को दफनाया जाएगा।

वंदे भारत एक्सप्रेस को रेल यात्रियों से मिली उत्साही प्रतिक्रिया

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद और विशाखापत्तनम के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस की नियमित ट्रेन सेवा, जिसे हाल में ही प्रधान मंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाई गई थी, ने रेल यात्रियों से भारी प्रतिक्रिया प्राप्त की है। यह ट्रेन की नियमित सेवा के पहले तीन दिनों के लिए ऑक्यूपेंसी अनुपात में परिलक्षित होता है, जिसमें लगातार 100 प्रतिशत से अधिक की पूर्ण क्षमता का उपयोग देखा गया है। ट्रेन की नियमित सेवाएं 16 जनवरी, 2023 से शुरू की गई हैं, जिसके लिए बुकिंग 14 जनवरी, 2023 को खोली गई थी। इसके बावजूद, ट्रेन को पहले तीन दिनों के लिए रेल यात्रियों का भारी समर्थन मिला है। " विशाखापत्तनम से सिकंदराबाद के बीच की यात्रा के लिए, पहले तीन दिनों (16, 17 और 18 जनवरी 2023) के लिए औसत अधिभोग 99 प्रतिशत, 144 प्रतिशत और 149 प्रतिशत है। इसी तरह, सिकंदराबाद से विशाखापत्तनम के बीच की यात्रा के लिए, पहले तीन दिनों (16, 17 और 18 जनवरी 2023) के लिए औसत ऑक्यूपेंसी 122 प्रतिशत, 147 प्रतिशत और 117 प्रतिशत है। यहां, यह उल्लेख किया जा सकता है कि, तीसरे दिन यानी 18 जनवरी 2023 के लिए दिया गया अधिभोग केवल अस्थायी है क्योंकि इसे शुरुआती स्टेशनों पर चार्टिंग के समय लिया गया था। वर्तमान बुकिंग को ध्यान में रखते हुए यात्रा के अंत में अंतिम अधिभोग अनुपात अधिक होगा। इस ट्रेन में 14 एसी चेयर कार कोच और 02 एक्जीक्यूटिव एसी चेयर कार कोच हैं, जिनकी क्षमता क्रमशः 1024 और 104 सीटों की है, जिनकी कुल क्षमता 1128 है। यह ट्रेन दोनों स्टेशनों के साथ-साथ दिन की यात्रा के लिए तेजी से सबसे पसंदीदा विकल्प बन रही है। सिकंदराबाद - विशाखापत्तनम के बीच उपलब्ध कई ट्रेनों में से, वंदे भारत एक्सप्रेस सबसे तेज़ यात्रा विकल्प है, जो केवल साढ़े आठ घंटे की छोटी अवधि में दो स्टेशनों के बीच की दूरी को कवर करती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि ट्रेन का संचालन उन लोगों के लिए सुविधाजनक समय पर किया जा रहा है जो दिन के समय अक्सर यात्रा करते हैं और वह भी अल्प सूचना में। ट्रेन का निर्माण शुद्ध स्वदेशी तकनीक से किया गया है, जो आधुनिक सुविधाओं से लैस है और हवाई यात्रा के साथ बेहतर सुविधा प्रदान करती है। ट्रेन में स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे हैं, सभी वर्गों में रिक्लाइनिंग सीटें और एक्जीक्यूटिव क्लास में घूमने वाली सीटें हैं। आपातकालीन अलार्म बटन और आपातकालीन टॉक बैक यूनिट प्रदान की गई हैं जिसके माध्यम से यात्री आपात स्थिति में चालक दल के साथ बात कर सकते हैं। सुरक्षित यात्रा के लिए सभी कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे का माल ढुलाई राजस्व 10,000 करोड़ रुपये के पार

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे जोन का माल परिचालन चालू वित्त वर्ष के दौरान 10,000 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज करके एक और उपलब्धि हासिल कर चुका है। यह सिर्फ 9 महीने 16 दिनों में हुआ है, जो अपनी स्थापना के बाद से जोन द्वारा सबसे तेज है। इससे पहले, 9 मार्च 2019 को 343 दिनों में 10,000 करोड़ रुपये का माल राजस्व हासिल किया गया था। माल खंड लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और हाल ही में, कुछ दिनों पहले, दक्षिण मध्य रेलवे ने 100 मिलियन टन लोडिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। माल ढुलाई का रुझान आशावादी तरीके से है और टीम एससीआर वित्तीय वर्ष के अंत तक उच्चतम माल ढुलाई तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। जोन द्वारा गठित व्यावसायिक विकास इकाइयां, जिसमें परिचालन और वाणिज्यिक अधिकारी और कर्मचारी दोनों शामिल हैं, यातायात की नई धाराओं को आकर्षित करने और यातायात को पुनर्जीवित करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं, जिसे परिवहन के अन्य साधनों में बदल दिया गया था।

वे माल ग्राहकों के साथ लगातार काम कर रहे हैं और माल ग्राहकों को दी जा रही नीतिगत पहलों और प्रोत्साहनों के बारे में बता रहे हैं। इन सभी प्रयासों के कारण चौतरफा विकास के साथ माल ढुलाई खंड में तेजी आई है। माल ढुलाई की प्रमुख वस्तु कोयला है, जो कुल लदान में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है, जबकि सीमेंट लदान में 26 फीसदी का योगदान देता है। लगभग 11 प्रतिशत लदान खाद्यान्न और उर्वरक द्वारा एक साथ किया जाता है, जबकि शेष अन्य सामानों द्वारा किया जाता है। सिंगरेनी कोलियरीज एससीआर के लिए प्रमुख माल ग्राहक है जो मुख्य रूप से ताप विद्युत संयंत्रों और सीमेंट संयंत्रों को कोयले की ढुलाई करता है। कोविड लॉकडाउन के बाद से खाद्यान्न और उर्वरकों की लोडिंग में भी काफी वृद्धि हुई है और यह देश भर में खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को संतुलित करने में सहायक है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने माल ढुलाई खंड में 10,000 करोड़ रुपये के राजस्व का आंकड़ा हासिल करने के लिए टीम एससीआर, विशेष रूप से परिचालन और वाणिज्यिक विंग को बधाई दी है। उन्होंने रेलवे को माल ढुलाई का पसंदीदा साधन बनाने के लिए टीम को उसी गति को बनाए रखने की सलाह दी।

रद्द किए गए स्लॉट दैनिक आधार पर बुकिंग के लिए उपलब्ध रहेंगे : आरपीओ

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) ने आवेदकों के लिए और अधिक अपॉइंटमेंट उपलब्ध कराने के एक और प्रयास में स्लॉट उपलब्ध कराने का फैसला किया है, जो पहले बुक किए गए थे, लेकिन वर्तमान में सेवाओं के रद्दीकरण या पुनर्निर्धारण के कारण मुफ्त हैं। हाल ही में, आपीओ ने दिसंबर, 2022 में चार शनिवार को कुछ पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएसके) या डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों के कामकाज को पुनर्निर्धारित किया था।

पासपोर्ट के लिए ऑनलाइन आवेदन करते समय आवेदकों को पालन करना चाहिए। डी. बलैया, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, हैदराबाद ने एक बयान में कहा, ये स्लॉट अब हर दिन जारी किए जाएंगे और उनकी उपलब्धता के आधार पर पासपोर्ट पोर्टल में रोजाना शाम 4.30 बजे आवेदकों द्वारा बुकिंग के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। आवेदक या तो नई नियुक्तियों को बुक कर सकते हैं या अपनी पहले से बुक की गई नियुक्तियों को तदनुसार प्री-पोन भी कर सकते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एससीआर ने भारत के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल के साथ बैठक की

हैदराबाद, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उच्च न्यायालय में मुआवजे के दावों के विषय पर केंद्र सरकार के वकील के अपने पैनल के साथ भारत तेलंगाना के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल के साथ एक बैठक रेल निलयम में आयोजित की गई। इस संवादात्मक सत्र की अध्यक्षता पी. उदय कुमार रेड्डी, अपर महाप्रबंधक/दमरे ने की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने केंद्र सरकार के वकीलों को रेलवे के रूप में उच्च न्यायालय में दायर की जा रही मुआवजा अपीलों की सफलता दर में सुधार करने की सलाह दी ताकि दावों का विवेकपूर्ण वितरण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के वकीलों को उन मामलों के लिए रेलवे दावा न्यायाधिकरण में दायर की जा रही निष्पादन याचिकाओं के संबंध में तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए, जिनकी अपील रेलवे द्वारा लिस्टिंग के अभाव में लंबित है। सी वेणु गोपाल मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/दावों ने उच्च न्यायालयों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित मिसालों के विरुद्ध ब्याज और मुआवजा देने के बारे में भी चर्चा की और भारत के उप सॉलिसिटर जनरल से कानून के सवाल पर रेलवे को सलाह देने का अनुरोध किया जिसे माननीय द्वारा खुला रखा गया था। आरपी सिंह, मुख्य सुरक्षा आयुक्त ने उल्लेख किया कि अधिनियम के अनुसार विस्तृत वैधानिक पूछताछ की जाएगी और गवाह से बयान लेते समय साक्ष्य को यथासंभव घटाया जाएगा। उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/दावा ने दावे मुआवजे और रेलवे द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों पर एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। प्रवीण कुमार, भारत के उप सॉलिसिटर जनरल और केंद्र सरकार के वकील, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने अपनी टिप्पणी में उत्तर दिया है कि तेलंगाना में उच्च न्यायालय में रेलवे के मामलों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं और सभी मामलों को प्रभावी ढंग से संभाला जाएगा।

सीआईएसएफ एसआई की पत्नी ने भी की आत्महत्या

अमरावती, 18 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में बुधवार को एक और त्रासदी हुई। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के सब-इंस्पेक्टर द्वारा खुद को गोली मारने के एक दिन बाद आज उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। उत्तर प्रदेश से मंगलवार को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) पहुंचीं प्रिया सिंह (27) ने बुधवार तड़के नर्मदा गेस्ट हाउस में फांसी लगा ली। इतने दिनों में भारतीय स्पेसपोर्ट पर यह तीसरी आत्महत्या थी।पुलिस के अनुसार, प्रिया सिंह अपने भाई और तीन बच्चों के साथ मंगलवार को अपने पति विकास सिंह द्वारा आत्महत्या की सूचना मिलने के बाद शार पहुंची थी। पुलिस ने प्रिया सिंह का बयान दर्ज किया था और वह परिवार के सदस्यों के साथ गेस्ट हाउस में रुकी थी। बुधवार की सुबह उसने गेस्ट हाउस के कमरे में पंखे से फंदा लगा लिया। उसके शरीर को शव परीक्षण के लिए सुल्लुरुपेटा अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। विकास सिंह के शव को भी उसी अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद रखवा दिया गया था और बुधवार को इसे परिजनों को सौंप दिया जाना था। पुलिस का मानना है कि पति की मौत के सदमे से प्रिया सिंह ने इतना बड़ा कदम उठाया। सोमवार की रात सब इंस्पेक्टर विकास सिंह ने अपनी पिस्टल से खुद के सिर में गोली मार ली। वह गेट पर ड्यूटी पर था। इतना बड़ा कदम उठाने के कारणों का पता नहीं चला है। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच में लिया है। एक कांस्टेबल द्वारा अपनी जीवन लीला समाप्त करने के एक दिन बाद सब-इंस्पेक्टर की आत्महत्या हुई। चिंतामणि (29) ने रविवार की शाम पीसीएमसी के राडार-1 इलाके में ड्यूटी करते समय फांसी लगा ली। छत्तीसगढ़ के रहने वाले वह 10 जनवरी को एक महीने की छुट्टी के बाद ड्यूटी पर लौटे थे। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कांस्टेबल ने किसी पारिवारिक समस्या के चलते अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.